अखिल भारतवर्षीय चंद्रवंशी परिषद के तत्वाधान में मनाया गया

मगध सम्राट जरासंध महाराज जी का जन्मोत्सव

● अमित कुमार सिंह/अनिता सिंह

दिनांक 7 दिसंबर की मिलर हाई स्कूल के मैदान में अखिल भारतवर्षीय चंद्रवंशी परिषद के तत्वधान में मगध सम्राट जरासंध महाराज जी के जन्मोत्सव सह चंद्रवंशी स्वाभिमान रैली हुई, जिसमे पूरे बिहार से हजारों के संख्या में लोग पहुंचे। इस कार्यक्रम के अध्यक्षता अखिल भारतवर्षीय चंद्रवंशी परिषद के राष्टीय अध्यक्ष एवं बीजेपी अति पिछड़ा प्रकोष्ठ प्रदेश संयोजक प्रमोद सिंह चंद्रवंशी ने किया। अध्यक्षीय भाषण में प्रमोद सिंह चंद्रवंशी ने कहा कि आप लोग मेरे आज आह्वान पर इतनी ठंड कटनी लगन में भी इतना भारी संख्या में आए, इसके लिए आप सब को हृदय से अभिनन्द करते है। श्री चंद्रवंशी ने कहा कि हमारा इतिहास गौरवशाली व पौराणिक रहा है। हम मगध सम्राट जरासंध महाराज जी के वंशज हैं, इसे पुनः दोहराना चाहते है तो संगठित होकर अति पिछड़ा को भी संगठित करना होगा। श्री चंद्रवंशी ने कहा कि बीजेपी ने हमारे समाज को सम्मान दिया है तो हमलोग का भी कर्तव्य बनता है कि बीजेपी को मजबूती प्रदान करे। श्री चंद्रवंशी एनडीए के 2025 के विधान सभा 225 के लक्ष्य को बढ़ाते हुए 243 करने का संकल्प लेकर जाइए। उपस्थित लोगों ने दोनों हाथ उठाकर संकल्प लिया। इस कार्यक्रम के उद्घाटन बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष डॉ० दिलीप जसवाल ने मगध सम्राट जरासंध महाराज जी के प्रतिमा पर पुष्प अर्पित की एवं दीप प्रज्ज्वलित किया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने चंद्रवंशी समाज को राजनीतिक भागीदारी देने की बात की और कहा कि मगध सम्राट जरासंध महाराज जी पौराणिक इतिहास है, जिसे नरेंद्र मोदी आगे बढ़ा रहे हैं। सम्राट चौधरी ने कहा कि आप ऐसे वंशज के संतान है, जिसने भगवान को भी चुनौती दी। मगध का इतिहास जरासंध बिना अधूरा है। बीजेपी, चंद्रवंशी समाज को आगे बढ़ाने का काम करेगी। चौधरी ने प्रमोद सिंह चंद्रवंशी का प्रशंसा करते हुए इस शानदार जानदार वजनदार बड़ी रैली के लिए बधाई दिया। समारोह को संबोधित करते हुए डॉ० दिलीप जसवाल जी ने कहा कि आज के

चन्द्रवंशियो के सर्वमान्य नेता है प्रमोद चन्द्रवंशी

मगध के सबसे प्राचीन वंश वृहदर्थ था। मगध साम्राट जरासंध जिसे दुनिया लोहा मानती है। इतिहास गवाह है कि इनकी भुजाओं मे 10 हजार हाथी का बल था। मगध के सबसे शक्ति शाली राजा उन्होने अपना पराक्रम से 275 राजा को वंदी बनाया तब से भारत के पहले चक्रवती सम्राट कहलाये। इनके वंशजो का 5000 ई0 तक मगध पर शासन रहा, इन्होने अपना पराक्रम से भगवान कृष्ण वो 17 बार हराया तब से श्रीकृष्ण को रणछोड़ की उपाधी मिली। उसके बाद 27 दिन तक राजगृह में मलयुद्ध चला फिर कृष्ण ने बल से नही छल से उनका अंत किया। महाभारज चन्द्रवंशियो का इतिहास रहा है। आज भारतवर्ष का नाम ''भरत'' जो चन्द्रवंशी थे उन्ही के नाम पर भारत देश पड़ा। बिहार के 41 विद्यान सभा में चन्द्रवंशी बाहुल्य है और झारखण्ड के 40 विधान सभा बाहुल्य क्षेत्र है। जो दोनो राज्य की सरकार बनाने मे अहम भूमिका है। बाकि विधान सभा मे 20 से 30 हजार वोटर तो है ही प्रमोद चन्द्रवंशी की सभी विद्यान सभा मे 10 हजार से 20 हजार चन्द्रवंशी वोट पर मजबूत पकड़ है। पिछले विधान सभा मे 73 से 43 सीट मे जदयू को चन्द्रवंशी फैक्टर महंगा पड़ा था।

रखा। श्री सिन्हा ने कहा कि इस समाज आगे बढ़ाने के हर संभव प्रयास करेंगे। इस समारोह को संबोधित करते हुए हम सेकुलर के प्रदेश अध्यक्ष डॉ० अनिल कुमार ने कहा कि अगर पूरे बिहार चंद्रवंशी का कोई नेता है तो उसका नाम प्रमोद सिंह चंद्रवंशी है, जो अपने बल पर कम से कम 10 से 20 हजार विधान सभा क्षेत्र में वोट दिला सकते हैं। इसलिए हम बीजेपी से अनुरोध करेंगे कि बीजेपी को मजबूत करना है तो प्रमोद सिंह चंद्रवंशी को मजबूत करना होगा। इस समारोह को नगर विकास मंत्री श्री नितिन नवीन, पूर्व सांसद श्री सुशील कुमार सिंह, विधायक डॉ० संजीव चौरसिया, रामानंद सिंह चंद्रवंशी, निरंजन कुमार चंद्रवंशी, डॉ० अजय कुमार, मोहन सिंह, कौशल्या देवी, मधु देवी, इन्दल चंद्रवंशी, मोहन सिंह, अभय सिंह चंद्रवंशी, मुन्ना प्रमुख, कमलेश चंद्रवंशी, नागेंद्र चंद्रवंशी, शशि सिंह चंद्रवंशी, रवि कुमार, इत्यादि दर्जनों लोगों ने संबोधित किया। इस कार्यक्रम का संचालन वीरेंद्र सिंह चंद्रवंशी ने किया। रैली का प्रस्ताव चंद्रवंशी चेतना परिषद के राष्टीय उपाध्यक्ष अनिल सिंह चंद्रवंशी ने पढ़ा, जिसे सर्वसहमति से पारित किया गया।●

रैली में लिए गए प्रस्ताव का हम समर्थन करते हैं और इसको पूरा करने का आप सबों को भरोसा दिलाते हैं। श्री जसवाल ने कहा कि हमारे स्तर से इस समाज को जितना प्रतिष्ठा देना होगा देंगे। इस समारोह को उप मुख्य मंत्री श्री विजय सिन्हा ने कहा कि जरासंध जी के इतिहास के बिना देश का इतिहास अधूरा हैं। मगध सम्राट जरासंध जी अपराजेय नेता थे, जिन्होंने अपने शासन में प्रजा को सुरक्षित

शिक्षक अपने कर्तव्य को समझे : D.P.O मजहर हुसैन

● **अमित कुमार सिंह/अनिता सिंह**

जिले के जिला प्रशिक्षण संस्थान डायट भवन नवादा मे छः दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन की शुरूआत डी0पी0ओ0 मजहर हुसैन, प्राचार्य विनय कुमार सिंह चौधरी, उप प्राचार्य फैयाज आलम, व्याख्याता डा0 ज्योति माला, डा0 रेखा कुमारी, तवरेज अख्तर राकेश कुमार, शुशील कुमार ने संयुक्त रूप से द्वीप प्रज्जवलित कर विधिवत उदघाटन किया। प्रशिक्षण का मुख्य उद्धेश्य विद्यालय आधारित आकलन (SBA) एस0वी0ऐ क्या है। और अपने विद्यालय में शिक्षक किस प्रकार से बच्चो का आकलन करते है। उसके बारे में प्रशिक्षण दिया गया। साथ ही प्रशिक्षण में परख, H.P.C. कार्ड, अपार कार्ड, आकलन और मूल्याकन के टुल्स, अधिगम, व्लूम टेक्सोनोमी, पोर्ट फोलियो टुल्स और टेकनिक, वाद विवाद प्रतियोगियता शब्दो की दुनिया ऐप्स के बारे में विस्तार रूप से बताया गया। यह प्रशिक्षण 2 दिसम्बर से 7 दिसम्बर तक कक्षा 09-10 के शिक्षको के लिए हुआ। कार्यक्रम का आगाज सीपरा घोष ने तमसो माँ ज्योतिगमण स्वागतम स्वागतम् गीत से शुरूआत हुआ। D.P.O. मजहर हुसैन ने कहा कि छोटी-छोटी बातो पर पकड़ बनाने की जरूरत है। अपारकार्ड बनाने पर उन्होने जोर दिया विद्यालय सहयोग की भावना से कदम बढ़ायेगे तो बच्चे बहुत कुछ सीखेगें ''शब्दो की दुनिया'' CPd क्रोस M.I.P. ऐप्स लॉच के दौरान बोल रहे थे। वर्ण, अक्षर, शब्द का ज्ञान होगा तब ही वाक्य बनगें। एप्स को सफल बनाने मे सहयोग देगे तब ही समाज के अंतिम पायदान के व्यक्ति के घर में शिक्षा का द्वीप जलेगा। प्राचार्य विनय कुमार सिंह चौधरी ने कहा कि शिक्षा को प्राथमिकता ये स्कूल के बच्चे का भविष्य को सभारे इधर-उधर की बातो से बच्चों का भविष्य खराब होगा। दुनिया बदलती है, आगे बढ़ना है तो जागृति से बढ़ता है और इस डिजीटल संसाधन विकसित देशों के पास है तो इस गैप को

बाटा जा सकता है। शिक्षा अभिभावक छात्रो और शिक्षक के लिए तैयार किया गया है। अपना विकास कर सकते है। केवल शहर से नहीं गाँव कसवे मे भी प्रतिभा है तो उसे भी प्लेटफार्म से जुड़ने का मौका मिलेगा। इस अध्याय से एक नई कड़ी जुड़ गई है। Learn और Teach के रूप मे N.E.P. 2020 मे डीजीटल शिक्षा पर विशेष जोर दिया गया है।

प्रो0 राकेश कुमार ने कहा कि दीक्षा तब का अब का स्वरूप मे काफी अलग ढंग से डिजायन किया गया है। सभी 01-12 तक तैयार किया गया है। सभी शिक्षको को लाभ पहुँचायेगा। ''शब्दो की दुनिया'' सीखने का शब्द ही आधार शब्द पर पकड़ नहीं होगी। कोशिश करके बेहतर किया जा सकता है। अपने जिले को मजबूत किया जा सकता है। आज डिजिटल मे नवादा दूसरे स्थान पर है। कार्यक्रम की शुरूआत छः बजकर तीस मिनट पर व्यायाम और योगाभ्यास से होती है। राजू सर एवं सुशील सर द्वारा व्यायाम और योग की शिक्षा दी गई। योग के समाप्ति राजू रंजन सर ने बासुरी के मधुर ध्वनी के साथ योगाभ्यास खत्म होती थी। 9 बजकर 30 मिनट पर सभी प्रशिक्षु डायट के प्रागन मे उपस्थित होकर चेतनाशत्र मे शामिल होते थे। जिसमें प्रार्थना एवं बिहार गीत के बाद राष्ट्रगान गाया गया उसके बाद सभी प्रशिक्षु अपने कक्षा मे चले गये।

सांस्कृतिक कार्यक्रम मे अमित कुमार + 2 डेरमा, अकबरपुर, सोनाली कुमारी + 2 पुनौल नरहट का गीत ऐसा शमा बांधा कि लोगो को झुमने पर मजबुर हो गये। अरूण कुमार + 2 तेयार और पल्लवी जोशी + 2 कोशी ने कविता पढ़कर लोगो का मन मोह लिया। वही डेरमा +2 के शिक्षक जावेद हवीब का अंग्रेजी पत्रिका रेडियन्स जो दिल्ली से निकलती है। उसमे इनका आलेख हमेशा ।तजपबसम छपती है। मंच संचालन प्रो0 राकेश कुमार ने किया। धन्यवाद ज्ञापन ज्योति माला ने किया। इसके वाद प्रमाण पत्र वितरण कर कार्यक्रम का समापन किया गया मौके पर प्रो0 श्री नीतीश रंजन श्रीमती प्रिति सिन्हा, श्री मनोज कुमार, श्री प्रेमचन्द्र प्रसाद, मनोज कुमार, श्री राजेश कुमार, अजीत कुमार, पवन कुमार विजेता भारती, सुमन कुमारी, सोनल कुमार, सोनम कुमार, सुनीता कुमारी, आलम जी, महबुब जी, रेणु सिंह, पूजा सिन्हा, चॉदनी कुमारी, ज्ञान भारती, कामना कुमारी, वंदना कुमारी, अनीसा कुमारी, मुरारी कुमार, अवधेश कुमार, दीपक कुमार, अनामिका कुमारी रोहित कुमार समेत कई शिक्षक शिक्षकाएं मौजूद थे। ●

बाल विकास परियोजना के तहत संचालित सेवाओं एवं योजनाओं की समीक्षा बैठक

● **मिथिलेश कुमार**

नवादा जिला पदाधिकारी रवि प्रकाश की अध्यक्षता में जिले में बाल विकास परियोजना के तहत संचालित सेवाओं एवं योजनाओं की मासिक समीक्षा बैठक हुई। जिला पदाधिकारी द्वारा बिंदुवार समीक्षा की गई। उन्होंने सभी सीडीपीओ एवं सुपरवाइजर को निर्देश दिया कि लगातार केंद्रों का निरीक्षण करें। डीपीओ आईसीडीएस द्वारा बताया गया कि जिले में कुल 2670 आंगनबाड़ी केंद्र है। जिसमें 1067 आंगनबाड़ी केंद्रों का अपना भवन है । उन्होंने बताया कि 0 से 1 वर्ष वाले बच्चों का मुख्यमंत्री कन्या उत्थान योजना में 10409 लाभुकों को पंजीकृत किया गया है, जबकि 01 से 02 वर्ष वाले बच्चों का 165 लाभुकों का पंजीकृत किया गया है । जिला पदाधिकारी ने सभी महिला पर्यवेक्षकों को कहा कि केंद्र की जांच उनकी पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। केंद्रों में पोषाहार का वितरण बच्चों का पठन-पाठन

टीएचआर का वितरण ससमय पर एवं सही मानक के अनुरूप किया जा रहा है कि नहीं यह सुनिश्चित करना उनकी जिम्मेदारी है । जिला पदाधिकारी ने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्रों पर शौचालय का निर्माण एवं पेयजल के लिए चापाकल अथवा नल-जल का कनेक्शन लेना निश्चित रूप से सुनिश्चित करें । उन्होंने महिला पर्यवेक्षकों को निर्देश दिया कि प्रतिदिन कम से कम पांच आंगनबाड़ी केंद्रों की जांच अवश्य करें तथा सेविकाओं द्वारा वितरित टीएचआर का डाटा अपलोड करना सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने सभी आंगनबाड़ी केंद्रों पर बच्चों का वेट मशीन की उपलब्धता का अनुश्रवण महिला पर्यवेक्षकों को करने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने महिला पर्यवेक्षकों को निर्देश दिया कि अपने-अपने आंगनबाड़ी केंद्रों पर अति कुपोषित बच्चों को चिन्हित कर एनआरसी में भेजना सुनिश्चित करें। बैठक में डीपीओ आईसीडीएस श्रीमती निरुपमा शंकर के साथ-साथ सभी सीडीपीओ एवं सुपरवाइजर उपस्थित थे। ●

मगध साहित्य के गौरव हैं रत्नाकर

● मिथिलेश कुमार

बिहार के विभिन्न क्षेत्रों में प्रचलित भाषाओं में मगही भाषा का अलग महत्व है। मगही खासकर मगध प्रमंडल एवं अन्य सीमावर्ती जिलों में अत्यधिक बोली जाने बाली भाषा मगही है। जो गया, पटना, औरंगाबाद, अरवल, जहानाबाद, नवादा, नालंदा, पटना, शेखपुरा, राजगीर, जमुई,मुंगेर, लखीसराय जिलों में बोली जाती है। वैसे मगही साहित्य से तातपर्य उस लिखित भाषा से है जो पाली मगधी, प्राकृत मगधी, अपभरंश मागधी अथवा आधुनिक मगही भाषा में लिखी गयी है। कहा तो यहाँ तक जाता हैं की महावीर और गौतम बुद्ध के समय भी मागधी भाषा प्रचलित थी। कई प्राचीन शिलालेखों में आज भी यह भाषा जीवंत दस्तावेज के रूप में मौजूद है। सम्राट अशोक के शिलालेखों में भी मगही भाषा है जो पाली भाषा की प्रकृति है। मगही भाषा में मगही साहित्य को नया आयाम देने में नामचीन साहित्यकारों ने अपना योगदान दिया है। मगध क्षेत्र के विभिन्न जिलों के मगही साहित्यकारों की लम्बी फेहरिस्त है। जिन्होंने अपने साहित्य के माध्यम से मगही भाषा को अनुसूची में डालने को लेकर प्रयासरत रहें हैं। मगध क्षेत्र हिंदी साहित्य एवं मगही साहित्य के साथ – साथ स्वतन्त्रता संग्राम में भी अपनी अहम भूमिका निभाया है। मगध क्षेत्र का इतिहास गौरवशाली रहा है। आध्यात्मिक दृष्टिकोण से भी मगध क्षेत्र बिहार ही नहीं राष्ट्रीय फलक पर स्थापित है। मगध क्षेत्र में दर्जनों साहित्यकारों ने अपनी रचनाओं एवं कृतियों में मगही भाषा को सर्वोच्च प्राथमिकता देकर देश दुनियां में मगही भाषा को स्थापित किया है। मगध प्रमंडल अंतर्गत नवादा जिले के वारिसलीगंज प्रखंड के मकनपुर गावं निवासी 85 बर्षीय राम रतन सिँह रत्नाकर की बात करें तो मगही साहित्य इनके नाम के बिना अधूरा दीखता है। वैसे तो श्री रत्नाकर किसी परिचय के मोहताज नहीं हैं। वे करीब 60 बर्षो से अधिक समय से सम्यक विचारधारा एवं सर्वहारा वर्ग से जुड़े रहकर अपनी दर्जनों रचनाओं से सबों को प्रभावित किया है। उनकी साहित्यिक यात्रा पर नजर डालते हैं तो ज्ञात होता हैं की कई राष्ट्रीय अखबारों यथा हिंदुस्तान, आज, आर्यवर्त सहित कई अखबारों में सकारात्मक पत्रकारिता करते हुए हिंदी एवं मगही साहित्य को नया आयाम दिया है। हिंदी साहित्य में इनकी कृतिया साहित्य संगम, आस्था का दर्शन, बलिदान, ब्रह्रर्षि कुल भूषण, लोकगाथाओं का सांस्कृतिक मूल्यांकन, बजरंगी, रूबरू आदि रचनाएँ प्रमुख है। वही मगही साहित्य में इन्होंने गावं के लक्ष्मी, राजगीर दर्शन, पगडंडी के नायक, मरघट के फूल, मगध के संस्कृति, फगुनी के याद, विविधा, सरोकार सहित अन्य कई रचनाएँ भी प्रकाशित हुई हैं। साहित्य में विशेष योगदान को लेकर इन्हें हिंदी

साहित्य मार्तण्ड (पीएचडी)की मानक उपाधि भी दी गयी है। इन्हें संयुक्त राष्ट्र संघ के शैक्षिक एवं शासी परिषद द्वारा राष्ट्रीय शहस्राब्दी सम्मान एवं सृष्टि –दृष्टि सम्मान भी मिला है। वैसे तो अपने साहित्य काल में सैकड़ों सम्मानित मंचों पर समारोह की अध्यक्षता एवं उद्घोषक की भूमिका निभाने के साथ साथ कई विभूतियों द्वारा सम्मान भी प्राप्त कर चुके हैं।

मगही साहित्य में इन्होंने गावं, खेत –खलिहान किसानों की पीड़ा से लेकर पर्वत पुरुष दशरथ मांझी के पत्नी प्रेम एवं उनके द्वारा दिए गए उपलब्धियों पर उल्लेखनीय कार्य किया है। उनकी प्रत्येक रचनाओं की समीक्षा की जाये तो कोई ऐसा क्षेत्र नहीं हैं जिसे उन्होंने अपनी उत्कृष्ट लेखनी में स्थान नहीं दिया हो। उनके नजर में आज भी हमारे संस्कार मगही से जुड़े हैं। अभी भी गावं घर में जो भी शुभ मांगलिक कार्य होते हैं उसमे गीत आदि मगही भाषा में ही गाये जाते हैं। मगही भाषा के बिना संस्कार पुरे नहीं होते हैं। उन्होंने कहा की मगही भाषा को संरक्षण की जरूरत हैं। हिंदी, मगही हीन मगध की कल्पना नहीं की जा सकती हैं मगध हमारे जनपद की भाषा है। उन्होंने अन्य मगही साहित्यकारों को भी मगही साहित्य में दिए गए योगदान को सराहा है।दर्जनों सम्मान से विभुषित साहित्यकार श्री रत्नाकर का दर्द मगही भाषा को आठवीं अनुसूची में शामिल करने एवं राजकीय सम्मान से सम्मानित नहीं होने का झलकता है जो जायज भी है। क्योंकि उम्र के इस पड़ाव पर भी अपनी कलम को धार देकर मगही भाषा के लिये प्रयासरत रहना यह सिर्फ रत्नाकर ही कर सकते हैं। वैसे मगही साहित्य में वर्ष 2002में साहित्यकार राम प्रसाद सिँह को साहित्य अकादमी भाषा सम्मान पुरस्कार मिला था उसके बाद अभी तक सरकार के द्वारा मगध साहित्य में काम करने वाले साहित्यकार को सम्मानित नहीं किया गया है। मगध क्षेत्र के दर्जनों साहित्यकारों ने भी श्री रत्नाकर को राजकीय सम्मान देने की मांग करनी शुरू की है।वैसे मगही भाषा एवं साहित्य में उल्लेखनीय योगदान प्रभात वर्मा, धन्यजय क्षोत्रिय, मिथिलेश सिँह, जयनंदन, नरेंद्र सिँह सहित सैकड़ों साहित्यकारों ने अपनी रचनाओं से प्रभावित किया है। हिंदी एवं मगही भाषा को लेकर श्री रत्नाकर से लम्बी बात चीत का दौर चला, उन्होंने साहित्यक यात्रा पर आज भी बेबाकी के साथ गावं, खेत खलिहान, किसान, जवान की बात करते हैं। सर्वहारा साहित्यकार के रूप में जाने वाले साहित्यकार वास्तव में मगध साहित्य के गौरव हैं ऐसा मेरा मानना हैं।

साहित्य की अवधारणाओं की कसौटी पर खरा उतरकर लम्बे अरसे से कार्य करने वाले मगध साहित्य के गौरव एवं मगध ही नहीं बिहार के नामचीन साहित्यकारों में शुमार साहित्य के क्षेत्र में कई अलंकारों से विभुषित साहित्यिक संस्कृति के पैरोकार श्री रामरतन प्रसाद सिँह रत्नाकर यात्रा की चर्चा करते हुए मगही साहित्य के विकास एवं मगही को नया आयाम दिलाने का प्रयास और संघर्ष के बारे में बताया। इन्होंने साहित्य के अलावे मगध क्षेत्र में ऐतिहासिक धरोहर एवं पुरातत्त्व प्राचीन इतिहास पर भी शोध किया है। इन्होंने अपसढ़ गावं स्थित आध्यात्मिक केंद्र के रूप में अवस्थित ऐतिहासिक जानकारी के साथ –साथ पार्वती पहाड़ स्थित गुफा में भगवान बुद्ध के ठहरने एवं क्षेत्र की ऐतिहासिक धरोहरों के संरक्षण एवं विकास की बात को लेकर भी हिंदी साहित्य के माध्यम से जीर्णोद्धार को लेकर सरकार का ध्यान आकृष्ट कराया है। साहित्य के क्षेत्र में श्री रत्नाकर जी ने करीब 20 पुस्तकें लिखी है। तथा कई कहानियों का संग्रह भी है तथा लगभग 60 बर्षो से मगही साहित्य को नया आयाम देने के लिये संघर्षरत हैं। 85वर्ष की आयु में भी मगही साहित्य के विकास एवं राष्ट्रीय फलक पर स्थापित करने का सपना अभी भी इन्हें चैन से रहने नहीं देता है। रत्नाकर जी मगध ही नहीं बिहार में साहित्य के जीवंत दस्तावेज के रूप में हैं। ये श्रृंगार रस, हास्य रस, करूण रस, रौद्र रस, वीर रस, भयानक रस, बीभत्स रस, अदभुत रस, शान्त रस, वत्सल रस, भक्ति रस के सामंतर सर्वहारा वर्ग के साहित्यिक कथाकार के रूप में जाने जाते हैं। मगही भाषा के विकास की दिशा में एक अनोखी पहल–'मगही रत्न' श्री राम रतन प्रसाद सिंह 'रत्नाकर की अध्यक्षता में विश्व मगही परिषद् और मगध न्यूज चैनल 'मगध के आवाज, भारत के आवाज' के संयुक्त तत्वावधान में मगही भाषा के विकास हेतु आयोजित 'बतकही' कार्यक्रम का सफल आयोजन भी होता रहा है। जिसमें मगही भाषा और उसकी सांस्कृतिक धरोहर के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा होती है। 'मगध का इतिहास समृद्ध और गौरवशाली है। यदि हम भारत के इतिहास से मगध को हटा दें, तो शेष इतिहास अधूरा रह जाएगा। मगध साम्राज्य ने बिना किसी युद्ध के अपनी प्रतिष्ठा स्थापित

की।' उन्होंने जरासंध और भगवान श्रीकृष्ण के बीच हुई ऐतिहासिक घटनाओं को भी रेखांकित किया और मगध की सांस्कृतिक समृद्धि की सराहना की।

'बतकही' एक नया कार्यक्रम का उद्देश्य केवल मगही भाषा को प्रोत्साहित करना नहीं है, बल्कि इसकी सांस्कृतिक धरोहर को भी संरक्षित करना है। उन्होंने मगही भाषा के विकास केलिए अनोखी पहल, विश्व मगही परिषद् नई दिल्ली अउर मगध न्यूज चैनल के नयका कार्यक्रम 'बतकही' को ऐतिहासिक बताया। बात चीत के दौरान उनसे बहुत सारी जानकारी मिली। साहित्य की बहुत-सी परिभाषाएँ की गई हैं, पर मेरे विचार से उसकी सर्वोत्तम परिभाषा 'जीवन की आलोचना' है। चाहे वह निबंध के रूप में हो, चाहे कहानियों के या काव्य के, उसे हमारे जीवन की आलोचना और व्याख्या करनी चाहिए। हमने जिस युग को अभी पार किया है, उसे जीवन से कोई मतलब न था। हमारे साहित्यकार कल्पना की सृष्टि खड़ी कर उसमें मनमाने आख्यानों का उद्देश्य केवल मनोरंजन था और हमारे अद्भुत रस-प्रेम की तृप्ति। साहित्य का जीवन से कोई लगाव है, यह कल्पनातीत था। कहानी, कहानी है, जीवन, दानों परस्पर विरोधी वस्तुएँ समझी जाती थीं। इन्हीं शृंगारिक भावों को प्रकट करने में कवि-मंडली अपनी प्रतिभा और कल्पना के चमत्कार दिखाया करती थी। पद्य में कोई नई शब्द-योजना, नई कल्पना का होना दाद पाने के लिए काफी था-चाहे वह वस्तु-स्थिति से कितनी ही दूर क्यों न हो।

निस्संदेह, काव्य और साहित्य का उद्देश्य हमारी अनुभूतियों की तीव्रता को बढ़ाना है, पर मनुष्य का जीवन केवल स्त्री-पुरूष-प्रेम का जीवन नहीं है। क्या वह साहित्य, जिसका विषय शृंगारिक मनोभावों और उनसे उत्पन्न होनेवाली विरह-व्यथा, निराशा आदि तक ही सीमित हो-जिसमें दुनिया की कठिनाइयों से दूर भागना ही जीवन की सार्थकता समझी गई हो, हमारी विचार और भाव सम्बन्धी आवश्यकताओं को पूरा कर सकता है? शृंगारिक मनोभाव मानव-जीवन का एक अंग मात्र है और जिस साहित्य का अधिकांश इसी से सम्बन्ध रखता हो, वह उस जाति और उस युग के लिए गर्व करने की वस्तु नहीं हो सकता और न उसकी सुरूचि का ही प्रमाण हो सकता है। कवियों के लिए उनकी रचना ही जीविका का साधन थी और कविता की कद्रदानी रईसों अमीरों के सिवा और कौन कर सकता है? हमारे कवियों को साधारण जीवन का सामना करने और उसकी सच्चाइयों से प्रभावित होने के या तो अवसर ही न थे, या हर छोटे-बड़े पर कुंठ ऐसी मानसिक गिरावट छायी हुई थी कि मानसिक और बौद्धिक जीवन रह ही न गया था। साहित्य अपने काल का प्रतिबिम्ब होता है। जो भाव और विचार लोगों के हृदयों को स्पंदित करते हैं, वही साहित्य पर भी अपनी छाया डालते हैं। ऐसे पतन के काल में लोग या तो आशिकी करते हैं या अध्यात्म और वैराग्य में मन रमाते हैं। जब साहित्य पर संसार की नश्वरता का रंग चढ़ा हों और उसका एक-एक शब्द नैराश्य में डूबा, समय की प्रतिकूलता के रोने से भरा और शृंगारिक भावों का प्रतिबिम्ब बना हो तो समझ लीजिए कि जाति जड़ता और "आस के पंजे में फँस चुकी है और उसमें उद्योग तथा संघर्ष का बल बाकी नहीं रहा। उसने ऊँचे लक्ष्यों की ओर से आँखें बन्द कर ली हैं और उसमें से दुनिया को देखने-समझने की शक्ति लुप्त हो गई है। परंतु हमारी साहित्यिक रूचि बड़ी तेजी से बदल रही है। अब साहित्य केवल मन-बहलाव की चीज नहीं है, मनोरंजन के सिवा उसका और भी कुछ उद्देश्य है। अब वह केवल नायक-नायिका के संयोग-वियोग की कहानी नहीं सुनाता, किन्तु जीवन की समस्याओं पर भी विचार करता है और उन्हें हल करता है। अब वह स्फूर्ति या प्रेरणा के लिए अद्भुत आश्चर्यजनक घटनाएँ नहीं ढूँढ़ता और न अनुप्रास का अन्वेषण करता है, किन्तु उसे उन प्रश्नों से दिलचस्पी है जिनसे समाज या व्यक्ति प्रभावित होते हैं। उसकी उत्कृष्टता की वर्तमान कसौटी अनुभूति की वह तीव्रता है, जिससे वह हमारे भावों और विचारों में गति पैदा करता है।

नीति-शास्त्र और साहित्य-शास्त्र का लक्ष्य एक ही है।केवल उपदेश की विधि में अंतर है। नीति-शास्त्र तर्कों और उपदेशों के द्वारा बुद्धि और मन पर प्रभाव डालने का यत्न करता है, साहित्य ने अपने लिए मानसिक अवस्थाओं और भावों का क्षेत्र चुन लिया है। हम जीवन में जो कुछ देखते हैं या जो कुछ हम पर गुजरती है, वही अनुभव और चोटें कल्पना में पहुँचकर साहित्य-सृजन की प्रेरणा करती हैं। कवि या साहित्यकार में अनुभूति की जितनी तीव्रता होती है, उसकी रचना उतनी ही आकर्षक और ऊँचे दरजे की होती है। जिस साहित्य से हमरी सुरूचि न जागे, आध्यात्मिक और मानसिक तृप्ति न मिले, हममें शक्ति और गति न पैदा हो, हमारा सौंदर्य-प्रेम न जागृत् हो,जो हममें सच्चा संकल्प और कठिनाईयों पर विजय पाने की सच्ची दृढ़ता न उत्पन्न करे, वह आज हमारे लिए बेकार है, वह साहित्य कहलाने का अधिकारी नहीं। पुराने जमाने में समाज की लगाम मजहब के हाथ में थी। मनुष्य की आध्यात्मिक और नैतिक सभ्यता का आधार धार्मिक आदेश था और वह भय या प्रलोभन से काम लेता था, पुण्य-पाप के मसले उसके साधन थे।

अब, साहित्य ने यह काम अपने जिम्मे ले लिया है और उसका साधन-सौंदर्य-प्रेम है। वह मनुष्य में इसी सौंदर्य-प्रेम को जगाने का यत्न करता है। ऐसा कोई मनुष्य नहीं, जिसमें सौंदर्य की अनुभूति न हों। साहित्यकार में यह वृत्ति जितनी ही जागृत और सक्रिय होती है, उसकी रचना उतनी ही प्रभावमयी होती है। प्रकृति-निरीक्षण और अपनी अनुभूति की तीक्ष्णता की बदौलत उसके सौंदर्य-बोध में इतनी तीव्रता आ जाती है कि जो कुछ असुन्दर है, अभद्र है, मनुष्यता से रहित है, वह उसके लिए असह्य हो जाता है। उस पर वह शब्दों और भावों की सारी शक्ति से वार करता है। यूं कहिए कि वह मानवता, दिव्यता और भद्रता का बाना बाँधे होता है। जो दलित है, पीड़ित है, वंचित है चाहे वह व्यक्ति हो या समूह, उसकी हिमायत और वकालत करना उसका फर्ज है। उसकी अदालत के सामने वह पेश करता है। और उसकी न्याय-वृत्ति तथा सौंदर्य-वृत्ति को जागृत् करके अपना यत्न सफल समझता है। पर साधारण वकीलों की तरह साहित्यकार अपने मुवक्किल की ओर से उचित-अनुचित सब तरह के दावे नहीं पेश करता, अतिरंजना से काम नहीं लेता, अपनी ओर से बातें गढ़ता नहीं। वह जानता है कि इन युक्तियों से वह समाज की अदालत पर असर नहीं डाल सकता। उस अदालत का हृदय-परिवर्तन तभी सम्भव है जब आप सत्य से तनिक भी विमुख न हों, नहीं तो अदालत की धारणा आपकी ओर से खराब हो जायेगी और वह आपके खिलाफ फैसला सुना देगी। वह कहानी लिखता है, पर वास्तविकता का ध्यान रखते हुए, मूर्ति बनाता है, पर ऐसी कि उसमें सजीवता हो और भावव्यंजकता भी वह मानव-प्रकृति का सूक्ष्म दृष्टि से अवलोकन करता है, मनोविज्ञान का अध्ययन करता है और इसका यत्न करता है कि उसके पात्र हर हालत में और हर मौके पर, इस तरह आचरण करें, जैसे रक्त-मांस का बना मनुष्य करता है, अपनी सहज सहानुभूति और सौंदर्य-प्रेम के कारण वह जीवन के उन सूक्ष्म स्थानों तक जा पहुँचता है, जहाँ मनुष्य अपनी मनुष्यता के करण पहुँचने में असमर्थ होता है। आधुनिक साहित्य में वस्तु-स्थिति- चित्रण की प्रवृति इतनी बढ़ रही है कि आज की कहानी यथासम्भव प्रत्यक्ष अनुभवों की सीमा से बाहर नहीं जाती। हमें केवल इतना सोचने से ही संतोष नहीं होता कि मनोविज्ञान की दृष्टि से ये सभी पात्र मनुष्यों से मिलते-जुलते हैं, बल्कि हम यह इत्मीनान चाहते हैं कि वे सचमुच मनुष्य हैं और लेखक ने यथासम्भव उनका जीवन-चरित्र ही लिखा है, क्योंकि कल्पना के गढ़े हुए आदमियों में हमारा विश्वास नहीं है, उनके कार्यो और विचारों से हम प्रभावित नहीं होते। हमें इसका निश्चय हो जाना चाहिए कि लेखक ने जो सृष्टि की है, वह प्रत्यक्ष अनुभवों के आधार पर की गई है और अपने पात्रों की जबान से वह खुद बोल रहा है। इसीलिए साहित्य को कुछ समालोचकों ने लेखक का मनोवैज्ञानिक जीवन-चरित्र कहा है।

एक ही घटना या स्थिति से सभी मनुष्य समान रूप में प्रभावित नहीं होते। हर आदमी की मनोवृत्ति और दृष्टिकोण अलग है। रचना-कौशल इसी में है कि लेखक जिस मनोवृत्ति या दृष्टिकाण से किसी बात को देखे, पाठक भी उसमें उससे सहमत हो जाय। यही उसकी सफलता है। इसके साथ ही हम साहित्यकार से यह भी आशा रखते हैं कि वह अपनी बहुज्ञता और अपने विचारों की विस्मृति से हमें जागृत करे, हमारी दृष्टि तथा मानसिक परिधि को विस्तृत करे-उसकी दृष्टि इतनी सूक्ष्म, इतनी गहरी और इतनी विस्तृत हो कि उसकी रचना से हमें आध्यात्मिक आनंद और बल मिले।सुधार की जिस अवस्था में वह हो, उससे अच्छी अवस्था आने की प्रेरणा हर आदमी में मौजूद रहती है। हममें जो कमजोरियाँ हैं, वह मर्ज की तरह हमसे चिपटी हुई हैं। जैसे शारीरिक स्वास्थ्य एक प्राकृतिक बात है और राग

उसका उलटा, उसी तरह नैतिक और मानसिक स्वास्थ्य भी प्राकृतिक बात है और हम मानसिक तथा नैतिक गिरावट से उसी तरह संतुष्ट नहीं रहते, जैसे कोई रोगी अपने रोग से संतुष्ट नहीं रहता। जैसे वह सदा किसी चिकित्सक की तलाश में रहता है, उसी तरह हम भी इस फिक्र में रहते हैं कि किसी तरह अपनी कमजोरियों को परे फेंककर अधिक अच्छे मनुष्य बनें। इसीलिए हम साधु-फकीरों की खोज में रहते हैं, पूजा-पाठ करते हैं, बड़े-बूढ़ों के पास बैठते हैं, विद्वानों के व्याख्यान सुनते हैं और साहित्य का अध्ययन करते हैं और हमारी सारी कमजोरियों की जिम्मेदारी हमारी कुरूचि और प्रेम-भाव से वंचित होने पर है। जहाँ सच्चा सौंदर्य-प्रेम है, जहाँ प्रेम की विस्तृति है, वहाँ कमजोरियाँ कहाँ रह सकती हैं? प्रेम ही तो आध्यात्मिक भोजन है और सारी कमजोरियाँ इसी भोजन के न मिलने अथवा दूषित भोजन के मिलने से पैदा होती हैं। कलाकार हममें सौंदर्य की अनुभूति उत्पन्न करता है और प्रेम की उष्णता। उसका एक वाक्य, एक शब्द, एक संकेत, इस तरह हमारे अन्दर जा बैठता है कि हमारा अन्तः-करण प्रकाशित हो जाता है। पर जब तक कलाकार खुद सौंदर्य-प्रेम से छककर मस्त न हो और उसकी आत्मा स्वयं इस ज्योति से प्रकाशित न हो, वह हमें यह प्रकाश क्योंकर दे सकता है? हमने सूरज का उगना और डूबना देखा है, उषा और संध्या की लालिमा देखी है, सुंदर सुंगध भरे फल देखे हैं, मीठी बोलियाँ बोलनेवाली चिड़ियाँ देखी हैं, कल-कल-निनादिनी नदियाँ देखी हैं, नाचते हुए झरने देखे हैं, यही सौंदर्य है। इन दृश्यों को देखकर हमारा अन्तः करण क्यों खिल उठता है? इसलिए कि इनमें रंग या ध्वनि का सामंजस्य है। बाजों का स्वरसाम्य अथवा मेल ही संगीत की मोहकता का करण है। हमारी रचना ही तत्वों के समानुपात में संयोग से हुई है, इसलिए हमारी आत्मा सदा उसी साम्य की, सामंजस्य की खोज में रहती है। साहित्य कलाकार के आध्यात्मिक सामंजस्य का व्यक्त रूप है और सामंजस्य सौंदर्य की सृष्टि करता है, नाश नहीं। वह हममें वफादारी, सचाई, सहानुभूति, न्याय प्रियता और समता के भावों की पुष्टि करता है। जहाँ ये भाव हैं, वहीं दृढ़ता है और जीवन है, जहाँ इनका अभाव है, वहीं फूट, विरोध, स्वार्थपरता है द्वेष, शत्रुता और मृत्यु है। यह बिलगाव और विरोध प्रकृति-विरूद्ध जीवन के लक्षण हैं, जैसे रोग प्रकृति-विरूद्ध आहार-विहार का । जहाँ प्रकृति से अनुकूलता और साम्य है, वहाँ संकीर्णता और स्वार्थ का अस्तित्व कैसे संभव होगा? जब हमारी आत्मा प्रकृति के मुक्त वायु मंडल में पालित-पोषित होती है, तो नीचता-दुष्टता के कीड़े अपने आप हवा और रोशनी से मर जाते हैं। प्रकृति से अलग होकर अपने को सीमित कर लेने से ही यह सारी मानसिक और भावगत बीमारियाँ पैदा होती हैं। साहित्य हमारे जीवन को स्वाभाविक और स्वाधीन बनाता है, दूसरे शब्दों में उसी की बदौलत मन का संस्कार होता है। यही उसका मुख्य उद्देश्य है।

साहित्यकार या कलाकार स्वभावतः प्रगतिशील होता है। अगर यह उसका स्वभाव न होता, तो शायद वह साहित्यकार ही न होता। उसे अपने अन्दर भी एक कमी महसूस होती है और बाहर भी। इसी कमी को पूरा करने के लिए उसकी आत्मा बेचैन रहती है। अपनी कल्पना में वह व्यक्ति और समाज को सुख और स्वच्छंदता की जिस अवस्था में देखना चाहता है, वह उसे दिखाई नहीं देती। इसलिए, वर्तमान मानसिक और सामाजिक अवस्थाओं से उसका दिल कुढ़ता रहता है। वह इन अप्रिय अवस्थाओं का अन्त कर देना चाहता है, जिससे दुनिया जीने और मरने के लिए इससे अधिक अच्छा स्थान हो जाये। यही वेदना और यही भाव उसके हृदय और मस्तिष्क को सक्रिय बनाए रखता है। उसका दर्द से भरा हृदय इसे सहन नहीं कर सकता कि एक समुदाय क्यों सामाजिक नियमों और रूढ़ियों के बन्धन में पड़कर कष्ट भोगता रहे। क्यों न ऐसे सामान इकट्ठा किए जाएँ कि वह गुलामी और गरीबी से छुटकारा पा जाये? वह इस वेदना को जितनी बेचौनी के साथ अनुभव करता है, उतना ही उसकी रचना में जोर और सचाई पैदा होती है। अपनी अनुभूतियों को वह जिस क्रमानुपात में व्यक्त करता है, वही उसकी कला-कुशलता का रहस्य है। पर शायद विशेषता पर जोर देने की जरूरत इसलिए पड़ी कि प्रगति या उन्नति से प्रत्येक लेखक या ग्रंथकार एक ही अर्थ नहीं ग्रहण करता। जिन अवस्थाओं को एक समुदाय उन्नति समझ सकता है, दूसरा समुदाय असंदिग्ध अवनति मान सकता है, इसलिए साहित्यकार अपनी कला को किसी उद्देश्य के अधीन नहीं करना चाहता। उसके विचारों में कला मनोभावों के व्यक्तिकरण का नाम है, चाहे उन भावों से व्यक्ति या समाज पर कैसा ही असर क्यों न पड़े। उन्नति से हमारा तात्पर्य उस स्थिति से है, जिससे हममें दृढ़ता और कर्म-शक्ति उत्पन्न हो, जिससे हमें अपनी दुःखावस्था की अनुभूति हो, हम देखें कि किन अंतर्बाह्य कारणों से हम इस निर्जीवता और ह्रास की अवस्था को पहुँच गए, और उन्हें दूर करने की कोशिश करें। हमारे लिए कविता के वे भाव निरर्थक हैं, जिनसे संसार की नश्वरता का आधिपत्य हमारे हृदय पर और दृढ़ हो जाय, जिनसे हमारे मासिक पत्रों के पृष्ठ भरे रहते हैं, हमारे लिए अर्थहीन हैं अगर वे हममें हरकत और गरमी नहीं पैदा करतीं। अगर हमने दो नव-युवकों की प्रेम-कहानी कह डाली, पर उससे हमारे सौंदर्य-प्रेम पर कोई असर न पड़ा और पड़ा भी तो केवल इतना कि हम उनकी विरह-व्यथा पर रोए, तो इससे हममें कौन-सी मानसिक या रूचि-सम्बन्धी गति पैदा हुई? इन बातों से किसी जमाने में हमें भावावेश हो जाता रहा हो, पर आज के लिए वे बेकार हैं। इस भावोत्तेजक कला का अब जमाना नहीं रहा। अब तो हमें उस कला की आवश्यकता है, जिसमें कर्म का संदेश हो। अब तो हजरते इकबाल के साथ हम भी कहते हैं। निस्संदेह कला का उद्देश्य सौंदर्यवृत्ति की पुष्टि करना है और वह हमारे अध्यात्मिक आनंद की कुंजी है, पर ऐसा कोई रूचिगत मानसिक तथा आध्यात्मिक आनंद नहीं, जो अपनी उपयोगिता का पहलू न रखता हो। आनंद स्वतः एक उपयोगिता-युक्त वस्तु है और उपयोगिता की दृष्टि से एक वस्तु से हमें सुख भी होता है और दुःख भी।

आसमान पर छायी लालिमा निस्संदेह बड़ा सुंदर दृश्य है, परंतु आषाढ़ में अगर आकाश पर वैसी लालिमा छा जाए, तो वह हमें प्रसन्नता देने वाली नहीं हो सकती। उस समय तो हम आसमान पर काली-काली घटाएँ देखकर ही आनंदित होते हैं। फूलों को देखकर हमें इसलिए आनंद होता है कि उनसे फलों की आशा होती है, प्रकृति से अपने जीवन का सुर मिलाकर रहने में हमें इसीलिए आध्यात्मिक सुख मिलता है कि उससे हमारा जीवन विकसित और पुष्ट होता है। प्रकृति का विधान वृद्धि और विकास है और जिन भावों, अनुभूतियों और विचारों से हमें आनंद मिलता है, वे इसी वृद्धि और विकास के सहायक हैं। कलाकार अपनी कला से सौंदर्य की सृष्टि करके परिस्थिति को विकास के लिए उपयोगी बनाता है। परन्तु सौंदर्य भी और पदार्थों की तरह स्वरूपस्थ और निरपेक्ष नहीं, उसकी स्थिति भी सापेक्ष है। एक रईस के लिए जो वस्तु सुख का साधन है, वही दूसरे के लिए दुख का कारण हो सकती है। एक रईस अपने सुरभित सुरम्य उद्यान में बैठकर जब चिड़ियों का कलगान सुनता है, तो उसे स्वर्गीय सुख की प्राप्ति होती है, परन्तु एक दूसरा सज्ञान मनुष्य वैभव की इस सामग्री को घृणित समझता है। बंधुत्व और समता, सभ्यता तथा प्रेम सामाजिक जीवन के आरम्भ से ही, आदर्शवादियों का सुनहला स्वप्न रहे हैं। धर्म-प्रतर्त्तकों ने धार्मिक, नैतिक और आध्यात्मिक बंधनों से इस स्वप्न को सचाई बनाने का सतत, किंतु निष्फल यत्न किया है। महात्मा बुद्ध हजरत ईसा, हजरत मुहम्मद आदि सभी पैगबरों और धर्म-प्रवर्त्तकों ने नीति की नींव पर इस समता की इमारत खड़ी करनी चाही, पर किसी को सफलता न मिली और छोटे-बड़े का भेद जिस निष्ठुर रूप में प्रकट हो रहा है, शायद कभी न हुआ था 'आजमाये को आजमाना मूर्खता है,' इस कहावत के अनुसार यदि हम अब भी धर्म और नीति का दामन पकड़कर समानता के ऊँचे लक्ष्य पर पहुँचना चाहें, तो विफलता ही मिलेगी। क्या हम इस सपने को उत्तेजित मस्तिष्क की सृष्टि समझकर भूल जाएँ? तब तो मनुष्य की उन्नति और पूर्णता के लिए आदर्श ही बाकी न रह जायेगा। इससे कहीं अच्छा है कि मनुष्य का अस्तित्व ही मिट जाय। जिस आदर्श को हमने सभ्यता के आरम्भ से पाला है, जिसके लिए मनुष्य ने, ईश्वर जाने कितनी कुरबानियाँ की हैं, जिसकी परिणति के लिए धर्मो का आविर्भाव हुआ, मानव-समाज का इतिहास, जिस आदर्श की प्राप्ति का इतिहास है, उसे सर्वमान्य समझकर, एक अमिट सचाई समझकर, हमें उन्नति के मैदान में कदम रखना है। हमें एक ऐसे नए संगठन को सर्वापूर्ण बनाना है, जहाँ समानता केवल नैतिक बंधनों पर आश्रित न रहकर अधिक ठोस रूप प्राप्त कर ले, हमारे साहित्य को उसी आदर्श को अपने सामने रखना है।मगध साहित्य के धरोहर एवं गौरव हैं रत्नाकर ऐसा मेरा मानना है।●

गजलकार :- यशपाल सिंह यश
समीक्षक :- मनीष बादल, भोपाल

● **मनीष कमलिया**

कुछ दिनों पहले, आज के दौर के एक समृद्ध कवि/ गजलकार यशपाल सिंह 'यश' जी की गजल संग्रह 'बूँद भर सागर' मिली। आप वैसे तो कई विधाओं में लिखते हैं पर भीड़ से अलग अर्थपूर्ण और सार्थक लिखते हैं। कई बार मुझे लगता है कि यदि आपकी कोई रचना मुझे कहीं पढ़ने को मिल जाये और वहाँ आपका नाम न भी हो, तो मैं पहचान जाऊंगा कि ये तो यशपाल सिंह जी की कविता है। आपकी विज्ञान कविताएँ खासी ध्यान आकर्षित करती हैं, एक अलाहिदा विषय, अलाहिदा कहन और सबसे महत्वपूर विज्ञान से भरी ज्ञान की बातें।

गजलों का मिजाज अन्य विधाओं से थोड़ा अलग हो होता है। यहाँ दो और दो का जोड़ चार होता भी है और नहीं भी होता है। मतलब ये है कि हम अनुभव से सीखते हैं कि कहाँ चार लेना है और कहाँ नहीं। कारण स्पष्ट है कि कविता की इस विधा ने बहुत-सी छूट दे रखी है। कहाँ छूट लेनी है, कहाँ नहीं, कितनी लेनी है आदि अनुभव बढ़ने के साथ समझ आता है। इस परिपेक्ष्य में अगर बात करें तो यशपाल जी बहुत अनुभवी हैं और बाकयदा गजल के अरूज को समझकर शेशर कहते हैं। गजल का मिजाज अन्य विधाओं से इस लिहाज से भी अलाहिदा है कि यहाँ पद्य को भी गद्य की तरह लिखा जाता है यानी एक व्यक्ति जिसे हम ये न बतायें की गजल का शेशर सुना रहे हैं तो वो ये समझेगा कि हमने कोई सीधी-सी बात उससे कही है। मतलब गजल में बहुत कविताई डालने की आवश्यकता नहीं बल्कि यहाँ बात सीधे बातचीत की तरह कही जाती है। यहाँ भी यशपाल जी खरे उतरते हैं और गजलियत का ध्यान रखते हुए ही शेशर कहते हैं। कुछ बानगी देखिए...

लड़कपन से बुढ़ापे तक कई आयाम है इसके
मुहब्बत सिर्फ यौवन काल में अच्छी नहीं होती
और
मौसमों का कुछ दखल चलता रहेगा
पर सफर हर एक पल चलता रहेगा

कहते हैं गजल का शेशर ऐसा होना चाहिए कि सबसे पीछे बैठा व्यक्ति या यूँ कहें कि अनपढ़ व्यक्ति भी उसका भाव एक बार में समझ जाय, उसे दिमाग न लगाना पढ़े, यश जी इस बात को गहराई से समझते हैं तभी बिना लाग लपेट के शेशर कहते हैं-

बन गया है किस तरह वह आदमी हर दिल अजीज
राज इसका आप उसकी सादगी में देखिए
और
अपने दिल की मैं कहता हूँ आप कहें अपने दिल की
आपस में कहने सुनने से राह निकलती मंजिल की
और
बीते कल को याद करेंगे थोड़ा सा
आज समय बर्बाद करेंगे थोड़ा सा

आम आदमी के दर्द को समझते हुए और किसी भी दौर की सरकार की असफलता या यूँ कहें कि लापरवाही पर यश जी की कलम बेबाक चली है और उन्हीने कई उम्दा शेशर कहें हैं- मिसाल के तौर पर यह शेशर देखिए -

रही तो है व्यवस्था की कमी कुछ
कहीं चादर कहीं बिस्तर नहीं है

गजलों के इस संग्रह को पढ़ते समय मेरा ध्यान इस बात पर गया कि आपने बच्चों के ऊपर कई अशआर कहे हैं..जो इस बात को सिद्ध करने के लिए पर्याप्त हैं कि यश जी को बच्चों से खासा लगाव है। कुछ शेशर आप पाठकों के लिए -

आप बच्चों से दुखी, दुख पूछिए उनका
जिन अभागों के यहाँ बच्चे नहीं होते
बच्चे हैं वो फूलों-सा महकेंगे ही
उस पर अच्छा माली हो तो क्या कहने
काश कोई मम्मी-पापा को समझाए
बच्चे हैं, उन्माद करेंगे थोड़ा सा
अच्छे में भी सब कुछ अच्छा थोड़े है
बच्चा अब पहले सा बच्चा थोड़े है

आज इंसान ज्यादा पाने की चाहत में लगा हुआ है, चाहे वो धन सम्पदा हो, चाहे शोहरत हो। इस लालसा में वो अक्सर गलतियाँ करता है और बाद में माथा पीटता है, फिर उस पर विचार करता है। एक आम इंसान के मनोविज्ञान को बहुत सही तरीके से यशपाल जी ने इन शेशरों में समझाया है..

चाँद पर जाकर बसेगा आदमी
और जाने क्या करेगा आदमी
गलतियाँ पहले करेगा और फिर
बैठकर चर्चा करेगा आदमी

दो बहुत ही उम्दा शेशर पढ़ने को मिले। ये इसलिए भी मेरा ध्यान ज्यादा ही खींचे क्योंकि इसी विषय पर मैंने भी एक शेशर कहा है...

ऐसे भी क्या देश तरक्की कर पाया है आज तलक
कर्तव्यों का नाम न लेते हम केवल अधिकार कहे (मनीष बादल)

दरअसल आज इंसान की ये फितरत हो गई है कि सबको सरकार से शिकायतें बहुत हैं, उनकी माँग बहुत है। अपने अधिकार उँगलियों पर गिन कर बता दें पर जब बात कर्तव्यों की होती है तब लोग बगलें झाँकना शुरू कर देते हैं। यशपाल जी ऐसे लोगों को सही नसीहत देते हुए उनको उनकी जिम्मेदारी इस तरह बताते हैं-

लोकतंत्र में हिस्सेदारी हम सब की
साथ मगर कुछ जिम्मेदारी हम सब की
कर्तव्यों का बोध नहीं चाहे सबको
अधिकारों पर दावेदारी हम सब की

अन्त में एक बात, जब किताब मेरे हाथ में आयी तो पन्ना पलटने के बाद जो बात मेरे मन में सबसे पहले आयी वो ये कि आप 98 गजलों तक जब पहुँच गए थे तो दो और बढ़ाकर सौ कर लेते। खैर, ये मेरी सोच है। इससे किताब की उत्कृष्टता पर कोई फर्क नहीं पड़ता है। कुल मिलाकर निर्मला प्रकाशन, दादरी, हरियाणा से प्रकाशित यह गजल संग्रह 'बूँद भर सागर' हम सब खरीद कर पढ़नी चाहिए। निश्चित ही इसे पढ़ने के बाद आपको ऐसा प्रतीत होगा कि आपके घर में एक बेहतरीन किताब आपके बुकशेल्फ की शोभा बढ़ा रही है।●

जिला स्तरीय समन्वय/राजस्व समिति एवं तकनीकी विभाग की समीक्षात्मक बैठक

● मिथिलेश कुमार

नवादा जिला पदाधिकारी,नवादा रवि प्रकाश की अध्यक्षता में डीआरडीए सभागार में जिला स्तरीय समन्वय/राजस्व समिति एक तकनीकी विभाग की समीक्षात्मक बैठक की गई । इस बैठक में पंचायत सरकार भवन, नये प्रखंड भवन का निर्माण, ग्रामीण सड़कों का निर्माण/मरम्मती, गंगाजल परियोजना, बख्तियारपुर रजौली फोर लेनिंग परियोजना, सिंचाई हेतु किसानो को विद्युत की आपूर्ति, सिंचाई हेतु नहर का जीर्णोद्धार/नलकूप की मरम्मती,जल छाजन परियोजना, अमृत सरोवर का निर्माण /सरकारी विद्यालय की चहारदीवारी/ आंगनबाड़ी का निर्माण, नल-जल /चापाकलों की मरम्मती से संबंधित विषयों पर चर्चा की गई ।

जिलाधिकारी ने सभी पदाधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि विभाग के लक्ष्य के अनुरूप गुणवत्ता के साथ ससमय कार्य को पूर्ण करना सुनिश्चित करें । जिला पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि जिला समन्वय समिति की बैठक में उन सभी मुद्दों को लाएं जिसमें अंतर्विभागीय समन्वय की आवश्यकता है ।पंचायत सरकार भवन निर्माण हेतु भूमि चयन करने के संबंध में सभी अंचलाधिकारी को आवश्यक निर्देश दिए गए।उन्होंने सभी अंचल अधिकारी को सरकारी जमीन चिन्हित करने का निर्देश दिया एवं दाखिल खारिज के लंबित मामलों को शीघ्र निष्पादन करने का निर्देश दिया।समीक्षा के क्रम में कार्यपालक अभियंता पीएचईडी को निर्देश दिया गया कि कई स्थानों पर पेयजल की काफी समस्या है एवं लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है इसलिए अपने टीम को सजग करके रखें एवं कहीं से भी पेयजल के लिए शिकायत आती है तो त्वरित कार्रवाई करते हुए समस्या का समाधान करने का निर्देश दिया। जिला कल्याण पदाधिकारी को नए छात्रावास के निर्माण हेतु भूमि चयन करने का निर्देश दिया। जिला आपूर्ति पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि राशन कार्ड धारी के बच्चों का आधार कार्ड नहीं बन पाने के कारण आधार सीडिंग के प्रतिशत में कमी हुई है, जिस पर जिलाधिकारी ने कहा कि ग्रामीण विकास विभाग या अन्य किसी संस्थान से पीडीएस दुकानों पर आधार कार्ड बनाने की व्यवस्था किया जाए ताकि ज्यादा से ज्यादा राशन कार्ड धारी के बच्चों का आधार कार्ड बन सके । जिला पदाधिकारी द्वारा सभी जिला स्तरीय पदाधिकारी को सर समय तक पूर्ण करने का निर्देश दिया।

सामाजिक सुरक्षा से संबंधित विभिन्न योजनाओं यथा-कबीर अंत्येष्टि अनुदान योजना, राष्ट्रीय परिवार लाभ योजना, मुख्यमंत्री परिवार लाभ योजना आदि पर लक्ष्य के अनुसार कार्य करने का निर्देश दिया। उन्होंने सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी को निर्देश दिया कि उक्त सभी योजनाओं में तेजी लाना सुनिश्चित करेंगे। डीपीओ आईसीडीएस ने आंगनबाड़ी केंद्रों में बिजली एवं नल-जल की समस्या से अवगत कराया। जिला पदाधिकारी के द्वारा निर्देश दिया गया कि संबंधित पदाधिकारी के साथ समन्वय स्थापित कर उन समस्या का समाधान करना सुनिश्चित करेंगे। सहकारिता पदाधिकारी को निर्देश दिया गया कि धान की अधिप्राप्ति समय पर करवाना सुनिश्चित करें, साथ ही सभी पैक्स का समय-समय पर जांच करने का भी निर्देश दिया। किसान भवन एसएफसी आदि हेतु जमीन उपलब्ध कराने का निर्देश अंचलाधिकारी को दिया गया। नवादा जिले में विलुप्त होते जा रहे हैं कला के उत्थान हेतु कला एवं संस्कृति पदाधिकारी को निर्देश दिया गया। इस बैठक में उप विकास आयुक्त नवादा, श्रीमती प्रियंका रानी, अपर समाहर्ता नवादा, श्री चंद्रशेखर आजाद, जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी श्री संजय कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी नवादा सदर श्री अखिलेश कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी रजौली श्री आदित्य कुमार पीयूष, गोपनीय शाखा प्रभारी श्री राजीव कुमार, सूचना एवं जनसंपर्क पदाधिकारी श्री अमरनाथ कुमार के साथ साथ अंचलाधिकारी, कार्यपालक अभियंता पीएचइडी, भवन, सिंचाई प्रमंडल, पथ प्रमंडल, कार्यपालक पदाधिकारी नगर परिषद नवादा, हिसुआ, वारसलीगंज एवं नगर पंचायत रजौली आदि उपस्थित थे।●

बिहार राज्य भारोत्तोलन कैडेट चैंपियनशिप 2024 का हुआ आगाज

● मिथिलेश कुमार

बिहार राज्य भारोतोलन कैडेट चौंपियनशिप 2024 नवादा के मौर्य गार्डन होटल में 20 से 22 दिसंबर तक आयोजित की गयी है। समारोह का उद्घाटन नवादा विधान सभा क्षेत्र के विधायक विभा देवी ने दीप प्रज्वलित कर एवं फीता काटकर किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में बिहार भारोत्तोलन संघ के अध्यक्ष अरुण कुमार ओझा एवं सचीव उपेंद्र कुमार नवादा जिला भारतोलन संघ के अध्यक्ष बसंत प्रसाद एवं खेलो इंडिया साइ सेंटर के कोच गुरु गोविंद सिंह ने संयुक्त रूप से किया।वही इस प्रतियोगिता में पहले दिन के मैच का परिणाम इस प्रकार रहा बालक वर्ग के 35 किलोग्राम के अंडर 11 ग्रुप में प्रथम स्थान आयुष राज जहानाबाद द्वितीय स्थान पीयूष कुमार नवादा 40 किलोग्राम वर्ग में प्रथम आयुष राय सीतामढ़ी द्वितीय लक्ष्य कुमार जहानाबाद तृतीय राजकुमार बेगूसराय अंडर 13 के 35 किलोग्राम वर्ग में प्रथम स्थान यश कुमार पटना द्वितीय धर्मवीर कुमार मोतिहारी तृतीय स्थान विशाल कुमार सारण 40 किलो वर्ग प्रथम स्थान दीपक कुमार गोपालगंज द्वितीय स्थान हर्षित कुमार गोपालगंज तृतीय स्थान आयुष राय सीतामढ़ी

वहीं बालिका वर्ग में अंडर 11 के 25 किलोग्राम वर्ग में सृष्टि शर्मा जहानाबाद प्रथम वहीं 30 किलोग्राम वर्ग में प्रथम स्थान साक्षी कुमारी जहानाबाद द्वितीय स्थान पल्लवी कुमारी गोपालगंज तृतीय स्थान स्वाति वर्मा नवादा अंडर 13 आयु वर्ग के 30 किलोग्राम में खुशी कुमारी पटना प्रथम स्थान सोनाक्षी कुमारी जहानाबाद द्वितीय स्थान प्राप्त की इस प्रतियोगिता को सफल बनाने में नवादा जिला भारोतोलन संघ के सचिव अरविंद कुमार, बैजनाथ कुशवाहा,दिनेश कुमार, राजेंद्र मुखिया, सोनू कुमार, शीतल प्रसाद इन लोगों के स्पॉन्सरशिप में यह प्रतियोगिता आयोजन हो रहा है वही इस प्रतियोगिता में खेल प्रेमी अलखदेव प्रसाद यादव,रामविलास प्रसाद यादव, शारीरिक शिक्षक संतोष कुमार वर्मा,राजीव कुमार,अशोक कुमार, संजय कुमार,नरेश प्रसाद, सुरेश कुमार वर्मा,यमुना प्रसाद,संतु कुमार,रंजीत कुमार, रणधीर कुमार, लोगों के अथक प्रयास से यह प्रतियोगिता का संचालन किया जा रहा है। राज्य के विभिन्न जिलों से आये खिलाड़ियों को ठहरने एवं खाने पीने की व्यवस्था संघ के द्वारा की गयी है।●

अभी कलम उठाइये

आपके सामने हो रहे भ्रष्टाचार एवं अपराध की खबर की समीक्षा करें और सरकार सहित पुलिस-प्रशासन तक उसको पहुंचाने के लिए केवल सच पत्रिका के साथ जुड़े। खबर की जानकारी इस नम्बर पर दें

सम्पर्क करें:- 9431073769/8340360961

ई-मेल:- editor.kstimes@rediffmail.com पर भेजें।

विशाल रंजन ने की CLAT परीक्षा में सफलता प्राप्त

● मिथिलेश कुमार

नवादा जिले के अकबरपुर प्रखंड अंतर्गत छोटे सा गावं बरहोरी ग्रामीण सह व्यवहार न्यायालय में वरिष्ठ अधिवक्ता उपेंद्र मिस्त्री के पुत्र बिशाल रंजन ने राष्ट्रीय स्तर की परीक्षा CLAT में सफलता प्राप्त कर अपने परिवार व जिले का नाम रौशन किया है। विशाल रंजन बचपन से ही मेघावी छात्र रहा है। रंजन के पिता अधिवक्ता उपेंद्र मिस्त्री ने विशाल रंजन के शैक्षणिक यात्रा के बारे में बताया की उसकी प्रारम्भिक शिक्षा पचगावां पंचायत के 'बरहोरी गांव' के आगनबाड़ी केंद्र से शुरू हुई थी। संत जोसेफ स्कूल नवादा में एडमिशन कराया। इसके बाद राष्ट्रीय स्तर पर अन्य स्कूलों के प्रवेश परीक्षा की तैयारी करते हुए विशाल ने आदर्श विद्या भारती बरबीघा से शिक्षा प्राप्त की और वर्ष 2017 में आर के मिशन देवघर, सैनिक स्कूल नालंदा, नवोदय विद्यालय जैसे नामचीन स्कूलों में सफलता अर्जित की। सैनिक स्कूल नालंदा में पढ़ाई के दौरान उन्होंने 2022 में मैट्रिक और 2024 में इंटर की परीक्षा में भी 'टॉप 20' में स्थान पाया। उनकी सफलता का यह सिलसिला छक। परीक्षा तक भी पहुंचा। 2023 में UPSC द्वारा आयोजित NDA परीक्षा पास की, हालांकि SSB में चयन के लिए अंक कुछ कम रहे। लेकिन हार ना मानते हुए, उन्होंने 2024 में पुन: परीक्षा दी और सफलता प्राप्त की। सैनिक स्कूल नालंदा के पूर्व छात्र विशाल रंजन ने लॉ कंसोर्टियम, बंगलुरु द्वारा आयोजित 'CLAT 2025' परीक्षा में शानदार सफलता प्राप्त कर परिवार और जिले का नाम गौरवान्वित किया है। उनके चयन से उनकी पढ़ाई का नया अध्याय शुरू हो गया है और वह अब देश के शीर्ष लॉ यूनिवर्सिटीज में एडमिशन के लिए तैयार हैं। उन्होंने बताया की तीन महीने की कठिन मेहनत और तैयारियों के बाद विशाल ने पहली बार CLAT परीक्षा क्रैक कर अपने लक्ष्य को साधा। अब उनकी निगाहें IAS की परीक्षा पर हैं और उनका सपना देश सेवा के क्षेत्र में अपना योगदान देना है। विशाल की इस उपलब्धि में उनके परिवार का महत्वपूर्ण सहयोग रहा। उनके दादा 'बालेश्वर मिस्री, माता' कुमारी श्वेता सुमन, भाई मनीष रंजन, प्रधान रंजन, बहन प्रतिभा भारती, चाचा 'हेड मास्टर निशांत' और इंजीनियरिंग कॉलेज के प्रोफेसर शुभेंदु अमित एवं वारिसलीगंज प्रखंड अंतर्गत मकनपुर निवासी विशाल रंजन के ननिहाल में नाना चांदो मिस्त्री,मामा कारू मिस्त्री, रंजीत मिस्त्री, संजीत मिस्त्री सहित दर्जनों लोगों ने शुभकामना एवं बधाई दिया है। बता दें की विशाल के बड़े भाई मनीष और बहन प्रतिभा ने भी 2022 में CLAT परीक्षा पास की और देश के प्रतिष्ठित लॉ कॉलेज में पढ़ाई कर रहे हैं। विशाल के पिता 'उपेन्द्र कुमार' भी शिक्षा के क्षेत्र में एक प्रेरणास्त्रोत हैं। वह सिविल कोर्ट नवादा में प्रतिष्ठित अधिवक्ता हैं और बढ़ई विश्वकर्मा महासभा नवादा के जिलाध्यक्ष भी हैं। परिवार और समाज ने उनके इस उपलब्धि पर खुशी का इजहार किया है और आशा जताई है कि विशाल आगे भी अपनी पढ़ाई और मेहनत के जरिए समाज और परिवार का नाम और ऊंचा करेंगे। उनकी सफलता निश्चित रूप से आने वाली पीढ़ियों के लिए भी प्रेरणा बनेगी।●

जे.पी. की भूमि पर जिलाधिकारी ने लगाया दरबार और दिया निर्देश

● मिथिलेश कुमार

नवादा क्षेत्र भ्रमण कार्यक्रम अंतर्गत जिला पदाधिकारी श्री रवि प्रकाश ने कौआकोल प्रखंड के शेखोदेवरा आश्रम का निरीक्षण किया। सर्वप्रथम जिला पदाधिकारी ने स्वतंत्रता सेनानी जयप्रकाश नारायण के आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। उन्होंने जयप्रकाश नारायण के द्वारा निवास किये स्थल को देखा ।जिलाधिकारी ने आश्रम में बने गेस्ट हाउस का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने गेस्ट हाउस का रंग रोगन एवं शीला पट्ट लगाने का निर्देश संबंधित अधिकारी को दिया ।साथ ही गेस्ट हाउस के गेट के पास खाली पड़े जमीन पर पौधरोपण करने एवं स्वच्छ रखने का भी निर्देश दिया । सेखोदेवरा आश्रम के विभिन्न रमणीय स्थल का निरीक्षण किया जिसमें उनके द्वारा परिसर में स्थित तालाब का जीर्णोद्धार कर तालाब के चारों ओर बैठने की व्यवस्था करने का निर्देश दिया एवं सड़क किनारे पेड़ पौधे लगाने का निर्देश दिया। जिला पदाधिकारी ने आश्रम में बने मीटिंग हॉल में सभी जिला स्तरीय पदाधिकारीयों के साथ बैठक की । उन्होंने सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा कोषांग के पदाधिकारी को निर्देश दिया कि विभाग से संबंधित सभी योजनाओं की शत प्रतिशत पहुंच सुनिश्चित करें। पचम्बा से बिहोर टोला 890 मीटर सड़क को

दिसंबर 2024 तक पूर्ण करने का निर्देश जिलाधिकारी ने कार्यपालक अभियंता आरडब्ल्यूडी को दिया। उन्होंने प्रखंड सहकारिता पदाधिकारी को निर्देश दिया कि विशेष अभियान चलाकर धान अधिप्राप्ति के लक्ष्य को शत प्रतिशत प्राप्त करें। जिलाधिकारी ने कार्यपालक अभियंता आरडब्ल्यूडी को निर्देश दिया कि आसपास की सभी सड़कों की मरम्मती करना सुनिश्चित करें। उन्होंने जिला आपूर्ति पदाधिकारी को निर्देश दिया कि क्षेत्र में विशेष कैंप लगाकर सभी पंचायत में राशन कार्ड बनाना सुनिश्चित करें। बीएलई के द्वारा जन वितरण प्रणाली की दुकानों में राशन कार्ड बनाने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने कौआकोल के चिकित्सा प्रभारी को निर्देश दिया कि सभी व्यक्तियों विशेषकर 70 वर्ष या 70 वर्ष से अधिक उम्र वाले व्यक्तियों का आयुष्मान कार्ड बनाना सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने सभी पंचायत भवनों में आरटीपीएस काउंटर को शीघ्र संचालित करने का निर्देश दिया एवं जन्म प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, निवास प्रमाण पत्र, आदि से संबंधित आवेदन का निष्पादन करने का निर्देश दिया। इस अवसर पर अपर समाहर्ता श्री चंद्रशेखर आजाद, अनुमंडल पदाधिकारी सदर श्री अखिलेश कुमार, एसडीपीओ पकरीबरावां श्री महेश चौधरी, गोपनीय शाखा प्रभारी श्री राजीव कुमार, जिला परिवहन पदाधिकारी श्री नवीन कुमार पांडे, सूचना एवं जनसंपर्क पदाधिकारी श्री अमरनाथ कुमार के साथ-साथ सभी जिला स्तरीय पदाधिकारी एवं संबंधित प्रखंड के पदाधिकारी उपस्थित थे।●

सम्राट अशोक भवन में अनुसूचित जाति, जनजाति कर्मचारी संघ का राज्य सम्मेलन आयोजित

संघ की शक्ति से बढ़कर कोई शक्ति नहीं : नर्मदेश्वर लाल

● धर्मेन्द्र सिंह

खगड़ा स्थित अशोक सम्राट भवन में अनुसूचित जाति अनुसूचित जनजाति कर्मचारी संघ बिहार का राज्य सम्मेलन का आयोजन 25 नवंबर को किया गया जिसमें बिहार के कुल 38 जिलों के जिलाध्यक्ष, सचिव के अलावा प्रतिनिधि शामिल हुए। वहीं सैकड़ों विकास मित्र, टोला सेवक, आशा कार्यकर्ता के अलावा 45 विभाग के लोग मौजूद रहे। इस मौके पर संघ के राज्य अध्यक्ष आईएएस अधिकारी सह खान एवं भूतत्व विभाग के प्रधान सचिव नर्मदेश्वर लाल, महासचिव देवेंद्र रजक, उपाध्यक्ष अक्षय लाल प्रसाद, तारणी दास, किशनगंज प्रभारी सह कल्याण विभाग के पूर्व अध्यक्ष मनोज कुमार रजक, किशनगंज जिलाध्यक्ष डा. देवेंद्र प्रसाद आदि मंच पर मौजूद रहे। कार्यक्रम का उद्घाटन राज्य अध्यक्ष नर्मदेश्वर लाल, महासचिव देवेन्द्र रजक, उपाध्यक्ष तारणी दास, ई. विनोद चौधरी, संघ के प्रभारी पदाधिकारी किशनगंज मनोज कुमार रजक, किशनगंज जिलाध्यक्ष डा. देवेन्द्र कुमार सहित अन्य ने दीप जलाकर किया। इसके बाद जिला संघ की ओर से राज्य अध्यक्ष का भव्य फूलमाला पहनाकर स्वागत किया गया। इससे पूर्व कार्यक्रम में पहुंचे अतिथियों का संघ के पदाधिकारियों की ओर से बुके व शॉल देकर स्वागत किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत जिलाध्यक्ष डा. देवेन्द्र कुमार ने स्वागत भाषण कर किया। जिसमें उन्होंने संघ के क्रियाकलाप पर चर्चा की। इस मौके पर राज्य अध्यक्ष नर्मदेश्वर लाल ने संगठन की एकजुटता पर बल देते कहा कि एकजुट होकर ही हम किसी भी लड़ाई को जीत सकते हैं। संघ की शक्ति से बढ़कर कोई शक्ति नहीं है। किशनगंज जैसे सुदूर इलाके में राज्य स्तरीय सम्मेलन करने का उद्देश्य यही है कि संघ को कैसे मजबूत बनाया जाए ताकि जिला से लेकर राज्य तक संघ की एकजुटता प्रदर्शित हो सके। राज्य महासचिव देवेन्द्र रजक ने कहा कि यह कार्यकारिणी की आम सभा व राज्य सम्मेलन भी है। राज्य अध्यक्ष का कहना है कि हमलोग अच्छे जगहों पर तो चले जाते हैं लेकिन रिमोट एरिया में नहीं पहुंच पाते हैं। जहां संघ के बारे में लोग जानते भी नहीं है कि इसकी महता क्या है। इससे पहले जमुई में भी सम्मेलन करा चुके हैं। सम्मेलन का उद्देश्य यह है कि इसमें कर्मचारियों को यह बताना है कि उनके हित की क्या बात हो रही है। संघ उनके लिए क्या कर रहा है। उनकी जो भी समस्याएं हैं हमलोग सुनते हैं। इन्होंने कहा कि हमारा संघ कर्मचारियों की हर समस्या का समाधान करने के लिए तत्पर रहता है। लेकिन कर्मचारियों को अपनी समस्या संघ को बतानी होगी। आरक्षण कोटा में कटौती की बात के सवाल पर जवाब देते उन्होंने कहा कि हमलोग का एसएसी एसटी का जो प्रतिनिधि है वही एक्टिव नहीं है। वो अपना हित के लिए सामान्य हित की बातों को गौण कर देते हैं। ततवा तांती को सरकार ने एससी का दर्जा नियम के विपरीत दे दिया था। जिसकी लड़ाई संघ ने लड़ी व उन्हें जीत मिली। नगर परिषद अध्यक्ष इंद्रदेव पासवान ने एससी एसटी एक्ट पर चर्चा करते इसके अस्तित्व को कायम रखने के लिए संघ से संघर्ष करने की अपील की। संगठन सचिव ने कहा कि किशनगंज हमारे सीमांतल क्षेत्र के शैक्षिक-सांस्कृतिक गतिविधियों का केन्द्र स्थल है। यह धरती सास्कृतिक एवं कला सपना के सामानांतर अपनी राजनैतिक एवं समाजिक चेतना को लेकर भी विशेष पहचान बनाती है। उन्होंने किशनगंज पूर्णिया के पुराने और महत्वपूर्ण अनुमंडल पर भी प्रकाश डाला। मोशल वर्कर्स, नेताओं, पत्रकार, व्यापारी, किसान आदि सहित किशनगंज के लोगों के 17 वर्षो के लंबे और कठिन संघर्ष के बाद, किशनगंज जिला 14 जनवरी 1990 को अस्तित्व में आया। आवादी 169,948 है। इसे भारत में 293 वां रैंक प्राप्त है। पूर्व में इसका नाम कृष्ण कुंज था जो बाद में किशनगंज में परिवर्तित हो गया। किशनगंज जिला विविधता

से भरपूर है और इसमें समृद्ध सांस्कृतिक और ऐतिहासिक धरोहर है। मुस्लिम बहुल्य जिले में सुरजापुरी भाषा बोली जाती है। गरीबों का दार्जीलिंग व बिहार का चेरापूंजी कहा जानेवाला किशनगंज महाभारत के आख्यानों से जुड़ा है। संगठन सचिव ने कहा कि बौद्ध काल में भी इस स्थान का विशेष महत्व था। इतिहासकारों की मानें तो किशनगंज का संबंध महाभारत, बौद्ध व पाल काल से रहा है। सूर्यवंशियों का शासन होने के कारण इस इलाके को सूर्यापुर भी कहा जाता है। यहां पर्यटन की अपार संभावनाएं है। विडंबना यह है कि यहां पर्यटन को बढ़ावा देने या अवशेषों के संरक्षण के लिए सरकार की ओर से कोई पहल नहीं की गई है। नतीजतन महाभारतकालीन इतिहास को समेटे कई अवशेष विलुप्त होने के कगार पर पहुंच चुके हैं। वहीं ठाकुरगंज को मुख्य रूप से लोग पांडवों के अज्ञातवास स्थल के रूप में भी जानते हैं। मान्यता है कि पांडवों के अपने अज्ञातवास का कुछ समय वहां बिताया था। यह महाभारत कालीन के कई धरोहर इस इलाके में हैं। इनमें से एक जगह भीम तकिया भी है। इस तकियानुमा गोल टीले के बारे में लोग बताते हैं कि अज्ञातवास के दौरान पांडव इसी टीले पर सिर रखकर सोते थे। यहीं के भातडाला पोखर में पांडव स्नान करते थे और पास ही वे भोजन भी बनाते थे। पटेसरी पंचायत के दूधमंजर स्थित खीर समुद्र के बारे में मान्यता है कि यहां अर्जुन ने अपने तीर से खीर की नदी बनाई थी। बंदरझुला पंचायत अंतर्गत कन्हैया जी टापू पर भी पांडवों ने अज्ञातवास का कुछ समय बिताया था। यहीं पास के नेपाल में कीचक वध स्थल है। यहां भीम ने कीचक का वध किया था। जिला मुख्यालय से 35 किमी दूर टेढ़ागाछ प्रखंड स्थित नेपाल की तराई में राजा वेणु से जुड़ा 180 एकड़ का वेणुगढ़ है। महाभारत काल में पांडवों ने यहां गुप्तवास किया था। आज भी यहां की ईटें व गढ़ के भग्नावशेष लोगों के लिए आस्था के केंद्र हैं। इसपर भी कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है।वही कोचाधामन प्रखंड के बड़ीजान गांव स्थित सूर्य की प्रतिमा लोगों की आस्था का केंद्र हैं। 57 साल पूर्व 1961 में गांव में खोदाई के दौरान मिली पीपल के वृक्ष के नीचे रखकर इसकी पूजा-अर्चना कर रहे हैं। सात घोडों पर सवार भगवान सूर्य की इस आदमकद प्रतिमा में काफी चमक है। माना जाता है कि यह प्रतिमा आठवीं शताब्दी के पाल वंश काल की है। इसकी पुष्टि पुरातत्व विभाग के अधिकारियों द्वारा 2002-03 में की गई थी। इतिहास साक्षी है की भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में यहां के जितने शहिदों ने अपनी शहादत दी इसमें अधिकांस पिछड़े एवं दलित समाज के लोग थे। यहां के दलित और आदिवासी समुदाय के मनस्वी लोगों ने कभी भी अपनी जातीय अस्मिता को कमतर नहीं होने दिया निश्चय हीं हमें अपने

जनों के राष्ट्रीय, राजनितिक चेतना, संघर्षजीवी शक्ति एवं सृजनशील मनवृत्ति पर फर्क है किन्तु हमारा वासित विकाश तथा समाजिक अस्मिता व प्रतिष्ठा का संरक्षण संवर्धन तभी संभव होगा जब हम बाबा साहब डॉ० भीमराव अम्बेडकर के मुल मंत्रों का, शिक्षित हो, संगठित हो और संघर्ष करो का अनुसरण सर्वतो - भावेन करेंगे हमें अपने अधिकार और हक हकूक की अभी और लंबी लड़ाई लड़नी है। संगठन सचिव ने कहा कि हमें अपने स्वभिमान और समता समांता के मार्ग की बाघओं से मुटभेड़ जारी रखना है। हमें कहने में कोई संकोच नहीं है कि हाल के दिनों में समुचे बिहार प्रदेश में अनुसुचित जाति/जनजाति कर्मचारीयों के प्रति असंतोष एवं आक्रोस बढ़ा है जिसके जड़ों में हमारा अपने अधिकार के लिए सजग होना, निचले स्तर तक हमारा संघ के माध्यम से संगठीत होना और अपनी संमिता को बचाने के लिए हर वक्त तत्पर रहना प्रतित होता है। हमारे संगठन की तत्परता और सफलता को समाज पचा पाने में असहज है। वहीं उन्होंने तांती, ततमा आदि को संवैधानिक लड़ाई के माध्यम से अनु०जाति/जनजाति की सुची से अलग करवाते हुऐ उन्हे हमारा फायदा लेने से वंचित करना, खास वर्ग के लोगों को हमारा दुश्मन पैदा करने का एक बड़ा कारण है। विगत वर्षो में बिहार स्वास्थ सेवा के पदाधिकारीयों का संघ के प्रति जुड़ाव और लगाव बढ़ा है। यह शतप्रतिशत सही है कि स्वास्थ सेवा के पदाधिकारी एवं कर्मचारियों का समाज में काफी जन संपर्क और मेल-जोल रहता है जिसकी वजह से उन्हे ही गैर बराबरी और प्रताड़ना का सामना करना पड़ता है जबकि कटु सत्य है कि बिहार की सुदुर ग्रामीण क्षेत्र की स्वास्थ व्यवस्था अनु०जति, जनजाति के पदाधिकरीयों एवं कर्मचारीयों पर सतप्रतिशत निर्भर है। डॉ० देवेन्द्र कुमार जैसे कर्मठ सदस्य को संघ द्वारा एक जिले की जिम्मेवारी देना बहुत ही सराहनीय कदम है। विगत 4 वर्षों में बिहार राज्य अनुसूचित जाति, जनजाती कर्मचारी संघ, बिहार ने जिस प्रकार प्रमंडल से पंचायत तक सदस्यों को जोड़ा है, उसका विश्वास हासिल किया है, उसे सबल और निडर बनाया है उसकी जितनी भी प्रशंसा की जाय कम है। आज हमारा संघ बिहार का सबसे बड़ा और मजबुत संघ है जिसकी स्वीकार्यता, सर्वमान्यता अपने आप में लाजवाब है। संगठन सचिव ने कहा कि अपने राज्य संघ को आश्वस्त करना चाहता हूँ कि संघ की किशनगंज ईकाई के साथ-साथ पूर्णियां प्रमण्डल की अन्य तीनों जिला ईकाईयों बाबा साहब तथा अपने अन्यान्य महापुरुषों के द्वारा निर्दिष्ट मार्गो का अनुसरण करते हुए अपने कर्तव्य पथ पर आगे बढ़ता ही रहेगा। वह अपनी एकजुटता एवं संघर्षशीलता का सातव्य निश्चित रुप से बनाए रहेगा। मौके पर संघ के पदाधिकारी ओपी एन रजक, विनोद कुमार राय, बालेश्वर रजक, सूरज रंजक और जिला खनन पदाधिकारी प्रणव कुमार प्रभाकर सहित अन्य लोग मौजूद रहे। जहां आरक्षण में बदलाव, संविधान के साथ छेड़छाड़, और कोटा में कोटा, तात्मा चौपाल का भी मुद्दा छाया रहा।●

हम आखिरी दम तक लड़ते रहेंगे : असद मदनी

● धर्मेन्द्र सिंह

जमीअत उलमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना महमूद असद मदनी ने किशनगंज के लहरा चौक पर हजारों की भीड़ को संबोधित करते हुए रविवार को सरकारों को चेतावनी दी कि वह सांप्रदायिक तत्वों और उनके एजेंडे को संरक्षण देना बंद करें। मदनी ने कहा कि सड़कें बनाई जाएं और देश के विकास की पहल की जाए, लेकिन अगर इंसानों के बीच जाति और धर्म के आधार पर भेदभाव जारी रहा, तो यह देश के साथ सबसे बड़ा विश्वासघात होगा। मौलाना मदनी ने उक्त बातें जमीअत उलमा किशनगंज द्वारा आयोजित आमसभा में कहीं, जिसकी अध्यक्षता जमीअत उलमा किशनगंज के अध्यक्ष मौलाना गयासुद्दीन ने की, जबकि संचालन जमीअत उलमा किशनगंज के सचिव मौलाना खालिद अनवर ने किया। इस अवसर पर जमीअत उलमा-ए-हिंद के महासचिव मौलाना हकीमुद्दीन कासमी, मौलाना मुफ्ती मो. अफ्फान मंसूरपुरी, जमीअत उलमा बिहार के अध्यक्ष मौलाना मुफ्ती जावेद इकबाल, मौलाना मुफ्ती इफ्तिखार कासमी कर्नाटक समेत देश की कई महत्वपूर्ण हस्तियां उपस्थित थीं। इन लोगों ने किशनगंज से राष्ट्रीय एकता और सभी धर्मों के बीच भाईचारे का संदेश दिया। मौलाना मदनी ने अपना संबोधन जारी रखते हुए कहा कि इस देश की वर्तमान स्थिति अत्यंत संवेदनशील और चिंताजनक हैं। दुख के साथ कहना पड़ता है कि एक विशेष वर्ग का वर्चस्व स्थापित करने और अन्य वर्गों को अपमानित करने, हाशिए पर धकेलने और वंचित बनाने के विधिवत और संगठित प्रयास किए जा रहे हैं। इस घृणित अभियान को न केवल सरकार का संक्षरण प्राप्त है बल्कि सरकार ही करवा रही है। विशेषकर जब मुसलमानों की बात आती है, तो उन्हें कानूनी रूप से असहाय, सामाजिक रूप से अलग-थलग और आर्थिक रूप से कमजोर बनाने की साजिशें चरम पर हैं। उनके धर्म, उनकी पहचान और अस्तित्व को अनावश्यक, यहां तक कि असहनीय बना दिया गया है।मौलाना मदनी ने कहा कि किसी भी सभ्य समाज के लिए न्याय और निष्पक्षता सबसे बड़ी कसौटी है, न्याय और निष्पक्षता के बिना बड़े से बड़ा राज्य और बड़ा से बड़ा देश बाकी नहीं रह सकता। देश में कानून व्यवस्था की स्थापना और अपराध मुक्त समाज का निर्माण

न्याय के बिना नहीं हो सकता है, लेकिन दुख के साथ कहना पड़ रहा है कि पिछले कुछ समय से अल्पसंख्यकों के संवैधानिक अधिकारों और संविधान के कुछ मूल सिद्धांतों की व्याख्या के ऐसे उदाहरण सामने आए हैं, जिन्होंने अदालतों की भूमिका पर सवालिया निशान लगा दिए हैं। उन्होंने इस संबंध में मस्जिदों को लेकर विभिन्न अदालतों में चल रहे मामलों पर प्रकाश डाला। वक्फ एक्ट पर प्रकाश डालते हुए मौलाना मदनी ने कहा कि वक्फ एक धार्मिक मामला है, मुसलमान आखिरत के सवाब (मृत्यु के बाद के पुण्य) के लिए अपनी संपत्तियों को वक्फ करते हैं। याद रखिए कि यह वक्फ किसी बादशाह या किसी सरकार का स्वामित्व नहीं हैं, यह सौ प्रतिशत मुसलमानों द्वारा वक्फ की गई संपत्तियां हैं। हमारे देश में वक्फ संपत्तियों की बहुतायत इस बात का प्रमाण है कि इस्लाम धर्म में मानवता की भलाई और कल्याणकारी कार्यों पर कितना जोर दिया गया है और मुसलमानों ने कितनी उदारता के साथ अपनी संपत्तियों को अल्लाह की खुशी और सदक-ए-जारिया (निरंतर चलने वाला दान) के लिए वक्फ की हैं। यह वक्फ हमारे पूर्वजों की विरासत है, आज हम इसे इस तरह बर्बाद होते नहीं देख सकते। हम दशकों से इसके खुर्द-बुर्द होने और इस पर अवैध कब्जे की शिकायत करते रहे हैं, जमीएत उलमा-ए-हिंद ने बार-बार सरकारों से मांग की है कि वक्फ संपत्तियों का प्रबंधन और रख-रखाव एसजीपीसी की तरह किया जाए, लेकिन सरकारों ने रत्तीभर भी ध्यान नहीं दिया और वक्फ की बदहाली का तमाशा देखती रहीं। मौलाना मदनी ने कहा कि वर्तमान सरकार वक्फ अधिनियम में इस तरह से संशोधन कर रही है कि वक्फ के उद्देश्य और उसके लक्ष्य को पूरी तरह से समाप्त कर दिया जाए। हम कोई ऐसा संशोधन स्वीकार नहीं करेंगे जिसका उद्देश्य वक्फ पर सरकारी नियंत्रण को बढ़ाना हो। हम यह स्पष्ट कर देना चाहते हैं कि सरकारें हमारे धार्मिक मामलों में हस्तक्षेप न करें, अन्यथा हम आपसे संविधान के दायरे में रहकर लड़ेंगे और आखिरी दम तक लड़ते रहेंगे। मौलाना मदनी ने मुसलमानों को नसीहत दी कि कठिन परिस्थितियों में मुसलमानों के कृत्यों और प्रतिक्रिया से धैर्य, रणनीति और बुद्धिमत्ता झलकनी चाहिए। यह समय की मांग है कि मुसलमान अपनी दृष्टि और दूरदर्शिता का प्रदर्शन करें, सकारात्मक और संतुलित पहल के माध्यम से सामाजिक निर्माण और विकास में अपनी भूमिका और मजबूत करें। हमेशा अंधेरा नहीं रहता, एक दिन सवेरा भी होगा। उन्होंने कहा कि हमारा व्यवहार दावती (निमंत्रण वाला) होना चाहिए अदावती (शत्रुतापूर्ण) नहीं। उन्होंने पवित्र कुरान की आयतों के आलोक में कहा कि परीक्षा मोमिन के लिए आवश्यक कार्य

है, और इस परीक्षा में धैर्य और मजबूती से डटे रहना मोमिन की कामियाबी की निशानी है। मौलाना मदनी ने दहेज को एक सामाजिक अभिशाप बताते हुए कहा कि अगर आप मोमिन हैं तो ईमान का तकाजा है कि आप इसे छोड़ दें।जमीअत उलमा-ए-हिंद के महासचिव मौलाना हकीमुद्दीन कासमी ने जमीअत उलमा-ए-हिंद की लंबी सेवाओं पर प्रकाश डाला। दीनी तालीमी बोर्ड, उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष मुफ्ती मो. अफ्फान मंसूरपुरी ने अपने संबोधन में सामाजिक सुधार के साथ अपने बच्चों को धार्मिक शिक्षा से जोड़ने पर जोर दिया। उनके अलावा किशनगंज के कांग्रेस सांसद डॉ. मो. जावेद आजाद, अब्दुल वाहिद चिश्ती अंगारा दरगाह अजमेर शरीफ और विधायक मौलाना सऊद असरार, इजहार असफी, अख्तरुल ईमान, इजहारुल हसन, अंजार नईमी, मुजाहिद आलम, मुफ्ती अतहर जावेद कासमी समेत कई अन्य हस्तियों ने भी संबोधित किया। सभा में वक्फ संपत्तियों, मस्जिदों, इस्लामी मदरसों और पैगंबर साहब के सम्मान की सुरक्षा को लेकर अहम प्रस्ताव पारित किए गए। एक महत्वपूर्ण प्रस्ताव में वक्फ संशोधन बिल को मुसलमानों के लिए घातक बताते हुए इसका कड़ा विरोध किया गया। प्रस्ताव में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, लोक जनशक्ति पार्टी के अध्यक्ष चिराग पासवान और अन्य धर्मनिरपेक्ष दलों से मांग की गई कि वह मुसलमानों के हितों को देखते हुए विधेयक का पुरजोर विरोध करें। सभा में मस्जिदों के विरुद्ध चल रहे सांप्रदायिक अभियान पर गहरी चिंता व्यक्त की गई और पूजास्थलों के विशेष संरक्षण अधिनियम, 1991 के तहत सभी मामलों को समेकित करने के लिए सुप्रीम कोर्ट से एक संविधान पीठ का गठन करने की अपील की गई। सभा में भाग लेने वालों ने अदालत से अपील की कि अनुच्छेद 142 और 139ए के तहत इस मामले पर जल्द से जल्द निर्णय दिया जाए ताकि मस्जिदों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। बैठक में इस्लामी मदरसा के खिलाफ चल रहे नकारात्मक प्रचार की निंदा की गई और सरकार से मांग की गई कि वह इस अभियान को तत्काल रोके। मदरसों को निर्देश दिया गया कि वह आंतरिक सुधारों पर ध्यान केंद्रित करें और छात्रावास, पहचान पत्रों, भूमि के दस्तावेजों और वित्तीय खातों को पारदर्शी बनाएं। प्रस्ताव में जोर दिया गया कि मदरसे अपने स्वतंत्र चरित्र को बनाए रखने के लिए सभी स्तरों पर सरकारी सहायता प्राप्त करने से बचें और अपने सभी खातों का ऑडिट करके पारदर्शिता सुनिश्चित करें। मदरसों से यह भी कहा गया कि भूमि स्वामित्व, नक्शे और अन्य कानूनी दस्तावेजों को तत्काल पूरा करें ताकि किसी भी संभावित कानूनी समस्या से बचा जा सके। पैगम्बर मो. सल्ललाहो अलैहे वसल्लम के सम्मान की सुरक्षा को लेकर भी एक प्रस्ताव पारित किया गया। सभा में सरकार से मांग की गई कि वह सोशल मीडिया पर पैगंबर मोहम्मद साहब की शान में गुस्ताखी के दोषी व्यक्तियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करे। प्रस्ताव में अंतरराष्ट्रीय संगठनों से भी मांग की गई कि वह संयुक्त राष्ट्र के माध्यम से ऐसा कानून बनाएं जिसके तहत पैगम्बरों (उन पर शांति) के अपमान को वैश्विक अपराध घोषित किया जाए। सभा में मुसलानों से अपील की गई कि वह अपनी आस्था पर मजबूती से डटे रहें और पैगंबर से सम्मान की रक्षा के लिए हर कानूनी और लोकतांत्रिक तरीका अपनाएं। आमसभा में देश में बढ़ते हुए इस्लामोफोबिया और नफरत की कड़ी निंदा की गई। सभा ने सत्तारूढ़ दल के पदाधिकारियों द्वारा भड़काऊ बयान और सीमांचल में नफरती रैली को देश की अखंडता के लिए खतरा बताया।●

लूटेरी दुल्हन ने लगाया लाखों का चूना

● धर्मेन्द्र सिंह

शहर के धर्मगंज निवासी भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश क्षेत्र के प्रभारी राकेश गुप्ता से एक लुटेरी दुल्हन ने तकरीबन 35 लाख रुपये का चूना लगाकर फरार हो गई। मामला उजागर होने के बाद पुलिस भी हैरान रह गई। यही नहीं, युवती ने बंगाल में दूसरे युवक से शादी भी कर ली। गौर करे कि राकेश गुप्ता से पहले भी वह एक और शादी कर चुकी है। घटना की जानकारी जब युवती के पति राकेश गुप्ता को मिली तो पीड़ित ने अपनी ससुराल पहुंचकर हंगामा किया। हंगामा देख मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। गौर करे कि 10 दिसंबर मंगलवार को पीड़ित राकेश कुमार गुप्ता ने पुलिस अधीक्षक सागर कुमार से मिलकर न्याय की गुहार लगाई। इससे पहले 07 दिसंबर को राकेश गुप्ता ने सदर थाना में पत्नी के खिलाफ आवेदन दिया। उन्होंने मीडिया से बातचीत में पूरी कहानी बताई। राकेश गुप्ता ने बताया कि इसी साल 19 अप्रैल 2024 को कोर्ट में उन्होंने ईशा मोदक नाम की लड़की से शादी की थी। इसके बाद मंदिर में भी शादी रचाई। 10 मई को शादी की पार्टी दी थी। शादी के दो-चार दिन बाद ही लड़की अपने घर चली गई। राकेश गुप्ता का कहना है कि शादी के बाद से बीच-बीच में लड़की कभी-कभी आती थी। उसकी मां रहने नहीं देती थी। कहती थी कि आपका घर टीने का है। घर बनाइए तब ले जाइएगा। इस बीच कई बार उन्होंने पत्नी के

घर वालों को पैसे दिए। उन्होंने जमीन खरीदने के लिए भी पैसे दिए हैं। बीते 03 दिसंबर को पांच लाख रुपया अपनी पत्नी को उन्होंने मायके में जाकर दिया था। कहा था कि उनके कारोबार में जो उनके पार्टनर हैं राहुल उन्हें दे देना है, लेकिन पैसा लेकर वो चली गई। उसके बाद से आज तक नहीं दिखी। परिवार वाले भी नहीं बता रहे कि कहां गई है। पीड़ित राकेश गुप्ता का कहना है कि अब तक करीब 35 लाख रुपये वो दे चुके हैं। गहना अलग से दे चुके हैं। उन्होंने बताया कि अपने मां-बाप की ईशा इकलौती बेटी है। ईशा और उसके परिवार पर राकेश ने किसी और युवक को भी ठगने का आरोप लगाया है। उन्होंने बताया कि बंगाल के रहने वाले एक युवक को नौ महीने तक इन लोगों ने ठगा लेकिन शादी नहीं की थी। राकेश ने कहा कि उसे इंसाफ चाहिए। इस बीच उन्हें पता चला कि ईशा ने किसी और से शादी कर ली है। उसकी तस्वीर उन्होंने दिखाई। राकेश ने कहा कि एसपी से मिलने के बाद उन्होंने दो दिन का वक्त मांगा है।उधर लड़की की मां का कहना है कि राकेश गुप्ता से लड़की की शादी नहीं बल्कि सगाई हुई थी। लड़की कि मां ने रुपए लेने की बात से इंकार कर दिया। दूसरी तरफ सोशल मीडिया पर आरोपी दुल्हन की एक तस्वीर दूसरे लड़के के साथ तेजी से वायरल हो रही है। जिसमें वह परिणय सूत्र में बंधी नजर आ रही है। हंगामे की सूचना के बाद मौके पर पुलिस भी पहुंची और समझा-बुझाकर मामला शांत करवाया। पुलिस ने कहा कि मामला दर्ज किया गया है। जांच के बाद कुछ कहा जाएगा। वहीं, इलाके में इस शादी को लेकर चर्चाओं का बाजार गर्म है।●

बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के ऊपर हो रहे अत्याचार के विरुद्ध निकाला गया आक्रोश मार्च

● धर्मेन्द्र सिंह

बांग्लादेश में हिंदू समुदाय पर हो रहे लगातार अत्याचार के खिलाफ आवाज उठाने के उद्देश्य से बंगलादेशी हिन्दू हित संघर्ष समिति के बैनर तले 05 दिसंबर को जन सभा एवं मौन आक्रोश मार्च निकाला गया। गौर करे कि किशनगंज से बांग्लादेश सीमा की दूरी 17-18 किमी है। बांग्लादेश में हिन्दू अल्पसंख्यक हैं। बंगलादेश में हिन्दू, सिक्ख, जैन एवं बौद्धों पर हो रहे अत्याचार के विरुद्ध जन सभा एवं मौन आक्रोश मार्च के साथ ही जिला समाहरणालय में जिलाधिकारी के माध्यम से महामहिम राष्ट्रपति को ज्ञापन सौंपा। इस अवसर पर धर्मगंज रेलवे फाटक से सटे हनुमान मंदिर परिसर

में सर्वप्रथम जन सभा आयोजित हुई और यहां से मौन आक्रोश मार्च निकाला गया। नगर भ्रमण करते हुए आक्रोश मार्च समाहरणालय पहुंचा। यहां जिलाधिकारी के अनुपस्थिति में एडीएम अम्ब्रेन्द्र कुमार पंकज को समिति के एक प्रतिनिधि मंडल द्वारा महामहिम राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा गया। इस अवसर पर ज्ञापन देने आए प्रतिनिधि मंडल में प्रमुख राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जिला सह संघचालक अमर चन्द यादव, संघ के स्वयंसेवक नागराज नखत, विभाग कार्यवाह सुखदेव, जिला कार्यवाह हरदेव, कार्यक्रम संयोजक सह जिला कार्यवाह संजय कृष्ण, संघ के स्वयंसेवक सह अधिवक्ता संघ अध्यक्ष, शिशिर कुमार दास, पूर्व विधायक सिकंदर सिंह, अधिवक्ता जयकिशन प्रसाद कुशवाहा, अधिवक्ता संजय श्रीवास्तव, वनवासी कल्याण आश्रम के गौतम पौद्दार, कुमार विशाल उर्फ डब्बा एवं अन्य प्रमुख समिति के प्रतिनिधि मंडल सदस्य शामिल थे। विचार मंच के विभिन्न संगठनों में पर्यावरण सह प्रांतीय अधिकारी देवदास, सरस्वती विद्या मंदिर के प्रधानाचार्य नागेन्द्र तिवारी, भाजपा जिलाध्यक्ष सुशांत गोप, विहिप जिला मंत्री संजय सिंह, जिला संपर्क प्रमुख लक्ष्मीनारायण, चंद्र किशोर राम, चिंटू त्रिपाठी, राजेश गुप्ता, कुमार विशाल उर्फ डब्बा, संजय पासवान एवं सभी संगठनों के प्रतिनिधि में

जिला के आमजन समाज बड़ी संख्या में मातृ शक्ति सहित लोग आक्रोश मार्च में शामिल हुए। संघ के स्वयंसेवक सह अधिवक्ता शिशिर कुमार दास ने कहा कि बांग्लादेश में हिंदू समुदाय को लगातार धार्मिक, सामाजिक और सांस्कृतिक उत्पीड़न का सामना करना पड़ रहा है। वहां के हिंदुओं के धार्मिक स्थलों और संपत्तियों पर हमले हो रहे हैं। इसे लेकर भारत में रहने वाले हिंदू समाज के लोग चिंतित और आक्रोशित हैं। उन्होंने कहा कि यह प्रदर्शन केवल एक विरोध नहीं है, बल्कि बांग्लादेश में पीड़ित हिंदुओं के प्रति एकजुटता दिखाने का प्रयास है। धरना के पश्चात जिलाधिकारी के माध्यम से राष्ट्रपति को ज्ञापन सौंपा

जाएगा। बांग्लादेशी हिंदू हित संघर्ष समिति के सदस्यों ने राष्ट्रपति को दिए गए आवेदन में मांग किया है कि बांग्लादेश में हिन्दुओं पर हो रहे अत्याचार तत्काल बंद हों एवं इस्कॉन के संन्यासी चिन्मय कृष्ण दास को अन्यायपूर्ण कारावास से मुक्त करें। बांग्लादेश में हिन्दुओं तथा अन्य सभी अल्पसंख्यकों पर इस्लामिक कट्टरपंथियों द्वारा हमले, हत्या, लूट, आगजनी तथा महिलाओ पर हो रहे अमानवीय अत्याचार अत्यत चिंताजनक है तथा इस जिला के हम नागरिक जन इसकी भर्त्सना करते हैं।अधिवक्ता शिशिर दास ने कहा कि वर्तमान की बांग्लादेश सरकार तथा अन्य एजेंसिया इसे रोकने के जगह केवल मूकदर्शक बनी हुई है। विवशतावश बांग्लादेश के हिन्दुओं द्वारा स्वरक्षण हेतु लोकतांत्रिक पद्धति से उठायी गई आवाज को दवाने हेतु उन्हीं पर अन्याय व अत्याचार का नया दौर उभरता दिख रहा है। ऐसे ही शांतिपूर्ण प्रदर्शनों में हिन्दुओं का नेतृत्व कर रहे इस्कॉन के संन्यासी चिन्मय कृष्ण दास को बांग्लादेश सरकार द्वारा कारावास भेजना अन्यायपूर्ण है। इस जिला के हम नागरिक जन बांग्लादेश सरकार से यह आवाहन करते है कि ये सुनिश्चित करें कि देश में हिन्दुओं पर हो रहे अत्याचार तत्काल बंद हो तथा श्री चिन्मय कृष्ण दास को कारावास से मुक्त करें। इस जिला के हम नागरिक जन भारत सरकार से भी आवाहन करते हैं कि वह बांग्लादेश में हिन्दुओं तथा अन्य सभी अल्पसंख्यकों पर हो रहे अत्याचारों को रोकने के प्रयासों को हरसंभव जारी रखें तथा इसके समर्थन में वैश्विक अभिमत बनाने हेतु यथाशीघ्र आवश्यक कदम उठायें। हम बांग्लादेश के पीड़ितों के साथ खड़े होकर अपना समर्थन प्रकट करते हैं तथा अपनी सरकार से इस हेतु हरसंभव प्रयास की मांग करते हैं, ताकि विश्व में शान्ति एवं भाईचारा बना रहे।●

बांग्लादेशी हिन्दुओं को दो-दो कट्ठा जमीन देने का सिकंदर सिंह ने किया वादा

किशनगंज बांग्लादेश अब पाकिस्तान बनता जा रहा है और वहां हिंदुओं का जीना दुश्वार हो गया है। मो. यूनुस की कार्यवाहक सरकार में अब वहां आईएसआईएस के झंडे लहराए जा रहे हैं और हिंदुओं को कत्ल करने, देश छोड़ने या फिर धर्म बदलने की धमकी दी जा रही है। बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे जुल्म के खिलाफ भारत में भी विरोध बढ़ता जा रहा है और भारत सरकार पर सख्त एक्शन लेने का दबाव बढ़ता जा रहा है। वहीं, हिंदू शरणार्थियों के लिए भारत में शरण देने की मांग भी लगातार उठ रही है। बांग्लादेश में हिंदुओं के प्रति जिस तरह से घृणा का वातावरण तैयार हो रहा है ऐसे में अब सीमावर्ती जिलों में हिंदू शरणार्थियों को बसाने की मांग भी जोर पकड़ती जा रही है। इसी कड़ी में भारतीय जनता पार्टी ने अपनी दरियादिली दिखाते हुए बड़ी घोषणा कर दी है। भारत बांग्लादेश सीमा से सटे किशनगंज में हिंदू शरणार्थियों को बसाने के लिए भारतीय जनता पार्टी के नेता ने 15 एकड़ जमीन देने का घोषणा कर दी है। ठाकुरगंज विधानसभा से बीजेपी के पूर्व विधायक रहे सिकंदर सिंह ने बांग्लादेश में हिंदुओं के ऊपर हो रहे हमले को देखते हुए यह घोषणा की है। सिकंदर सिंह ने मीडिया से बताया कि बांग्लादेश में लगातार हिंदुओं की हत्याएं हो रहीं हैं और अगर बांग्लादेश से हिंदू यहां आना चाहते हैं तो केंद्र सरकार को उनके लिए सीमा खोल देनी चाहिए। सिकंदर सिंह ने कहा कि केंद्र सरकार पूरे मामले पर अविलंब हस्तक्षेप करे और बांग्लादेश को निर्यात किए जाने वाले तमाम सामग्रियों पर रोक लगा दे। बांग्लादेश में नमक और दवा जैसी जरूरत की चीजें भी रोक देनी चाहिए। पानी-बिजली की आपूर्ति बंद कर दी जानी चाहिए। पूर्व विधायक ने कहा कि जब तक आपूर्ति रोकी नहीं जाएगी तब तक बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार नहीं रुकेगा। गौर करे कि बांग्लादेश में तख्तापलट के बाद से ही लगातार हिंदुओं पर हमले हो रहे हैं जिससे इस सीमावर्ती जिला के लोगों में भी बांग्लादेश के प्रति आक्रोश देखा जा रहा है।गौरतलब हो कि किशनगंज जिले में पहले से बड़े पैमाने पर बांग्लादेशी और बर्मा (वर्तमान में म्यांमार) के शरणार्थी बसे हुए हैं। इन्हें पूर्व में सरकार ने रिफ्यूजी कॉलोनी में बसाया था। अब भाजपा के नेता सिकंदर सिंह ने कहा कि अगर कोई शरणार्थी यहां आते हैं तो खुद हर शरणार्थी को दो-दो कट्ठा जमीन देकर अपने 15 एकड़ में बसा देंगे। सिकंदर सिंह ने आगे कहा कि केंद्र सरकार बॉर्डर को खोल दे और जो भी हिंदुस्तान आना चाहते हैं उन्हें आने देना चाहिए, ताकि वे बांग्लादेशियों के जुल्म से बच सकें। वहीं, उन्होंने कहा कि अगर कोई हमसे लिखित में लेना चाहता है तो मैं वह भी देने को तैयार हूं। किसी भी देश में सनातनी पर अत्याचार बर्दाश्त नहीं किया जा सकता है।

जदयू जिला कार्यकर्ता सम्मेलन का हुआ आयोजन

● धर्मेंद्र सिंह

जनता दल यूनाइटेड का जिला कार्यकर्ता सम्मेलन 01 दिसंबर को मदरसा अंजुमन इस्लामिया में आयोजित किया गया। वहीं मुख्य अतिथि के रूप में बिहार विधान सभा उपाध्यक्ष नरेंद्र नारायण यादव, ऊर्जा मंत्री बिजेंद्र यादव, पूर्व सांसद गुलाम रसूल बलियावी सहित अन्य दर्जनों नेता शामिल हुए। सम्मेलन में जिले के अलावा सभी प्रखंड के जदयू अध्यक्ष, पदाधिकारी, विधायक, पूर्व मंत्री आदि शामिल हुए। मुख्य अतिथि बिहार विधान सभा उपाध्यक्ष नरेंद्र नारायण यादव ने सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि नीतीश कुमार बिहार के सर्वमान्य नेता हैं। जिन्हें न सिर्फ बिहार बल्कि पूरा देश विकास पुरुष के नाम से जनता है। नीतीश कुमार के 19 साल के शासन काल में पूरे बिहार में न्याय के साथ सभी जाति, समुदाय का विकास हुआ है। आज पूरा देश नीतीश कुमार के विकास मॉडल को अपना कर अपने अपने राज्यों में विकास को गति दे रहे हैं। ऊर्जा मंत्री बिजेंद्र यादव ने कहा कि 2006 में पंचायती राज में महिला आरक्षण के

बिल का विरोध सबों ने किया। लेकिन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने महिला आरक्षण लागू करवाया। ऊर्जा मंत्री ने कहा कि पूर्णिया में हवाई अड्डा का निर्माण होने से हज करने वालों को जाने में सुविधा होगी। बिहार के अगल बगल के राज्यों की तुलना में बिहार में सबसे सस्ती बिजली मिलती है। पूर्व सांसद गुलाम रसूल बलियावी ने कहा कि वर्तमान सरकार ने मदरसा शिक्षकों के वेतन में भी वृद्धि की। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सभी धर्मों के बच्चों के साथ मुसलमानों के बच्चों को भी योजना का लाभ दिया। पूर्व प्रदेश अध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ श्वेता विश्वास ने कहा कि महिलाओं की स्थिति पहले से ज्यादा बदली है। 2006 में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पहल पर पंचायत में भागीदारी के लिए 50 प्रतिशत आरक्षण मिला। साइकिल योजना, पोशाक योजना सहित अन्य योजना लाकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने महिलाओं की तस्वीर बदल दी। नीतीश कुमार ने बिहार को सजाया और संवारा है। न्याय के साथ विकास हुआ है। उन्होंने सम्मेलन की सफलता पर जिला के सभी जदयू नेता को खासतौर से धन्यवाद दिया। पूरी टीम के अथक प्रयास से ये संभव हुआ है। सम्मेलन के माध्यम से लोगों से नीतीश कुमार के 19 साल के कार्यों और उपलब्धियों को जन जन तक पहुंचाने का काम करें। सुपौल के सांसद दिलेश्वर कामत ने कहा कि संगठन की मजबूती के लिए सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। कार्यकर्ता पार्टी की रीढ़ है। पूर्णिया के पूर्व सांसद संतोष कुशवाहा ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सभी जाती के लोगों के लिए विकास का कार्य किए है। किसी के बहकावे में आने की जरूरत नहीं है। मंच संचालन वरीय जदयू नेता बुलंद अख्तर हाशमी कर रहे थे। जदयू जिलाध्यक्ष मुजाहिद आलम ने धन्यवाद ज्ञापन किया।●

शर्राफा कारोबारी लूटकांड का एसआईटी ने किया सफल उद्भेदन

● धर्मेंद्र सिंह

किशनगंज जिले के कोचाधामन थानाक्षेत्र के बिशनपुर बाजार में शर्राफा कारोबारी लूटकांड का एसआईटी ने सफल उद्भेदन कर लिया है। घटना में शामिल छह आरोपियों को पुलिस टीम ने 04 दिसंबर की रात को गिरफ्तार किया है। वहीं लूटे गए आभूषण में 500 ग्राम चांदी, लुट में प्रयोग किया गया बाइक, छह मोबाइल व एक बैग भी बरामद हुआ है।05 दिसंबर को एसपी कार्यालय में प्रेसवार्ता के दौरान एसडीपीओ गौतम कुमार ने बताया कि 01 दिसंबर

की सुबह बिशनपुर बाजार में एक छिनतई की घटना घटी थी। घटना के उद्भेदन के लिए पुलिस अधीक्षक सागर कुमार के निर्देश पर एसआईटी गठित किया गया था। घटना का उद्भेदन करते हुए घटना में शामिल छह आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। एसडीपीओ ने कहा कि मो. सद्दाम बाघमारा, मो. खुद्दाम, तनवीर आलम केलाबारी जोकीहाट, लालू उर्फ डेविड चिरह, महलगांव अररिया, नूरसेद रौटा पूर्णिया व मूंगा लाल साह कैरिवीरपुर बिशनपुर का रहने वाला है। केरीबीपुर का मूंगा लाल स्थानीय लाइनर की भूमिका में था। एसडीपीओ ने बताया कि आरोपी मूंगा ने ही इस घटना को अंजाम देने के लिए लाइनर की भूमिका निभायी थी।●

‘बाल विवाह मुक्त भारत’ अभियान को ‘जन निर्माण केंन्द्र’ ने दिया समर्थन

● धर्मेन्द्र सिंह

भारत सरकार के नई दिल्ली के विज्ञान भवन में ‘बाल विवाह मुक्त भारत’ अभियान के उद्घाटन के मौके पर जिला प्रशासन ने जिले में बाल विवाह के खिलाफ काम कर रहे गैरसरकारी संगठन जन निर्माण केंद्र के साथ मिलकर जागरूकता रैलियों का आयोजन किया और लोगों को बाल विवाह के खिलाफ शपथ दिलाई। जन निर्माण केंद्र बच्चों की सुरक्षा व संरक्षण के लिए देश के 400 से भी ज्यादा जिलों में काम कर रहे 250 से भी ज्यादा गैरसरकारी संगठनों के गठबंधन जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन (जेआरसी) का सहयोगी सदस्य है। इस मौके पर समाहरणालय परिसर में हुए समारोह में जिलाधिकारी विशाल राज ने स्कूली बच्चों, महिलाओं और पंचायत प्रतिनिधियों व अन्य को बाल विवाह के खिलाफ शपथ दिलाई। जिला बाल संरक्षण इकाई के सहायक निर्देशक के द्वारा बाल विवाह मुक्त भारत अभियान शपथ कर जन जन जागरूकता अभियान चलाने पर बल दिया गया। जिले में जगह-जगह हुए कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में ग्रामीणों, पंचायत प्रतिनिधियों, आशा व आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, शिक्षकों, बाल विवाह निषेध अधिकारी (सीएमपीओ) के अलावा बाल विवाह पीड़िताओं ने भी भागीदारी की और बाल विवाह के खिलाफ शपथ ली। यह कार्यक्रम देश से बाल विवाह के खात्मे के लिए भारत सरकार के बाल विवाह मुक्त भारत’ के आह्वान के समर्थन में किया गया, जिसका उद्घाटन 27 नवंबर को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने किया। इस दौरान उन्होंने पंचायतों और स्कूलों को बाल विवाह के खिलाफ शपथ दिलाई। उम्मीद की जा रही है कि जल्दी ही शपथ लेने वालों की संख्या 25 करोड़ तक पहुंच जाएगी। इस मौके पर बाल विवाहों की सूचना व शिकायत के लिए एक राष्ट्रीय पोर्टल भी शुरू किया गया। जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखातेहुए इस मौके पर जिलाधिकारी विशाल राज ने बाल विवाह मुक्त अभियान को प्रोत्साहित किया। इस राष्ट्रव्यापी अभियान और जमीन पर इसके असर की चर्चा करते हुए जन निर्माण केंद्र निर्देशक राकेश कुमार सिंह ने कहा, “प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बाल विवाह के खात्मे के लिए महिला एवं बाल कल्याण मंत्रालय की ओर से शुरू किया गया अभियान इस बात का सबूत है कि सरकार इस सामाजिक बुराई की गंभीरता से अवगत है। आज भी देश में 23 प्रतिशत से ज्यादा लड़कियों का बाल विवाह होता है जो न सिर्फ जीवनसाथी चुनने के उनके अधिकार का हनन है बल्कि इससे लड़कियों की शिक्षा, स्वास्थ्य के साथ रोजगार और आर्थिक निर्भरता की उनकी संभावनाओं पर भी बेहद बुरा असर होता है। सरकार की योजना इस अभियान में सभी हितधारकों को साथ लेकर चलने की है और ‘जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन’ का सहयोगी संगठन होने के नाते हम इसमें पूरी तरह साथ हैं। वर्षों से बाल विवाह के खिलाफ काम करने के नाते हम भली भांति जानते हैं कि समग्र और समन्वित प्रयासों के बिना यह लड़ाई नहीं जीती जा सकती। लेकिन अब हमें विश्वास है कि सरकार और नागरिक समाज के साझा प्रयासों से भारत 2030 से पहले ही बाल विवाह के खात्मे के लक्ष्य को हासिल कर सकता है। ●

अवैध खनन से लाखों की सरकारी राजस्व की क्षति

● धर्मेन्द्र सिंह/फरीद अहमद

किशनगंज जिला के ठाकुरगंज प्रखंड के अंतर्गत सूखनी थाना क्षेत्र के कादोगांव से होकर बहने वाली जमना नदी और नदी के समीप से अवैध खनन का सिलसिला जारी है। तातपौआ पंचायत के कई जगहों से भी अवैध तरीके से बालू की खुदाई की जा रही है। इसके साक्ष्य भी मौके पर मिले हैं। अवैध खनन कर बजरी और बेड मिसाइल नूमा बालू निकाला जा है। सूत्र से प्राप्त जानकारी के अनुसार रात के अंधेरे में मौका देखकर अवैध खनन किया जाता है और जरूरत के हिसाब से अवैध परिवहन भी करवाया जाता है। गौर करें कि पूर्व में उक्त थाना क्षेत्र से अवैध खनन के मामले में कुछ लोगों पर खनन विभाग द्वारा प्राथमिकी भी दर्ज कराई गई थी इसके बाद भी धड़ल्ले से अवैध खनन और परिवहन हो रहा है। दिन प्रतिदिन अवैध खनन का सिलसिला बढ़ता जा रहा है और अवैध खनन कर बजरी बालू को उच्च मूल पर बेचा जाता है। अवैध खनन के कारण सरकारी राजस्व को लाखों रुपए की क्षति हो रही है। और क्षेत्र खंडर में तब्दील होते जा रहा है। खनन विभाग द्वारा जल्द ही आवश्यक कार्रवाई नहीं की गई तो धीरे-धीरे क्षेत्र और भी खंडहर में तब्दील हो जाएगा और अवैध खनन के कारण नदियों पर भी बुरा प्रभाव पड़ रहा है। अवैध खनन के कारण तातपौआ पंचायत धीरे धीरे खंडहर में बदलता जा रहा है और खेती युक्त जमीन भी खत्म होती जा रही है। तातपौआ पंचायत में अवैध खनन को लेकर पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि मो. रसमुद्दीन फैज का कहना है कि प्रशासन ही नहीं चाह रही है कि अवैध खनन रुके शायद प्रशासन को कोई लाभ होगा। प्रशासन चाहे तो अवैध खनन को रोका जा सकता है। क्षेत्र धीरे-धीरे खंडहर में तब्दील होता जा रहा है क्योंकि ईट भट्ठा में मिट्टी के आपूर्ति के लिए भी मानक के विरूद्ध खुदाई नही की जाती है। ईंट भट्ठा मालिकों द्वारा किसानों को लोभ लालच देकर उनकी जमीन को कटवा कर मिट्टी भट्ठा में मंगवाया जाता है जिससे क्षेत्र धीरे-धीरे खंडहर में तब्दील होता जा रहा है।●

आलू प्याज खरीद-बिक्री को लेकर बंगाल सीमा को किया गया सील

● धर्मेन्द्र सिंह

बिहार बंगाल के रामपुर चेकपोस्ट के पास 04 दिसंबर को बंगाल पुलिस ने सीमा को सील कर दिया है। मामला बंगाल राज्य से अन्य राज्यों में प्याज और आलू खरीद बिक्री को लेकर हैं। वहीं रामपुर चेकपोस्ट के समीप इस्लामपुर एसडीपीओ के साथ पुलिस बल सीमा में मौजूद है। गौर करें कि पश्चिम बंगाल के आलू व्यापारियों ने धमकी दी है कि अगर राज्य सरकार दूसरे राज्यों को आलू बेचने पर प्रतिबंध नहीं हटाती है तो वे हड़ताल पर चले जाएंगे। पश्चिम बंगाल सरकार ने हाल ही में स्थानीय बाजारों में कीमतों को नियंत्रित करने के प्रयास में पड़ोसी राज्यों को आलू बेचने पर प्रतिबंध फिर से लगा दिया है। स्थानीय बाजारों में आलू 35-40 रुपये प्रति किलोग्राम पर बिक रहा है। राज्य सरकार के फैसले के बाद, पुलिस ने राज्य से बाहर आलू के परिवहन को रोकने के लिए अंतर-राज्यीय सीमाओं पर निगरानी बढ़ा दी है। इसके कारण कई ट्रक सीमा पार से फंसे हुए हैं। वहीं स्थानीय व्यापारियों ने सरकार के फैसले की आलोचना भी की। कहा, ऐसे अचानक उठाए गए कदमों से हमारा कारोबार बाधित होता है और हम भारी नुकसान उठाते हैं क्योंकि हम प्रतिबद्धताओं को पूरा करने में विफल रहते हैं। व्यापारियों और कोल्ड स्टोरेज एसोसिएशन ने स्थानीय बाजारों में कीमतों को नियंत्रित करने में विफल रहने के लिए राज्य सरकार को दोषी ठहराया और इसके लिए बिचौलियों की मुनाफाखोरी को जिम्मेदार ठहराया। एक व्यापारी ने सवाल किया कि कोलकाता में आलू का थोक मूल्य 27 रुपये प्रति किलोग्राम होने के बावजूद खुदरा बिक्री 35-40 रुपये पर कैसे हो रही है? पड़ोसी राज्य जैसे ओडिशा और झारखंड आलू की आपूर्ति के लिए पश्चिम बंगाल पर बहुत अधिक निर्भर हैं। प्रतिबंध लगाए जाने के बाद इन राज्यों में भी कीमतें बढ़ गई हैं।●

आर्थिक बोझ को कम करने के लिए नंदिनी चलाती है ई-रिक्शा

● धर्मेन्द्र सिंह

किशनगंज जिले की नंदिनी 11वीं क्लास में पढ़ती है। पिता की गरीबी और परिवार का आर्थिक बोझ को कम करने के लिए ई-रिक्शा चलाती है और पढ़ाई भी करती है। आंखों में ऑफिसर बनने का सपना है और अपने पिता की शक्ति बनकर रहने का इरादा। इसी इच्छा के साथ दिन में दो चार घंटे रिक्शा चला लेती है, और पढ़ाई भी नहीं छोड़ती। हौसला ऐसा कि न तो सरकार से गिला है और न ही परिवार से कोई शिकायत, जुनून इस हद तक कि अपनी पढ़ाई का खर्च स्वयं निकालती है और पिता का सहारा भी बनकर साथ खड़ी है। आम लोग जब नंदिनी को देखते हैं तो इसके जज्बे को सैल्यूट करते हैं। वहीं, यह भी कहा जाता है कि करते आप हैं, मगर देखता कोई और भी तो है। इसकी बात हम आगे करेंगे, लेकिन पहले नंदिनी की पूरी कहानी जानते हैं। किशनगंज जिले के नगर परिषद क्षेत्र वार्ड न. 31 के हवाई अड्डा बॉउन्ड्री वॉल किनारे सरकारी जमीन पर टिन के शेड में रहकर अपना परिवार चलाने वाले विनोद साह से यह पूछने पर कि, आपकी बेटी ई-रिक्शा चलती है। वह थोड़ा हिचकते हैं, और फिर कहते हैं कि-हमलोग काफी गरीब हैं। लोन पर ई-रिक्शा लेकर परिवार चला रहे हैं, पर मेरी बच्ची काफी मेधावी है उसे पढ़ने की भी काफी इच्छा है। लेकिन, पैसे की

कमी के कारण दिन में एक दो घंटे रिक्शा चलाना पड़ता है। ऐसा कर वह अपनी पढ़ाई का खर्च निकाल लेती है। पिता लाचारगी भरी बोली में कहते हैं-मैंने माना भी किया पर हमलोगों की मजबूरी है।किशनगंज बाजार में ई-रिक्शा चला रही नंदिनी कहती है-मेरे पिता पर कर्ज का बोझ है, मेरे परिवार में चार बहन और एक भाई है। घर भी नहीं है। सरकारी जमीन पर रहती हूं। घर के खर्च को बांटने और अपनी पढ़ाई को पूरी करने के लिए ई-रिक्शा चलाती हूं। पढ़कर ऑफिसर बनने का मन है। वहीं, मोहल्ले के अन्य लोगों से बात करने पर स्थानीय एक बच्ची ने भी बताया इन लोगों की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं है, पर नंदिनी पढ़ने में अच्छी है। मेहनत कर यहीं के गर्ल्स हाई स्कूल में पढ़ाई करती है। सरकार काफी योजना चलती है, यदि इस पर ध्यान देकर कुछ मदद कर दे तो इनके साथ परिवार का भला होगा। वहीं नगर परिषद चैयरमैन इंद्रदेव पासवान से पूछे जाने पर उन्होंने बताया कि यह हमारे ही वार्ड न. 31 की रहनेवाली है। जानकारी के अभाव में अब तक मदद नहीं हो सकी, यह हमारा दुर्भाग्य है। सरकार बच्चियों के लिए कई तरह की योजनाएं चला रही है पर अब तक कोई मदद नहीं मिल सकी। मैं सरकारी स्तर पर कानूनी प्रावधान के तहत आवास आदि की सुविधा और निजी स्तर से भी सहायता करूंगा। नंदिनी अपने हौसले से आगे बढ़ रही है और अपने जज्बे को भी बरकरार रखे हुए है, लेकिन सरकार की ओर से सहायता मिल जाए तो शायद इस बच्ची समेत पूरे परिवार का भला हो जाए। केन्द्र से लेकर राज्य सरकार कई लाभकारी योजनाएं चलाती हैं जिसका लाभ कुछ लोगों को मिलता भी है। मगर अधिकारियों को उचित जांच कर सही जरूरतमंद की पड़ताल कर उन योजनाओं का लाभ दिलाने की जरूरत है, ताकि नंदिनी जैसी बच्चियां जो संघर्ष करती हैं, उनके सपने पूरे हो सकें।●

बाल विवाह की रोकथाम के लिए चलाया गया जागरूकता अभियान

● धर्मेन्द्र सिंह

शहर के हलीम चौक स्थित शिक्षण संस्था जामिया आयेशा अल इस्लामिया में राहत संस्था के तत्वावधान में बाल विवाह की रोकथाम को लेकर मुस्लिम छात्राओं के बीच एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। संस्था की सचिव डा. फरजाना बेगम महिला थानाध्यक्ष सुनीता कुमारी और बाल संरक्षण पदाधिकारी रवि शंकर तिवारी के द्वारा छात्राओं को बाल विवाह और उसके अधिकार के प्रति जागरूक किया गया। बाल संरक्षण पदाधिकारी रवि शंकर तिवारी ने कहा कि एक लड़की अगर पढ़ती है तो उसकी सात पीढ़ी तक बच्चे पढ़ते हैं। बच्चों को पढ़ने लिखने व खेलने की आजादी मिलनी चाहिए। महिला थानाध्यक्ष सुनीता कुमारी ने कहा कि बाल विवाह करना कानूनन जुर्म है। शादी की उम्र लड़की के लिए 18 वर्ष व लड़का

के लिए 21 वर्ष निर्धारित किया गया है। जो व्यक्ति अपनी लड़की कि शादी 18 वर्ष से कम उम्र में करता है उसे दो साल का जेल या एक लाख रुपए जुर्माना देना पड़ सकता है। सचिव डा. फरजाना बेगम ने कहा कि आप सभी अपने माता-पिता को समझाएं कि कम उम्र में शादी ना करें और बच्चों को पढ़ने लिखने का अवसर प्रदान करें। ताकि बच्चे पढ़ लिखकर आगे बढ़ें। कार्यक्रम में प्रिंसिपल मुजम्मिल हक, अवर निरीक्षक अनुष्का रानी, सफिया शबनम आदि मौजुद थी।●

जिले में रक्त आपूर्ति के लिए युवाओं को प्रेरित करने की आवश्यकता : जिलाधिकारी

● धर्मेन्द्र सिंह

किशनगंज जिलाधिकारी सह अध्यक्ष, इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी विशाल राज के निर्देशन में एसएसबी 12वीं बटालियन फरिंगोला में मेगा स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का सफल आयोजन किया गया। शिविर में एसएसबी 12वीं बटालियन के जवानों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और 22 यूनिट रक्त संग्रहित किया गया। इस अवसर पर डीएम विशाल राज ने कहा कि रक्तदान से जरूरतमंद मरीजों की तत्काल आवश्यकता को पूरा किया जा सकता है। हम सभी का यह कर्तव्य है कि जिले में रक्त की आपूर्ति कभी कम न होने दें। इसके लिए युवाओं को प्रेरित करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि रक्तदान महादान है। समाज को जागरूक और प्रेरित करने के लिए निरंतर प्रयास करने होंगे। उन्होंने रेडक्रॉस सोसाइटी के सभी सदस्यों से आग्रह किया कि वे हर वर्ग में जागरूकता फैलाएं ताकि रक्तदान के महत्व को समझा जा सके। रेडक्रॉस सोसाइटी के सचिव मिक्की साहा ने जानकारी दी कि जिले के सभी महाविद्यालय, विद्यालय और समाज के विभिन्न

वर्गों में नियमित जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने कहा, रक्तदान के प्रति लोगों को प्रेरित करने के लिए कॉलेजों और स्कूलों में विशेष सत्र आयोजित किए जाएंगे। हमारा उद्देश्य है कि जिले में रक्त की आवश्यकता कभी अधूरी न रह जाए। सचिव ने यह भी कहा कि हमारा प्रयास रहेगा कि रक्तदान के प्रति न केवल जागरूकता बढ़े, बल्कि लोग इस पुनीत कार्य में सक्रिय रूप से भाग लें। कार्यक्रम में एसएसबी 12वीं बटालियन के कमांडेंट बरजीत सिंह, कमांडेंट (चिकित्सा) अनिल कुमार काबरा, द्वितीय कमान अधिकारी काइको अथिको, सहायक कमांडेंट (संचार) विनय कुमार मिश्रा, सहायक कमांडेंट मनोज कुमार, रेडक्रॉस के सचिव मिक्की साहा, सीडीओ डा. मंजर आलम सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे। सचिव मिक्की साहा ने बताया कि यह शिविर किशनगंज में स्वैच्छिक रक्तदान को प्रोत्साहित करने और जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ। रेडक्रॉस सोसाइटी ने सभी रक्तदाताओं का आभार व्यक्त करते हुए समाज के अन्य लोगों से इस महान कार्य में जुड़ने की अपील की। ●

एआईएमआईएम प्रदेश अध्यक्ष ने लगाया शोषण का आरोप

● धर्मेन्द्र सिंह

एआईएमआईएम के प्रदेश अध्यक्ष अख्तरुल ईमान ने बिहार सरकार और खनन विभाग के अधिकारियों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार की सरकार में अधिकारियों की तानाशाही चरम पर है, खासकर सीमांचल क्षेत्र में। उन्होंने खनन विभाग के नियमों को नजरअंदाज कर गरीबों और किसानों के शोषण का भी आरोप लगाया।अख्तरुल ईमान ने दावा किया कि किशनगंज, अररिया, पूर्णिया और कटिहार जिलों में खनन विभाग के अधिकारियों और निरीक्षकों ने गरीब किसानों और मजदूरों को निशाना बनाया है। इन जिलों में बाढ़ और कटाव से हर साल लोग प्रभावित होते हैं, उनके घर और जमीन कटती हैं। उन्होंने कहा कि अगर कोई किसान निजी काम के लिए अपनी जमीन से मिट्टी काटता है, तो खनन विभाग उसे अवैध करार देकर लाखों रुपये का जुर्माना ठोक देता है। 2019 के खनन नियमावली के तहत निजी उपयोग के लिए मिट्टी काटने पर कोई प्रतिबंध नहीं है, फिर भी अधिकारियों द्वारा नियमों की अनदेखी की जा रही है। अख्तरुल ईमान ने खनन और भूतत्व

विभाग के प्रधान सचिव नर्मदेश्वर लाल से मुलाकात की और सीमांचल क्षेत्र में हो रही इन ज्यादतियों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने प्रधान सचिव को एक चिट्ठी सौंपते हुए मांग की कि तानाशाही रवैये वाले अधिकारियों पर कार्रवाई की जाए। खनन नियमावली के प्रावधानों को सही ढंग से लागू किया जाए। गरीब किसानों और मजदूरों को शोषण से बचाया जाए। इसके बाद प्रधान सचिव ने मामले की जांच और उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया। अख्तरुल ईमान ने सीमांचल के हालात की तुलना अंग्रेजों के जमाने से करते हुए कहा कि यह इलाका हमेशा से उपेक्षित रहा है। सीमांचल के किसान और मजदूर पहले अंग्रेजों के काल में काला पानी के शोषण का शिकार थे। अब नीतीश कुमार के शासन में भी स्थिति जस की तस बनी हुई है। उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र बिहार का सबसे पिछड़ा और गरीब इलाका है, लेकिन यहां के लोगों को अब भी सरकारी तंत्र द्वारा शोषित किया जा रहा है। ईमान ने स्पष्ट किया कि अगर खनन विभाग के अधिकारियों की तानाशाही बंद नहीं हुई, तो उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि जो अधिकारी खनन नियमावली के खिलाफ जाकर किसानों पर जुर्माना लगा रहे हैं, उनके खिलाफ या तो सरकार कार्रवाई करे, या आम नागरिक उन्हें न्यायालय में घसीटेंगे। ●

एक दिवसीय सह व्यवसायिक मार्गदर्शन मेला का हुआ आयोजन

● धर्मेंद्र सिंह

शहर के खगड़ा स्तिथ शहिद अशफाक उल्ला खां स्टेडियम में 04 दिसंबर को श्रम संसाधन विभाग द्वारा एक दिवसीय जिला स्तरीय नियोजन सह व्यावसायिक मार्गदर्शन मेला 2024 का आयोजन किया गया। जहां मुख्य अतिथि के रूप में जिलाधिकारी विशाल राज, प्रशिक्षु आईएएस प्रद्युमन सिंह यादव, जिला नियोजन पदाधिकारी, मो० आकिफ वक्कास, श्रम अधीक्षक राम बिलास राम के द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्जवलित कर किया गया। नियोजन मेले में कुल 22 कंपनियों के स्टॉल तथा विभागीय स्टॉल लगाये गये। जिसमें विभिन्न पदों हेतु कुल 1437 बायोडाटा प्राप्त किया गया। उनमें से 408 आवेदकों का अंतिम रूप से चयन हेतु शार्ट लिस्ट किया गया। विभागीय स्टॉल द्वारा आवेदकों को विभिन्न सरकारी योजनाओं के बारे में मार्गदर्शन दिया गया। वहीं मंच पर मौजूद डीएम को पौधा देकर व शाल ओढ़ाकर स्वागत किया गया। वहीं जिलाधिकारी के द्वारा अलग-अलग संस्थाओं से जुड़े छात्र व छात्राओं को सर्टिफिकेट दिया गया। इस कार्यक्रम में कई संस्थाओं ने भाग लिया। वहीं सैकड़ो के तादाद में लाभार्थी पहुंचकर संस्थानों में भाग लिया। वहीं जिलाधिकारी विशाल राज ने सभा को संबोधित करते हुए सभी संस्थाओं से जुड़े छात्र-छात्राओं एवं उनके शिक्षकों को बधाई दी। इसके बाद डीएम ने नियोजन सह व्यावसायिक मार्गदर्शन मेला में लगाए गए विभिन्न विभागों के स्टॉल का निरीक्षण किया। मौके पर डीडीसी स्पर्श गुप्ता, प्रशिक्षु आईएएस प्रद्युमन सिंह यादव, जिला नियोजन पदाधिकारी, मो० आकिफ वक्कास, श्रम अधीक्षक राम बिलास राम मौजूद रहे। ●

मुखिया पर शिक्षक को पीटने का लगा आरोप

● धर्मेंद्र सिंह

किशनगंज जिले के दिघलबैंक प्रखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत आठगछिया निवासी निजी शिक्षक लक्ष्मण ठाकुर ने ठाकुरगंज प्रखंड के बंदरझूला पंचायत के मुखिया इकरामुल हक पर मार पीट करने एवं जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाते हुए जियापोखर थाना में आवेदन देकर प्राथमिक की दर्ज कराई है। लिखित आवेदन में लक्ष्मण ठाकुर ने बताया है कि 1 दिसंबर को गिलाबाड़ी में एक नाबालिक बच्ची का विवाह किया जा रहा था जिसकी सूचना प्रशासन को मिली और प्रशासन मौके पर पहुंचकर विवाह को कानूनी कार्रवाई के साथ रोका। परंतु पंचायत के मुखिया मो. इकरामुल हक एवं कुछ लोगों ने मेरे ऊपर संदेह किया और बिना किसी सबूत के आधार पर मुझ पर इल्जाम लगा दिया कि इस बाल विवाह की सूचना मैंने दी है। 1 दिसंबर को सुबह लगभग 8 बजे मेरे पास गाली गलौज एवं जान से

मारने की धमकी भरा फोन आया और पूछने लगा कि तुम कहां हो तो मैंने कहा कि मैं कोचिंग सेंटर भट्टा चौक में छात्रों को पढ़ रहा हूं। यह कॉल मो. इकरामुल हक मुखिया का था। इसी बीच मो. इकरामुल हक मुखिया मेरे कोचिंग सेंटर में आकर सभी छात्रों के बीच मेरा कॉलर पकड़ कर बुरी तरह से मारा और सड़क से घसीट कर अपने मकान के पास बंदी बनाकर रखा। सभी लोगों के सामने गोली से मारने की धमकी दिया। इसी बीच पुलिस प्रशासन घटनास्थल में पहुंचकर मेरी जान बचाई। लक्ष्मण ठाकुर ने जियापोखर थाना में लिखित आवेदन देकर प्राथमिकी दर्ज कराते हुए न्याय की गुहार लगाई है। मामले को लेकर थानाध्यक्ष विकास कुमार ने बताया कि आवेदन प्राप्त हुआ है प्राथमिकी दर्ज कर पुलिस जांच में जुट गई है। जियापोखर थाना कांड संख्या 23/24 दर्ज किया गया है, अग्रिम कार्रवाई जारी है। ●

पटना से आरा...ना बाबा ना!

● गुड्डू कुमार सिंह

भोजपुर जिले के कोईलवर में जाम की समस्या को लेकर सोन नदी पर पूर्व केंद्रीय मंत्री और आरा के तत्कालीन सांसद आरके सिंह के प्रयास से सिक्स लेन का नया पुल बनाया गया। मगर, आज भी कोईलवर में जाम की समस्या पहले जैसी ही बनी हुई है। बालू लदे ट्रकों ने लोगों का जीना मुहाल कर दिया है। ऐसा लगता है कि पूरे देश का ट्रक सिर्फ और सिर्फ कोईलवर से बालू ढोने के काम में लगे हुए हैं। ट्रकों की लंबी कतारें नेशनल हाईवे पर लगी रहती है। जाम की वजह से बनी ये समस्या अब आम लोगों के लिए पहाड़ बन गई है। जिस नेशनल हाईवे का निर्माण आरा से पटना सहूलियत से पहुंचने के लिए कराया गया था, आज उसकी दुर्दशा बनी हुई है। जिस सिक्स लेन पुल का निर्माण शहरवासियों के लिए वरदान साबित करना था, आज उस पुल पर कई दिनों तक बालू लदे ट्रक को खड़ा रहते है। जिसकी वजह से एक तरफ का पुल साफ तौर पर आम लोगों के वाहनों के लिए बंद हो चुका है। सड़क जाम की हालात से ये समझने में देर नहीं लगी कि आखिर किस तरह से गाड़ियां पिछले तीन दिनों से सड़क पर लगी हुई हैं। लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इससे आम हो या खास सभी लोग परेशान हैं। जिले के कोईलवर के नए सिक्स लेन पुल पर तीन-तीन लेन में गाड़ियां खड़ी हैं। वहीं, जाम की वजह से परिचालन में भी लोगों को बहुत कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। कोईलवर के मनभावन मोड़ से लेकर पटना जिले के बिहटा तक वाहन रेंगते हुए जा रहे हैं। जब पटना जिले से कोई गाड़ी भोजपुर पहुंच रही है तो उसे उसी साइड से आना पड़ रहा है, जिस साइड से गाड़ी जा रही है। जिसके कारण हर दिन स्कूली बच्चे और नौकरीपेशा वालों को परेशानी हो रही है। बच्चे समय पर स्कूल नहीं पहुंच पा रहे हैं। कोईलवर सिक्सलेन पुल पर जाम के कारण पुल पर खतरा मंडराने लगा है। जाम में फंसे ट्रक के ड्राइवरों ने बताया कि जब से बालू खुला है, तब से जाम की समस्या उत्पन्न हो गई है। महीनों जाम का सामना करना पड़ जाता है। कोईलवर में ही पिछले तीन दिनों से जाम में फंसे हैं। खाने-पीने

में भी कई प्रकार की समस्या हो रही है। जाम की वजह से बालू का चालान भी खत्म हो जा रहा है। जिसकी वजह से खनन विभाग भी हम लोग को परेशान करता है। वहीं, कमाई नहीं होने की वजह से ईएमआई भी पूरी नहीं हो पा रही है। वहीं, जाम को हटाने में लगे कोईलवर थाने की पुलिस जोर-शोर से प्रयास कर रही है। जिला खनन पदाधिकारी राजेश कुशवाहा ने बताया कि बिहटा की तरफ से ट्रक आने की वजह से हमलोग पर दबाव पड़ जा रहा है। हम लोग लगातार जाम को हटाने में लगे हुए हैं। इसी में कोई ट्रक खराब हो जाता है तो उसकी वजह से भी जाम लग जाता है। हालांकि, जाम हटाने के लिए हम लोग हमेशा तत्पर रहते हैं, जाम लगते ही उसे हटाने की कोशिश हमारी रहती है। इस रोड से आरा, छपरा, बक्सर, मुजफ्फरपुर, सीतामढ़ी समेत बिहार के अन्य जिलों के लिए गाड़ियों का परिचालन होता है। लेकिन जाम की वजह से थोड़ी दूरी की सफर करने में घंटों क्या दिनों का भी सामना करना पड़ रहा है। वही आरा के वीर कुंवर सिंह यूनिवर्सिटी के दीक्षांत समारोह में राज्यपाल राजेंद्र आर्लेकर पहुंचने वाले हैं। जिसकी वजह से अब तेजी से ट्रकों को बढ़ाने का काम किया जा रहा है। आपको बता दे की पटना से लेकर आरा-छपरा तक शनिवार से जाम लगा है। वाहनों की लंबी कतार खड़ी हैं, जिसमें तीन रूट पर यातायात प्रभावित हो गया है। इसमें पहला रूट पटना से आरा का है, जिसमें 10 किमी जाम लगा था। दूसरा छपरा रूट है इसमें भी 32 किमी तक वाहन खड़े थे, आवाजाही बंद थी। तीसरा रूट सकंडी से सहार है, जिसमें 25 किमी तक जाम था। सोमवार की रात प्रशासन को पता चला कि राज्यपाल राजेंद्र आर्लेकर का भोजपुर में कार्यक्रम है। सड़क मार्ग से गवर्नर वीर कुंवर सिंह यूनिवर्सिटी के दीक्षांत समारोह में पहुंचने वाले हैं। सूचना मिलते ही जिला प्रशासन ने मंगलवार की सुबह से अब तक जाम को हटा दिया। छपरा रूट से जाम हट चुका है। पटना-आरा रूट में जहां 10 किमी का जाम था, वह अब 5 किमी ही रह गया है। कुछ ही घंटों में इसके भी खत्म होने का अनुमान लगाया जा रहा है। सकंडी से सहार रूट से राज्यपाल के कार्यक्रम का कोई लेना देना नहीं है। जिस कारण इस रूट पर हजारों की संख्या में वाहन अब भी फंसी हुई हैं।●

शराब कारोबारियों को छोड़नेवाले पुलिसकर्मियों को एसपी ने किया निलंबित

● गुड्डू कुमार सिंह

भोजपुर के धोबहां थाना क्षेत्र से शराब बरामदगी के मामले में आखिरकार थानाध्यक्ष संजीव कुमार राम पर निलंबन की गाज गिर गई। पुलिस अधीक्षक राज ने अवैध शराब संबंधित मामले में लापरवाही के आरोप में थानाध्यक्ष समेत तीन पुलिसकर्मी को निलंबित कर दिया है। इस कार्रवाई के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है। निलंबन पुलिस कर्मियों में धोबहां थानाध्यक्ष संजीव कुमार राम, प्रशिक्षु दारोगा चंद्र प्रकाश पंडित एवं गृह रक्षक घनश्याम कुमार शामिल है। वहीं, गृह रक्षक पर अनुबंध रद्द करने की कार्रवाई की जा रही है। इसकी जानकारी भोजपुर पुलिस अधीक्षक राज ने दी है। बताया जाता है कि धोबहां क्षेत्र अंतर्गत शराब बरामद किया गया था। साथ ही एक धंधेबाज को भी पकड़ा गया, लेकिन पुलिसकर्मियों ने उसे छोड़ दिया था। उसी के आलोक में पुलिस अधीक्षक राज के पास लिखित शिकायत दर्ज कराई गई थी। इसके बाद एसपी ने एक टीम का गठन किया। गठित टीम ने जांच के बाद

अपना मंतव्य पुलिस अधीक्षक राज को सौंपा। जांच में अवैध शराब प्रकरण मामले में सही पाया गया। इसके बाद एसपी राज ने शराब संबंधित मामले में लापरवाही के आरोप में थानाध्यक्ष धोबहां प्रशिक्षु पुलिस अवर निरीक्षक को निलंबित एवं एक गृह रक्षक का अनुबंध रद्द की कार्रवाई की गई है।●

पप्पू यादव को धमकाने वाला आरा से गिरफ्तार

● गुड्डू कुमार सिंह

पूर्णिया सांसद पप्पू यादव को 24 घंटे में जान से मारने की धमकी देने वाले युवक को पुलिस ने आरा से गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी शाहपुर थाना क्षेत्र के डुमरिया गांव का रहने वाला रामबाबू यादव है। पूर्णिया पुलिस आरोपी रामबाबू को अपने साथ ले गई है। आरोपी ने धमकी देते वक्त खुद को लॉरेंस बिश्नोई की बिहार टीम का मेंबर बताया था। पप्पू यादव से लॉरेंस से माफी मांगने की बात कही थी। जिसका वीडियो भी वायरल हुआ था। हालांकि उसने पप्पू यादव को धमकी क्यों दी इसका खुलासा अभी तक नहीं हुआ है। आपको बता दें बीते 2 महीनों से लगातार पप्पू यादव को धमकियां मिल रही हैं। बीते शुक्रवार को सांसद पप्पू यादव को वाट्सएप मैसेज के जरिए 24 घंटे के भीतर उनकी हत्या किए जाने की धमकी दी गई है। सांसद के प्रवक्ता राजेश यादव ने बताया कि धमकी पाकिस्तान के नंबर से रात में दी गई। जिसमें लिखा खा कि आखिरी 24 घंटे में तेरी हत्या कर देंगे। हमारे साथी की तैयारी मुकम्मल है। हमारे साथी तेरे बहुत पास पहुंच गए हैं। तुम्हारे गार्ड भी नहीं बचा सकेंगे। तुझे हैप्पी बर्थ डे लॉरेंस भाई और उनकी टीम की तरफ से। पूर्णिया सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव इन्जॉय योर लास्ट डे। पूर्णिया सांसद पप्पू यादव को 24 घंटे में जान से मारने की धमकी देने वाले युवक को पुलिस ने आरा से गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी शाहपुर थाना क्षेत्र के डुमरिया गांव का

रहने वाला रामबाबू यादव है। पूर्णिया पुलिस आरोपी रामबाबू को अपने साथ ले गई है। आरोपी ने धमकी देते वक्त खुद को लॉरेंस बिश्नोई की बिहार टीम का मेंबर बताया था। पप्पू यादव से लॉरेंस से माफी मांगने की बात कही थी। जिसका वीडियो भी वायरल हुआ था। हालांकि उसने पप्पू यादव को धमकी क्यों दी इसका खुलासा अभी तक नहीं हुआ है। आपको बता दें बीते 2 महीनों से लगातार पप्पू यादव को धमकियां मिल रही हैं।

बीते शुक्रवार को सांसद पप्पू यादव को वाट्सएप मैसेज के जरिए 24 घंटे के भीतर उनकी हत्या किए जाने की धमकी दी गई है। सांसद के प्रवक्ता राजेश यादव ने बताया कि धमकी पाकिस्तान के नंबर से रात में दी गई। जिसमें लिखा खा कि आखिरी 24 घंटे में तेरी हत्या कर देंगे। हमारे साथी की तैयारी मुकम्मल है। हमारे साथी तेरे बहुत पास पहुंच गए हैं। तुम्हारे गार्ड भी नहीं बचा सकेंगे। तुझे हैप्पी बर्थ डे लॉरेंस भाई और उनकी टीम की तरफ से। पूर्णिया सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव इन्जॉय योर लास्ट डे। गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के नेटवर्क को ध्वस्त करने वाले बयान के बाद से पप्पू यादव को वाट्सएप कॉल, मैसेज एवं वॉयस मैसेज के जरिये अब तक दर्जनों धमकियां मिल चुकी हैं। इससे पहले एक मामले में आरोपित को पुलिस ने दिल्ली से गिरफ्तार भी किया है। उसके पास से धमकी देने में प्रयुक्त दुबई का सिम कार्ड एवं मोबाइल सेट बरामद किया गया था। दो अन्य विदेशी नम्बरों का भी पुलिस ने पता लगा लिया है। पुलिस का दावा है इन दोनों विदेशी नम्बरों का प्रयोग भारत से ही किया गया है। पप्पू यादव भी अपनी जान का खतरा जता चुके हैं। और केंद्र सरकार से सुरक्षा की मांग कर चुके हैं।●

किसानों को एक हजार बोनस दिलवाने की लड़ाई लड़ेंगे अविनाश

● गुड्डू कुमार सिंह

पैक्स चुनाव के लिए नामांकन का दौर जारी है जिले के सहार तरारी और उदवंतनगर प्रखंड में नामांकन की प्रक्रिया चल रही है। जहाँ की सहार प्रखंड के पेरहाप पैक्स से अविनाश कुमार राय ने नामांकन किया। गाजे बाजे और हजारों लोगों के साथ प्रखंड मुख्यालय में पहुंचे अविनाश कुमार राय ने निर्वाची पदाधिकारी के समक्ष अध्यक्ष पद के लिए नामजदगी का पर्चा दाखिल किया। दूसरी बार चुनाव मैदान में उतरे अविनाश ने बातचीत के क्रम में बताया कि हमारा पैक्स पूरे जिले का पहला पैक्स है, जहाँ की किसानों को समय पर उर्वरक मिलता है। वही समय से धरतीपुत्र अन्नदाता को उनके उपजाए फसल का उचित समर्थन मूल्य मिलता है। जिसके कारण सभी किसान खुश है। और लगातार उनको दूसरी बार आशीर्वाद देकर मैदान में भेजे है। पेरहाप पैक्स में कही कोई

लड़ाई नही है। वही आगे अविनाश कुमार राय ने बताया कि इसबार अगर वे दुबारा अध्यक्ष बनते है। और किसानों का आशीर्वाद मिलता है, तो वे किसानों को उचित समर्थन मूल्य के अलावे किसान भाइयों के लिए 1000 हजार रुपये बोनस दिलवाने की लड़ाई लडेंगे। इस बोनस की लड़ाई वे काफी दिन से लड़ रहे है। ईस संदर्भ में उन्होंने आवेदन बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को भी दे चुके है। और दुबारा चुनाव जीतने के बाद किसानों के हितों की लड़ाई आगे भी लड़ते रहेंगे। क्योंकि किसान हमारे धरतीपुत्र है और उनके उपजाए अन्न से हमारा भोजन चलता है। वही किसानों को हर समय पैक्स के माध्यम से मिलने वाली सभी सुविधाओं को समय पर दिलाना उनकी पहली प्राथमिकता होगी।●

काट दी छोटी आंत और बच्चेदानी, महिला की मौत

एबॉर्शन के नाम पर डॉक्टर ने किया काण्ड

● गुड्डू कुमार सिंह

आरा शहर में अबॉर्शन के दौरान डॉक्टर ने छोटी आंत और बच्चेदानी काट दी थी। उस महिला की इलाज के 14वें दिन मौत हो गई। वो सदर अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में भर्ती थी, सोमवार को उसने दम तोड़ दिया। मृतका मुफस्सिल थाना क्षेत्र के धुंधुआं गांव निवासी इंद्रजीत कुमार की 25 वर्षीय पत्नी ज्योति कुमारी है। महिला की मौत के बाद लोग आक्रोशित हो गए। डॉक्टर की गिरफ्तारी और मुआवजे की मांग को लेकर महावीर टोला स्थित निजी अस्पताल के पास शव को रखकर सड़क जाम कर दिया। करीब डेढ़ घंटे तक जाम रहा। सूचना पाकर नवादा थाना में कार्यरत दरोगा मो. शरफुद्दीन और महिला दारोगा खुशबू कुमारी पुलिस बल के साथ वहां पहुंचे। परिजन और स्थानीय लोगों को समझाकर जाम को हटवाया। पुलिस ने शव का पोस्टमॉर्टम सदर अस्पताल में करवाया। मामला नवादा थाना क्षेत्र के महावीर टोला स्थित निजी अस्पताल का है। मृतका के पति इंद्रजीत कुमार ने बताया कि पत्नी ज्योति कुमारी गर्भवती थी। 26 अक्टूबर की सुबह जब वह शौच करने के लिए जा रही थी। तभी घर में ही गिर गई। उसके पेट में तेज दर्द होने लगा था। गांव के ही महेश नामक ग्रामीण चिकित्सक से उसे दिखाया। उसने कहा कि मैं तुम्हें महावीर टोला स्थित

निजी अस्पताल में ले चलता हूं। वहां सब ठीक हो जाएगा। 28 अक्टूबर को महावीर टोला स्थित निजी अस्पताल ले आया। जहां चिकित्सक ने कहा कि पेट में बच्चा खराब हो गया है। आपकी पत्नी का अबॉर्शन करना होगा। अबॉर्शन के दौरान उसकी छोटी आंत और बच्चेदानी को काट दी। जिसके कारण महिला की हालत काफी नाजुक हो गई। डॉक्टर ने उसे ध नुपरा स्थित निजी अस्पताल में भर्ती कर कहा गया कि इसका पूरा खर्चा मैं दूंगा। इसके बाद डॉक्टर वहां से भाग निकला। परिजन उसे इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल ले आए। जहां से प्राथमिक उपचार करने के बाद उसकी हालत को चिंताजनक देखते हुए पटना रेफर कर दिया गया था। लेकिन आर्थिक स्थिति ठीक ना होने के कारण परिजन उसका इलाज सदर अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में ही करा रहे थे। जहां 14 दिन इलाज के बाद सोमवार दोपहर उसने दम तोड़ दिया। मृतका के पति इंद्रजीत कुमार ने ग्रामीण चिकित्सक महेश व महावीर टोला स्थित निजी अस्पताल के चिकित्सक सुशील पासवान को गिरफ्तार करने और मुआवजा की मांग की है। इसके अलावा उसने पुलिस पर भी कार्य में लापरवाही बरतने का आरोप लगाया है। बताया जाता है कि मृतका को सिर्फ एक वर्ष की एक पुत्री सौम्या है।●

बालू कारोबारी मर्डर केस के आरोपी की हत्या

● गुड्डू कुमार सिंह

भोजपुर के संदेश थाना क्षेत्र के तीर्थकॉल गांव में सोमवार को बालू कारोबारी देवराज राय हत्या में शामिल अभियुक्त की गोली मारकर हत्या कर दी। बदमाशों ने युवक को काफी करीब से सिर में गोली मारी है। हत्या के बाद शव छिपाने की नियत से बदमाशों ने उसे झाड़ी में फेंक दिया। इसके बाद बकरी चरवाहा ने शव को देखने के बाद इसकी जानकारी परिजनों को दी। घटना की सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे। युवक की हत्या के बाद परिवार वालों में अफरा-तफरी का माहौल रहा। मृतक शख्स बालू कारोबारी देवराज राय हत्या मामले का आरोपी था, जब वह फरार था तब पुलिस ने घर की कुर्की भी थी। मृतक संदेश थाना क्षेत्र के रेपुरा गांव निवासी बलिराम सिंह का 25 वर्षीय बेटा श्री राम सिंह है। वह बालू घाट पर ट्रक लोड करने का काम करता था। इधर, घटना की जानकारी देते हुए मृतक शख्स के पिता बलिराम सिंह ने बताया कि रविवार की रात खाना खाने के बाद वो तीर्थकॉल गांव स्थित बालू घाट C-15 पर काम करने गया था। काफी लेट होने के बाद उससे फोन पर बात भी हुई थी। उसने कहा था कि हम जल्दी घर जा आयेंगे। इसी बीच उसकी गोली मारकर हत्या कर दी गई। बकरी चराने गए लोगों ने उसे देखा और सूचना दी। सूचना पाकर मौके पर भीड़ लग गई, उसके बाद परिजनों और पुलिस को जानकारी दी गई। बदमाशों ने उसे काफी करीब से गोली मारी है। पिता ने बताया कि गांव में एक बुलेट बाइक की चोरी हुई थी। उसी में श्रीराम पर बाइक चोरी का झूठा आरोप लगाया जा रहा था। हत्या किसने और क्यों की है ये, पुलिस बताएगी। परिवार टूटकर बिखर गया है। ASP परिचय कुमार ने बताया कि पिछले साल 6 नवंबर को पटना के रानी तालाब थाना क्षेत्र के थाना गेट पर हथियारबंद अपराधियों ने बालू कारोबारी देवराज राय को गोलियों से छलनी कर हत्या कर दी थी। इसके बाद पुलिस ने रानी तालाब थाना में प्राथमिकी कराई गई थी, जिसमें मृतक श्री राम सिंह नामजद आरोपी था। हत्या के बाद से मृतक शख्स फरार चल रहा था। पुलिस ने आगे की कार्रवाई करते हुए घर की कुर्की की थी, लेकिन उसके बाद भी मृतक शख्स पुलिस के हत्थे नहीं चढ़ा। ASP परिचय कुमार ने बताया कि परिवार की तरफ से कोई भी लिखित आवेदन नहीं दी गई है। कुछ नाम सामने आ रहे हैं, उसकी जांच की जा रही है।●

कागजों पर चल रहा थाना, पुलिसकर्मियों को ढूंढ़ रही जनता

● गुड्डू कुमार सिंह

इलाके में थाना की संख्या तथा पुलिस बलों की संख्या बढ़ने से उस क्षेत्र के आम लोगों में साकारात्मक ऊर्जा बढ़ जाती है। विधि-व्यवस्था, सुरक्षा व आपातकालीन सेवा को लेकर लोग आशान्वित रहते हैं। इन्हीं उद्देश्यों के लिए भोजपुर जिला के कोईलवर- छपरा फोरलेन के अति संवेदनशील इलाके में बबुरा थाना की स्वीकृति बिहार सरकार के गृह विभाग ने दिया था। इसकी औपचारिक घोषणा के महिनों बीत जाने के बाद भी बबुरा थाना न तो अपना आकार ले सका है, और ना ही कोई कार्य प्रारंभ हो सका है। बताया जा रहा है कि इस नवसृजित थाना के लिए दो एसआई, दो एएसआई, दो हवलदार, 10 सिपाही व एक चालक सिपाही की पदस्थापना भी की गई है। बावजूद यह थाना आश्रय (भवन) के बिना खुद ही बेसहारा है। फोरलेन पर जाम की समस्याएं, सड़क दुर्घटनाओं में बेतहाशा वृद्धि, जाम में फंसकर बेहाल होते स्कूली बसों के विद्यार्थी, घंटों जाम से जद्दोजहद करते एम्बुलेंस के बेहाल मरीजों का हाल समझने व सहायता करने वाला कोई नहीं। बबुरा में थाना की स्थापना से लोगों में जगी आशा की किरण धुंधली पड़ रही है। बिहार सरकार के गृह विभाग (आरक्षी शाखा) के आदेश संख्या - 2349/ 23 फरवरी 2024 के आलोक में बबुरा ओपी को उत्क्रमित कर पूर्ण थाना बनाने की स्वीकृति दी गई है। हालांकि इस आदेश के पूर्व बबुरा ओपी भी कागजों में ही था। ओपी का कार्यकलाप चेकपोस्ट के जरीये चल रहा था। बबुरा थाना के अंतर्गत बड़हरा प्रखंड के तीन पंचायत पूर्वी बबुरा, पश्चिमी बबुरा व विशुनपुर के सभी गांवों तथा कोईलवर प्रखंड के दो पंचायतों राजापुर व मथुरापुर के सभी गांवों को शामिल करने का प्रस्ताव सरकार को भेजा गया है। इस थाना को अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी-टू तथा पुलिस निरीक्षक कोईलवर अंचल के नियंत्रण आधीन रखा जाना है। गृह विभाग के आदेश के अनुसार जब तक थाना का क्षेत्र निर्धारण तय नहीं हो जाता तब तक कांडों का अनुसंधान, विधि -व्यवस्था, स्टेशन डायरी व अन्य कार्य बबुरा थाना द्वारा होगा तथा प्रथम इत्तिला रिपोर्ट, चार्जशीट व सीसीटीएनएस का कार्य पूर्व की भांति बड़हरा थाना तथा कोईलवर थाना द्वारा होना है। साथ ही यह भी आदेश है, कि वर्तमान में थाना किराये के मकान में चलेगा। बबुरा थाना में पदस्थापित सबसे पहले थानाध्यक्ष का सौभाग्य पाये राजकुमार यादव ने बताया कि थाना भवन के बिना कार्य रूप में नहीं आ सका है। थाना का उद्घाटन अक्टूबर महीना में ही होना था। परन्तु अभी तक किराया पर थाना चलाने लायक भवन ही निर्धारित नहीं हो पाया है। जिससे परेशानी हो रही है।●

गन प्वाइंट पर सामूहिक कुकर्म, प्राइवेट पार्ट में डाला डंडा

● गुड्डू कुमार सिंह

17 साल के नाबालिग से गांव के 4 लड़कों ने मिलकर सामूहिक कुकर्म किया। बंदूक की नोक पर वारदात को अंजाम दिया गया। चारों आरोपियों ने नाबालिग के प्राइवेट पार्ट में डंडा भी डाला। पीड़ित के अनुसार, वो शौच के लिए घर से 4 किमी दूर बाइक से गया था। वहां गांव का एक लड़का नीरज पहले से मौजूद था। उसने पीड़ित से पहले बाइक की चाबी छीनी, फिर उसके साथ मारपीट की। नीरज ने फोन से अपने तीन और दोस्तों को बुलाया। पीड़ित को घसीटकर पैक्स गोदाम के पास ले गए। उसका न्यूड वीडियो बनाया। बंदूक दिखाकर धमकी दी कि किसी तो बताया तो जान से मार देंगे। घटना 12 नवंबर यानी मंगलवार की है। उस दिन पीड़ित काफी डरा हुआ था। उसने इस बात की जानकारी परिजन को बुधवार रात दी। जिसके बाद परिजन ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई और फिर एफआईआर दर्ज की गई। मामला चरपोखरी का है। सामूहिक कुकर्म पीड़ित नाबालिग पिछले तीन दिनों से मेडिकल के लिए भटक रहा है। परिजन के मुताबिक, अब तक पीड़ित का मेडिकल नहीं हो पाया है। पीड़ित के साथ मेडिकल के लिए सदर अस्पताल गए एसआई को गुरुवार को चार घंटे तक बैठाकर रखा गया। एसआई उमेश कुमार ने स्वास्थ्य विभाग पर आरोप लगाते हुए कहा कि 17 साल के नाबालिग के साथ गलत हुआ है। हम गुरुवार शाम करीब 5 बजे सदर अस्पताल पहुंचे थे। इससे पहले नाबालिग के साथ उसके मेडिकल के लिए हम लोग बुधवार को भी अस्पताल आए थे, लेकिन हमें पटना भेज दिया गया था। एसआई ने बताया कि जब मैं पीड़ित को लेकर पटना पीएमसीएच गया, तो वहां से मुझे गर्दनीबाग सिविल सर्जन से मिलने के लिए भेज दिया गया। गर्दनीबाग जाने पर मुझसे एफआईआर के बारे में पूछा गया। मैंने सारी जानकारी दी। इसके बाद वहां से मुझे कहा गया कि आप भोजपुर सिविल सर्जन के पास जाइए। जब गुरुवार को आरा सदर अस्पताल पहुंचा, तो यहां शाम 5 बजे से चार घंटे तक इंतजार कराया। पीड़ित को मेडिकल के लिए भटकना पड़ा रहा है।●

चार कांडों का फरार अपराधी गिरफ्तार

● गुड्डू कुमार सिंह

पुलिस को गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि भोजपुर जिला का टॉप-10 अपराधकर्मी प्रकाश ठाकुर, पे०-देवानंद ठाकुर उर्फ झन्नु ठाकुर, सा०-गौरा, थाना-बहोरनपुर, जिला-भोजपुर जो बक्सर जिलान्तर्गत ग्राम कुदरा, थाना-ब्रहम्पुर में छिपा हुआ है, जो किसी बड़ी घटना को अंजाम देने के फिराक में हैं। पुलिस के द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए डी०आई० यु०शाखा के साथ एक विशेष पुलिस टीम के सहयोग से उक्त अपराधी को दिनांक-27/28.11.2024 की रात्रि में ग्राम कुदरा से गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार व्यक्ति का नाम(प) प्रकाश ठाकुर, पे०-देवानंद ठाकुर उर्फ झन्नु ठाकुर, सा०-गौरा, थाना-बहोरनपुर, जिला-भोजपुर

भोजपुर जिला के टॉप-10 अपराधकर्मी प्रकाश ठाकुर, पे०-देवानंद ठाकुर उर्फ झन्नु ठाकुर, सा०-गौरा, थाना-बहोरनपुर, जिला-भोजपुर का अपराधिक इतिहास इस प्रकार हैं:-

☞ बिहियों (बहोरनपुर ओ०पी०) थाना कांड सं0-67/17, दिनांक 16.03.2017, धारा-341/323/379/385/354ए/504/ 506 / 34 भा०द०वि०।

☞ बिहियों (बहोरनपुर ओ०पी०) थाना कांड सं0-316/17, दिनांक 30.09.2017, धारा-147/148/149/302/120 बी भा०द०वि० एवं 27 आर्म्स एक्ट।

☞ बिहियों (बहोरनपुर ओ०पी०) थाना कांड सं0-124/19, दिनांक-23.04.19 धारा-341/323/307/504/34 भा०द०वि० एवं 27 आर्म्स एक्ट।

☞ बिहियों (बहोरनपुर ओ०पी०) थाना कांड सं0-376/20, दिनांक 01.10.2020, धारा-341/323/325/308/354/379/ 504/506/34 भा०द०वि० ।

☞ बिहियों (बहोरनपुर ओ०पी०) थाना कांड सं0-479/21, दिनांक-29.11.2021, धारा-341/323/379/307/504/506/ 34 भा०द०वि० एवं 27 आर्म्स एक्ट।

☞ बिहियों (बहोरनपुर ओ०पी०) थाना कांड सं0-481/21, दिनांक 02.12.2021, धारा-461/379 भा०द०वि० ।

☞ बिहियों (बहोरनपुर ओ०पी०) थाना कांड सं०-482/21, दिनांक 02.12.2021, धारा-25 (1-बी)ए/26/ 35 आर्म्स एक्ट।

☞ बिहियों (बहोरनपुर ओ०पी०) थाना कांड सं0-166/22. दिनांक-03.06.2022, धारा-147/148/149/323/436/354 सी/504/506/307 भा०द०वि० एवं 27 आर्म्स एक्ट एवं 3 (i) (r) (s) अनुसूचित जाति/जन जाति अत्याचार निवारण अधि नियम ।

☞ बिहिया (बहोरनपुर) थाना कांड सं0-90/24, दिनांक-19.03.24, धारा-342/323/307/379/387/504/34 भा०द०वि० एवं 27 आर्म्स एक्ट

☞ बहोरनपुर थाना कांड सं0-18/24, दिनांक 19.05.24. धारा -307/504/349 भा०द०वि० एवं 27 आर्म्स एक्ट।

☞ बहोरनपुर थाना कांड सं0-30/24 दिनाक-13.06.24, धारा-341/323/307/325/354/379/ 504/506/34 भा०द०वि० ।

☞ बहोरनपुर थाना कांड सं0-34/24 दिनांक-21.06.24, धारा-25 (1-बी) ए/26 आर्म्स एक्ट। ●

आरा सदर अस्पताल में एम्बुलेंस से ढ़ोया जा रहा सामान

● गुड्डू कुमार सिंह

आरा सदर अस्पताल में एक बार फिर एम्बुलेंस के दुरुपयोग का मामला सामने आया है। रविवार की रात एक एम्बुलेंस पटना से अस्पताल के लिए सामान लेकर पहुंची। इस एम्बुलेंस में बोरे में पैक सामान लाया गया था, जिसे एक कर्मचारी स्ट्रेचर पर रखकर इमरजेंसी वार्ड में ले गया। यह स्ट्रेचर मरीजों को अंदर ले जाने के लिए होता है, लेकिन अक्सर मरीजों को इसकी सुविधा नहीं मिल पाती। परिजन मजबूरन अपने मरीजों को कंधे, गोद या किसी और के सहारे अस्पताल के अंदर ले जाते हैं। एम्बुलेंस चालक ने बताया कि वह पटना से सामान लेकर आया है। उसने बताया कि बोरे में बोर्ड है जिसे इमरजेंसी में पहुंचाना था। चालक ने यह भी स्वीकार किया कि यह काम अस्पताल के अधिकारियों के कहने पर किया गया है। हालांकि, किसी भी अधिकारी

ने इस मामले पर कोई बयान नहीं दिया है। यह पहली बार नहीं है जब एम्बुलेंस का इस्तेमाल सामान ढोने के लिए किया गया हो। ऐसे मामले पहले भी सामने आते रहे हैं। सदर अस्पताल से लेकर स्वास्थ्य केंद्रों तक, एम्बुलेंस से सामान ढोने का काम आम बात है। इससे न सिर्फ सरकारी धन का दुरुपयोग हो रहा है, बल्कि मरीजों की जान भी खतरे में पड़ रही है। कई बार एम्बुलेंस उपलब्ध न होने के कारण मरीजों को समय पर इलाज नहीं मिल पाता और उनकी जान चली जाती है। एम्बुलेंस से सामान ढोने के पीछे पैसे का खेल भी बताया जा रहा है। डीजल का पैसा मरीजों के नाम पर दिखाकर हजम किया जा रहा है। अस्पतालों में सामान ढोने के लिए अलग से मालवाहक गाड़ियों की व्यवस्था होती है, लेकिन जानबूझकर एम्बुलेंस का इस्तेमाल किया जाता है। वहीं इस मामले में डीएम ने तीन सदस्यीय जांच टीम का गठन किया है। उन्होंने कहा कि इस मामले की जांच की जा रही है। जांच के बाद दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। ●

कुव्यवस्था का शिकार

बक्सर का पशुपालन विभाग

● बिन्ध्याचल सिंह

'ह जी के नोकरी, ना जी के घर' भोजपुरी कहावत को चरितार्थ करते हुये अनुमण्डलीय पशु चिकित्सालय, बक्सर में एक सफाईकर्मी है जिसने आज तक अपनी हाथो मे झाडु नही उठाया है जिससे वो कार्यालय की सफाई किया हो। इतना ही नही अगर कार्यालय में चिकित्सक की उपस्थित है तो सफाईकर्मी की उपस्थिति रहती है वरना कार्यालय से अधिकतर गायब ही रहते है। वैसे अनुमण्डलीय चिकित्सक भी एक दिन उपस्थिति दर्ज कर कम से कम दो-तीन दिन अनुपस्थित रहने का उनका इतिहास रहा है, और पशुओ का इलाज चतुर्थवर्गीय कर्मचारी के द्वारा किया जाता है जो जॉच का विषय है। वही जिला पशुपालन पदाधिकारी और अवर प्रमण्डल पशुपालन पदाधिकारी प्रत्येक दिन ससमय कार्यालय में उपस्थित रहते है। जबकि गब्य पदाधिकारी अधिकतर क्षेत्र में रहते है। प्रिय पाठकगण जानकारी के बताते चले कि समाहरणालय

परिसर,बक्सर के सामने जिला पशुपालन विभाग,बक्सर की भवन स्थित है जिसमें जिला पशुपालन पदाधिकारी,बक्सर, अवर प्रमण्डल पशुपालन पदाधिकारी,बक्सर, अनुमण्डलीय पशु चिकित्सालय,बक्सर और गब्य विकास,बक्सर का कार्यालय संचालित होता है। पशुपालन विभाग, बक्सर की बात की जाये तो 2020 बैच के जितने भी चलन्त चिकित्सक की नियुक्ति हुई उसमें एक-दो को छोडकर लगभग सभी चिकित्सक कार्य अवधि में गायब ही रहते है। जब चिकित्सको की जानकारी आप लेना चाहेगे तो प्रखण्ड में जानकारी मिलेगी की चिकित्सक क्षेत्र में गये है या फिर जिला में बैठक की जानकारी प्राप्त होगी। जबकि सच्चाई कुछ और ही होती है। अनुमण्डलीय पशु चिकित्सालय में पशुओ का इलाज केवल चतुर्थवर्गीय कर्मचारी के द्वारा की जा रही है। जिसको किसी प्रमाण की कोई जरूरत नही बल्कि किसी भी कार्य दिवस में देखने को मिल जायेगा। जबकि सफाई कार्य रात्रि प्रहरी पर नैतिकता व कार्यालय के द्वारा दबाव बनाकर सफाई कार्य करवाया जाता है। नाम नही छपने के शर्त पर एक व्यक्ति ने जानकारी दी कि अपने को उतर प्रदेश का डॉन बताने वाले सफाईकर्मी की जुबान से जातीय समीकरण की ''बू'' भी आती रहती है। उपरोक्त खबरे कार्यालय में आने वाले पशु पालको व समाहरणालय परिसर में कार्य करने वाले कर्मचारियो से प्राप्त जानकारी के आलोक में सूचीबद्ध की गई है।●

गुमशुदा

कमलेश सिंह, पिता-सत्यनारायण सिंह, उम्र - 45 वर्ष, गांव/थाना- तियर, जिला-भोजपुर, आरा, बिहार, दिनांक-07/04/2024 से लापता हैं। इस संबंध में जिन लोगो को जानकारी मिले तो तियर थाना के मोबाइल नंबर-6207926691 पर सूचित करेंगे।

सूचित करने वाले व्यक्ति को इनाम भी दिया जाएगा।

कमलेश सिंह

ग्राम कचहरी में आदेशपाल सह प्रहरी का स्थायी नियोजन करने की उठ रही मांग

● **त्रिलोकी नाथ प्रसाद**

स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात् भारतीय संघ के अंतर्गत बिहार पहला राज्य है जहाँ बिहार पंचायत राज अधिनियम, 1947 के अधीन ग्राम पंचायत एवं ग्राम कचहरी की स्थापना की गई है। बिहार राज्य ने एक कदम आगे बढ़कर अपने पंचायती राज अधिनियम में त्रिस्तरीय पंचायती राज संस्थाओं के साथ-साथ प्रत्येक ग्राम पंचायत के स्तर पर ग्राम कचहरी के गठन से संबंधित प्रावधान कर ग्रामीण स्तर पर सुलभ एवं सस्ता न्याय उपलब्ध कराने का प्रयास किया है।

बिहार में सम्प्रति 38 जिले, 101 अनुमंडल, 533 प्रखंड, 8053 ग्राम पंचायत अस्तित्व में है। तदनुसार ग्राम कचहरियों की संख्या भी 8053 है। पंचायतों एवं ग्राम कचहरियों के अधिसीमा के अधीन रहते हुए अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति को उनकी जनसंख्या के अनुपात में तथा अत्यन्त पिछड़ा वर्ग को कुल स्थानों के अधिकतम 20 प्रतिशत तक आरक्षण का लाभ प्रदान किया गया है। उक्त कोटियों एवं अनारक्षित कोटि के सभी पदों में कुल पदों के 50 प्रतिशत पद महिलाओं के लिए आरक्षित किया गया है। इस व्यवस्था के पूर्व, ग्रामीण न्याय-व्यवस्था में महिलाओं का प्रतिनिधित्व प्रायः न के बराबर था। इस प्रकार बिहार पंचायत राज अधिनियम, 2006 ने देश क्या सारे विश्व में एक नया इतिहास रचकर न्याय-प्रणाली में एक नये युग का सूत्रपात किया है।

उल्लेखनीय है कि हमारी अदालतों की प्रक्रिया इतनी पेंचीदा और खर्चीली है कि साधारण व्यक्ति को अदालतों से न्याय बहुत बिलंब से और अत्यधिक धन व्यय करने के बाद ही प्राप्त हो पाता है। देर से मिला न्याय न मिलने के बराबर हो जाता है। इस समस्या के निदान हेतु हमारे देश के कर्णधारों द्वारा पंचायती राज की स्थापना की गई है। ग्राम कचहरी का मुख्य उद्देश्य ग्रामवासियों के बीच उत्पन्न विवाद एवं छोटे अपराध के मामलो का निपटारा उनके गाँव में ही उनके विश्वास एवं वोट से चुने गये पंच प्रतिनिधियों के द्वारा बिना परेशानी एवं बिना अनावश्यक व्यय के हो सके तथा ग्रामवासियों को न्याय प्राप्त हो सके।

प्रत्येक ग्राम कचहरी के लिए एक सरपंच एवं वार्ड की संख्या के अनुरूप पंच का निर्वाचन किया जाता है। ग्राम कचहरी में उप-सरपंच का निर्वाचन पंचों के बीच से ही बहुमत के आधार पर किया जाता है। उप-सरपंच के चुनाव में पंचों के साथ-साथ सरपंच भी एक मतदाता होते हैं।

ग्राम कचहरी का कार्यकाल पाँच वर्षों का होत है। ग्राम कचहरी की सहायता हेतु प्रत्येक ग्राम कचहरी के लिए एक कचहरी सचिव और एक न्याय मित्र (विधि डिग्री धारक) की नियुक्ति सरकार द्वारा नियमानुसार की जाती है। वर्तमान में ग्राम कचहरी सरपंच -8053, उप सरपंच 8053 एवं ग्राम कचहरी सदस्य (पंच) 109321 है तथा ग्राम कचहरी सचिव की कुल संख्या 6656 एवं ग्राम कचहरी न्यायमित्र की कुल संख्या 5826 है। ग्राम कचहरी को अपराधिक एवं सिविल मामलों में सुनवाई करने एवं निर्णय देने का अधिकार प्रदान किया गया है।

ग्राम कचहरी का गठन मुख्यत: ग्राम पंचायत स्तर पर उठे वाले छोटे-मोटे विवावदों का सौहार्दयपूर्ण निपटारा करने के उद्देश्य से किया गया है। ग्राम कचहरी को भारतीय दंड संहिता-1860 सम्प्रति भारतीय न्याय संहिता-2023, पुशु अतिचार अधिनियम-1871 एवं बंगाल लोक द्युत अधि नियम-1867 की कतिपय धाराओं के अधीन किये गये अपराधों के विचारा का अधिकार है। समझौता नहीं होने की स्थिति में ग्राम कचहरी किसी फौजदारी मामले में अभियुक्ति को अधि कतम एक हजार रूपये तक का अर्थदंड लगा सकती है। दीवानी मामलों में उसे दस हजार रूपये तक के मूल्य की संपत्ति से संबंधित विवादों को सुनने एवं डिक्री देने की अधिकारिता प्राप्त है। ग्राम कचहरी के कायों के संचालन हेतु बिहार ग्राम कचहरी संचालन नियमावली 2007 गठित है।

उल्लेखनीय है कि ग्राम कचहरी द्वारा वर्ष 2021-24 में दायर कुल 109118 फौजदारी मामलों के विरूद्ध कुल 102771 (94.18 %) एवं 130868 दीवानी मामलों के विरू) कुल 122622 (93. 70%) मामलों का निष्पादन किया गया है।

माननीय सर्वोच्च न्यायालय, नई दिल्ल में दायर वाद सं.-1067/2019 फैडरेशन फॉर फास्ट जस्टिस एवं अन्य बनाम भारत संघ एवं अन्य में अपर मुख्य सचिव महोदय, पंचायती राज विभाग द्वारा दायर स्टेटस रिपोर्ट में ग्राम न्यायालय अधिनियम 2008 के आलोक में ग्राम न्यायालय की स्थापना बिहार राज्य में नहीं किये जाने का अनुरोध किया गया है, क्योंकि बिहार राज्य में वर्ष 2006 के पूर्व से ही ग्राम कचहरी संचालित है। बिहार पंचायत अधिनियम 2006 की वैधता के संबंध में किसी प्रकार का कोई विरोधाभाष नहीं है। ग्राम न्यायालय अधिनियम 2008 के अंतर्गत स्थापित ग्राम न्यायालयों के उद्देश्यों की पूर्ति पूर्व से संचालित ग्राम कचहरी के द्वारा सफलतापूर्वक पूर्ण किया जा रहा है।

ग्राम कचहरी का उद्देश्य स्थानीय स्वशासन एवं घर के दरवाजा तक न्याय उपलब्धा कराने संबंधी संवैधानिक लक्ष्यों की पूर्ति में सहयोग करना है। दिनांक-07.08.2024 को आहूत संयुक्त उच्चस्तरीय बैठक में मुख्य

राज्य अंतर्गत संचालित ग्राम कचहरी में दायर दीवानी एवं फौजदारी मामले एवं वर्षवार निष्पादित किये गये मामले निम्नवत् हैः-

क्र0 सं	वित्तीय वर्ष	ग्राम कचहरी की कुल संख्या	ग्राम कचहरी में दायर दीवानी मामले	ग्राम कचहरी में दायर फौजदारी	ग्राम कचहरी में दायर दीवानी मामलों का निष्पादन	ग्राम कचहरी में दायर फौजदारी मामलों का निष्पादन
1	2021-22 से 2022-23	8053	78502	67887	12735	8748
2	2023-24	8053	5159	3303	3051	2517

सचिव, बिहार, अपर मुख्य सचिव, पंचायतीराज विभाग, विधि सचिव, बिहार एवं महानिबंधक, पटना उच्च न्यायालय, पटना द्वारा ग्राम कचहरी को पूर्ववत् कार्य करते रहने देने का प्रतिशपथ पत्र माननीय सर्वोचच न्यायालय में दायर करने का निर्णय लिया गया है। उक्त से स्पष्ट है कि राज्य अंतर्गत संचालित ग्राम कचहरियाँ अपने दायित्वों एवं कर्तव्यों का सफलतापूर्वक निष्पादन करते हुए आम नागरिकों को सस्ता, सुलभ एवं त्वरित न्याय उपलब्ध करा रही है।

ज्ञातव्य है कि सम्प्रति ग्राम कचहरी के पदधारकों यथा सरपंच, उपसरपंच एवं पंच को मानदेय के रूप में क्रमशः 5000, 2500 एवं 800 रूपये प्रदान किया जा रहा है एवं ग्राम कचहरी कार्यालय के संचालन हेतु किराया मद में प्रतिमाह 1000 रूपये की राशि का प्रावधान किया गया है। ग्राम कचहरी कार्यालय के व्यय हेतु प्रत्येक वित्तीय वर्ष में मात्र 4000 रूपये की राशि का प्रावधान किया गया है। ग्राम कचहरी कार्यालय के साफ-सफाई, सुरक्षा/रात्रि प्रहरी एवं नोटिस/सम्मन का तामिला कराने हेतु किसी कर्मी की व्यवस्था नहीं की गई है, जिससे ग्राम कचहरी कार्यालय के संचालन में अवरोध उत्पन्न हो रहा है।

माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार जी के द्वारा दिनांक-13.12.2013 को बिहार विधान मंडल में ग्राम कचहरियों की कार्य क्षमता बढ़ाने के लिए चौकीदारों को सम्बद्ध किये जाने संबंधी व्यक्तव्य / आश्वासन दिया गया है।

उक्त निदेश के आलोक में श्री अमृत लाल मीणा, तत्कालीन सचिव, पंचायती राज विभाग सम्प्रति मुख्य सचिव, बिहार द्वारा विभागीय पत्रंक-8233 दिनांक-28.11.2013 (छायाप्रति संलग्न) के द्वारा प्रधान सचिव, गृह विभाग, बिहार, पटना को ग्राम कचहरी के वादों के नोटिस तामिला हेतु चौकीदारों की सेवा उपलब्ध कराये जाने का अनुरोध किया गया है। पुनः श्री प्रदीप कुमार, तत्कालीन सचिव, पंचायती राज विभाग द्वारा विभागीय पत्रांक-694 दिनांक-04. 02.2015 (छायाप्रति संलग्न) के माध्यम से सभी जिला पदाधिकारी एवं सभी पुलिस अधीक्षक, बिहार को ग्राम कचहरी के वादों के नोटिस तामिला हेतु चौकीदारों की सेवा उपलब्ध कराये जाने का अनुरोध किया गया है। उपरोक्त वर्णित पत्रों का अनुपालन नहीं किये जाने के कारण श्री अरविन्द कुमार चौधरी, तत्कालीन सचिव, पंचयती राज विभाग द्वारा विभागीय पत्रांक-833 दिनांक-28.11.2013 (छायाप्रति संलग्न) के द्वारा पुलिस महनिदेशक, बिहार, पटना को ग्राम कचहरी को सुचारू रूप से संचालित करने में पुलिस संगठन के द्वारा सहयोग प्रदान किये जाने का अनुरोध किया गया है। उप सचिव, गृह (आरक्षी) विभाग ज्ञापांक-439 दिनांक-20. 01.2015 (छायाप्रति संलग्न) के द्वारा सभी जिला पदाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक, बिहार को ग्राम कचहरी का नोटिस तामिला कराने हेतु चौकीदारों की सेवा दिये जाने का निदेश दिया गया है। इसके बावजूद ग्राम कचहरी के वादों का नोटिस तामिला कराये जाने संबंधी कार्य में पुलिस संगठन द्वारा अपेक्षित असुविधा का सामना करना पड़ रहा है एवं वादों का निष्पादन प्रभावित हो रहा है।

ग्राम कचहरी प्रहरी संघ के आग्रह पर बिहार प्रदेश पंच सरपंच संघ प्रदेश अध्यक्ष अमोद कुमार निराला ने मांग किया कि अविलम्ब व प्रहरी की नियुक्ति हो इस संदर्भ में माननीय मंत्री सम्राट चौधरी, मुरारी प्रसाद गौतम, केदार प्रसाद गुप्ता आदि ने अबतक वक्तव्य तो दिए पर अबतक नियुक्ति नहीं हो सकी, जबकि वर्षो वर्ष से प्रहरी सफाई कर्मी तथा नोटिस तामिला आदि का कार्य कर रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि विभिन्न जिला/प्रखण्ड पंच सरपंच संघ अध्यक्षों द्वारा ग्राम कचहरी कार्यालय हेतु प्रहरी-सह-सफाई कर्मी का स्थायी नियोजन किये जाने हेतु माननीय मंत्री, पंचायती राज मंत्रालय, भारत सरकार, माननीय मुख्यमंत्री, बिहार, एवं माननीय मंत्री, पंचायती राज विभाग, बिहार से अनेकों बार अनुरोध एवं प्रार्थना पत्र समर्पित किया गया है। वर्ष 2006 से विभिन्न ग्राम कचहरियों में 600 से अधिक ग्राम कचहरी प्रहरी-सह-सफाई कर्मी के रूप में स्वयंसेवक बिना किसी वेतन/ मानदेय के कार्य कर रहे हैं, जो चौकीदार के आभाव में नोटिस तामिला एवं न्यायपीट के कार्यो में सहयोग प्रदान कर रहे हैं।

अतः उपरोक्त वर्णित तथ्यों के आलोक में कहना है कि बिहार पंचायती राज अधिनियम 2006 के अंतर्गत संचालित ग्राम कचहरी को और अधिक सक्षम एवं अत्याधुनिक बनाने एवं ग्रामवासियों के बीच उत्पन्न विवाद एवं छोटे अपराध के मामलों का निपटारा उनके गाँव में ही उनके विश्वास एवं वोट से चुने गये पंच प्रतिनिधियों के द्वारा बिना किसी परेशानी एवं बिना किसी अनावश्यक व्यय के किये जाने हेतु अतिरिक्त राशि का उपबंध करते हुए ग्राम कचहरी तथा निर्वाचित प्रतिनिधि एवं कर्मीगणों को सर्वसुविधा संपन्न बनाते हुए उक्त कार्यालय हेतु आदेशपाल-सह-रात्रि प्रहरी का स्थायी नियोजन करने/ग्राम कचहरी के आंतरिक संसाधन से उन्हें मानदेय दिये जाने की स्वीकृति प्रदान की जाये। ●

हेमंत सोरेन ने ली मुख्यमंत्री पद की शपथ

मुख्यमंत्री बनते ही एक्शन में दिखे हेमंत, बैठक कर सभी विभागों को राजस्व संग्रहण बढ़ाने का एक्शन प्लान तैयार करने का दिया निर्देश

● **गुड्डी साव**

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने राजधानी रांची के मोरहाबादी मैदान में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में झारखंड राज्य के मुख्यमंत्री के रूप में श्री हेमन्त सोरेन को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। माननीय राज्यपाल और अन्य अतिथि गणों ने श्री हेमन्त सोरेन को मुख्यमंत्री के पद की शपथ लेने पर बधाई और शुभकामनाएं दी। वहीं, मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन ने हाथ हिलाकर हजारों की संख्या में पहुंचे लोगों का अभिवादन स्वीकार किया। शपथ ग्रहण समारोह में राज्यसभा सांसद एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री शिबू सोरेन, कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद श्री मल्लिकार्जुन खरगे, नेता प्रतिपक्ष लोकसभा श्री राहुल गांधी, पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुश्री ममता बनर्जी, पंजाब के मुख्यमंत्री श्री भगवंत मान, कर्नाटक के उप मुख्यमंत्री श्री डी के शिवकुमार, तेलांगना के उप मुख्यमंत्री श्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क, उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश प्रसाद यादव, दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री श्री अरविंद केजरीवाल, बिहार विधान सभा मे नेता प्रतिपक्ष श्री तेजस्वी यादव, सीपीआईएमएल के राष्ट्रीय महासचिव श्री दीपांकर भट्टाचार्य, तमिलनाडु सरकार में मंत्री श्री उदयनिधि स्टालिन समेत कई सांसद, विधायक, पूर्व सांसद, पूर्व

विधायक, वरीय पदाधिकारी और बड़ी संख्या में आम लोग मौजूद थे। वही हेमंत सोरेन के मुख्यमंत्री बनने के बाद सबसे अहम काम मंत्री परिषद् का गठन करना था। इसके मद्देनजर झारखंड के राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने श्री स्टीफन मरांडी को झारखंड विधानसभा के प्रोटेम स्पीकर एवं राज्य मंत्रिपरिषद में शामिल सदस्यों को पद और गोपनीयता की दिलाई शपथ श्री राधाकृष्ण किशोर, श्री दीपक बिरुवा, श्री चमरा लिंडा, श्री संजय प्रसाद यादव, श्री रामदास सोरेन, श्री इरफान अंसारी, श्री हफीजुल हसन, श्रीमती दीपिका पांडेय सिंह, श्री योगेंद्र प्रसाद, श्री सुदिव्य कुमार एवं श्रीमती शिल्पी नेहा तिर्की ने झारखंड राज्य के मंत्री के रूप में ली शपथ। राजभवन के अशोक उद्यान में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में कई सांसद, विधायक, पूर्व सांसद, पूर्व विधायक, वरीय अधिकारी तथा कई गणमान्य रहे मौजूद। राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने 5 दिसंबर को राज भवन के अशोक उद्यान में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में झारखंड विधनसभा के निर्वाचित सदस्य श्री स्टीफन मरांडी को झारखंड विधानसभा का अध्यक्ष निर्वाचित होने तक के लिए प्रोटेम स्पीकर एवं मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन की नई सरकार में शामिल श्री राधाकृष्ण किशोर, श्री दीपक बिरुआ श्री चमरा लिंडा, श्री संजय प्रसाद यादव, श्री रामदास सोरेन, श्री इरफान अंसारी, श्री हफिजुल

हसन, श्रीमती दीपिका पांडेय सिंह, श्री योगेंद्र प्रसाद, सूदिव्य कुमार एवं श्रीमती शिल्पी नेहा तिर्की को झारखंड राज्य के मंत्री के रूप में पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार एवं माननीय मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन ने प्रोटेम स्पीकर श्री स्टीफन मरांडी एवं सभी नव नियुक्त मंत्रीगणों को बधाई और शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर कई सांसद, विधायक, वरीय अधिकारी एवं गणमान्य तथा नवनियुक्त मंत्री गणों के परिजन मौजूद थे। विदित हो कि श्री हेमन्त सोरेन ने 28 नवंबर को मोरहाबादी मैदान में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी। इसके उपरांत 5 दिसंबर को उन्होंने अपने मंत्रिपरिषद का गठन किया, जिसमें 11 मंत्री शामिल किए गए हैं।

गौरतलब है कि मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के बजट से पृथक शुरू की गई नई योजनाओं के अतिरिक्त दायित्वों की पूर्ति एवं वित्तीय वर्ष 2024- 25 के अनुपूरक बजट की तैयारियों को लेकर विभिन्न विभागों के प्रधान सचिव/सचिव के साथ उच्च स्तरीय बैठक की। बैठक में हेमंत सोरेन ने कहा कि राज्य में विकास कार्यों को गति देनी है और राजस्व संग्रहण को भी बढ़ाना है। ऐसे में सभी विभाग राजस्व उगाही में तेजी लाने के साथ अतिरिक्त राजस्व संग्रहण के नए स्रोतों के लिए संभावनाओं को तलाशें। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्व प्रबंधन को मजबूत बनाएं। इसके साथ राजस्व की बर्बादी तथा स्थापना व्यय को नियंत्रित करने के लिए कदम उठाए जाएं। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से यह भी कहा कि रेवेन्यू जनरेट सिस्टम का माइक्रो लेवल ऑब्जरवेशन कर इसकी खामियों को दूर करें। उन्होंने कहा कि सभी विभाग राजस्व संग्रहण का एक्शन प्लान तैयार करें। साथ ही मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि कई बार विभागों के बीच को-ऑर्डिनेशन नहीं होने से राजस्व संग्रहण की गति धीमी हो जाती है और लक्ष्य के हिसाब से राजस्व संग्रहण नहीं हो पता है। ऐसे में इस समस्या के समाधान के लिए सभी

विभाग आपस मे समन्वय बनाकर राजस्व संग्रहण के कार्य को करें। इसके लिए जिलों में विभिन्न विभागों के अधिकारियों की जिम्मेदारी तय होनी चाहिए। आगे मुख्यमंत्री ने कहा कि कई विभागों में ऐसी कई एजेंसी, बोर्ड और निगम हैं जो राजस्व का बेहतर माध्यम साबित हो सकते हैं। ऐसी एजेंसियों को बिजनेस मॉडल के रूप में स्थापित करें, ताकि वे अपने कार्यों का विस्तार कर सकें। इससे राज्य को अतिरिक्त राजस्व की प्राप्ति होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में कई उद्योग और कंपनियां कार्य कर रही हैं। इनके द्वारा सीएसआर मद से कई जनकल्याणकारी योजनाओं का क्रियान्वयन किया जाता है, लेकिन इनके द्वारा खर्च की जा रही सीएसआर राशि की जानकारी राज्य सरकार तक नहीं पहुंच पाती है। ऐसे में एक ऐसा मेकैनिज्म बनाएं, जिसके जरिए कंपनियों द्वारा सीएसआर मद में किए जाने वाले खर्च की जांच हो सके। उन्होंने अधिकारियों को यह भी कहा कि वे विभिन्न कंपनियों और उद्योगों समूहों के साथ बातचीत कर राजस्व बढ़ोतरी की संभावनाओं को तलाशें। इसके बाद 6 दिसम्बर को मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन की अध्यक्षता में मंत्रिपरिषद की बैठक की गई। झारखंड मंत्रालय में आयोजित मंत्रिपरिषद की बैठक में राज्य सरकार के सभी मंत्रीगणों को अपने-अपने विभागीय कार्यो के सम्पादन हेतु निम्नलिखित महत्वपूर्ण बिंदुओं पर परामर्श दिया गया :-

☞ मंत्रिपरिषद् में भेजे जाने वाले प्रस्ताव पर स्वयं संतुष्ट हो लें। वित्त विभाग/विधि विभाग/कार्मिक विभाग से भी सम्पर्क करें ताकि, ससमय मंत्रिपरिषद् की बैठक में प्रस्ताव आ सके।

☞ सभी मंत्रीगण अपने-अपने विभाग के सभी जिला के क्षेत्रीय कार्यालय में जा कर विभागीय कार्यकलाप की समीक्षा करें तथा विभागीय योजना के लाभुकों से मुलाकात कर मिमकइंबा लें।

☞ विभागीय कार्यकलाप का समीक्षा करें। सभी योजनाओं को समझ कर उसके गुण-दोष का अध्ययन करें।

☞ वैसी योजनाएँ जो बहुत दिनों से लम्बित हैं, उसके लम्बित रहने के कारण की समीक्षा करें और उसको पूरा कराने के लिए कार्रवाई करें।

☞ कई योजनाएँ ऐसी हैं, जिसमें आज की पृष्ठभूमि में बदलाव अपेक्षित है या फिर कुछ प्रावधान के कारण क्रियान्वयन में कठिनाई होती है उसके निराकरण का प्रस्ताव प्राप्त कर कार्रवाई करें।

☞ राज्य में आपके विभाग के योजना से अगर कोई क्षेत्र छूटा हुआ है, खासकर दूर-दराज के क्षेत्र, SC/ST क्षेत्र, पहाड़ी क्षेत्र उसके लिए योजना के प्रस्ताव पर विचार करें।

☞ वैसे विभाग जिनमें राजस्व प्राप्ति की बेहतर संभावनाएँ हैं, वे राजस्व स्रोत की समीक्षा कर राजस्व प्राप्ति की बढ़ोत्तरी का प्रस्ताव तैयार करें।

☞ भवन जैसे इंफ्रास्ट्रक्चर वाली योजना की विशेष समीक्षा करें ताकि, बना हुआ भवन का वास्तविक इस्तेमाल हो सके। अनावश्यक भवन आदि की योजना न लिया जाय।

☞ वर्ष 2025-26 में ली जाने वाली योजनाओं की रूप-रेखा तैयार करें।

☞ अधिनस्थ अधिकारी, कर्मचारी के प्रोन्नति की स्थिति की समीक्षा करें और प्रोन्नति प्रदान करें।

☞ पदस्थापना की समीक्षा करें और आवश्यकता या कम जरूरी के आधार पर एडजस्टमेंट करें।

☞ आप्त सचिव तथा निजी स्टॉफ रखते समय उसकी पृष्ठभूमि जरूर देख लें ताकि विवादित कर्मी मंत्री कार्यालय में स्थान नहीं पायें।

☞ कोर्ट केस मामले की भी समीक्षा करें ताकि सरकार केस कम से कम हारे।

☞ अपने विधान-सभा क्षेत्र से बाहर भी हर जिला में भ्रमण करें और लोगों से मिलकर वहाँ की समस्या (खासकर अपने विभाग से संबंधित) के निपटारा के लिए प्रयास करें।

☞ क्षेत्रीय पदाधिकारियों के बारे में क्षेत्र भ्रमण के क्रम में फिडबैक प्राप्त करें और माननीय मुख्यमंत्री को समय-समय पर अवगत कराएँ।

☞ स्थानीय जन प्रतिनिधियों से मिलने के लिए तिथि का निर्धारण कर दें, ताकि सभी को सहुलियत हो।

☞ सभी मंत्रीगण समय-समय पर अपने विभाग की उपलब्धियों के विषय में प्रेस के प्रतिनिधियों को प्रेस कांफ्रेंस कर जानकारी उपलब्ध कराते रहेंगे।

बताते चले कि झारखंड विधानसभा चुनाव 2024 के सरकार गठन के बाद षष्ठम विधानसभा के पहले सत्र में हेमंत सोरेन की सरकार ने लगभग 11697 करोड़ का अनुपूरक बजट पेश किया गया। विधानसभा सत्र 9 दिसंबर से शुरू होकर 12 दिसंबर को समाप्त हुई। 9 दिसंबर को कार्य दिवस के पहले दिन नवनिर्वाचित विधायकों को जो झारखंड से 80 विधायक चुने गए हैं। कुछ नए चेहरे तो कुछ पुराने चेहरों ने रिपीट किया है। उन सारे विधायकों को प्रोटोन स्टीफन मरांडी के द्वारा पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। 10 दिसंबर सत्र के दूसरे दिन रविंद्र नाथ महतो को सर्वसम्मति के साथ लगातार दूसरी बार झारखंड विधानसभा का अध्यक्ष चुना गया। 11 दिसंबर को सत्र के तीसरे दिन झारखंड के राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने भारत के संविधान के अनुच्छेद 176 (1) के अंतर्गत झारखंड विधानसभा परिसर में षष्ठम झारखंड विधानसभा के प्रथम सत्र को संबोधित किए और साथ ही 11697.45 करोड रुपए का अनुपूरक बजट पेश भी पेश किया गया और मंइय्या योजना के लिए 6390.55 करोड आवंटित किया गया। 12 दिसंबर सदन के चौथे दिन सत्ता और विपक्ष राज्यपाल के अभिभाषण और द्वितीय जो बजट पेश की गई थी। सनद् रहे कि 11 दिसंबर को उस पर वाद-विवाद चर्चा हुई। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सत्र समाप्त होने के बाद कहा की सत्र छोटा जरूर था लेकिन सरकार ने कम सत्र में बहुत सारे काम किए हैं। साथ ही उन्होंने सदन में कहा कि इस बार विपक्ष बिल्कुल अलग दिखाई दिए और इनके पास कहने के लिए कुछ भी नहीं था। वही हटिया विधायक नवीन जयसवाल ने सरकार को मुंगेरी लाल के सपने पार्ट 2 कहा। सरकार के लाए गए अनुपूरक बजट को लेकर नवीन जयसवाल ने कहा कि ये बजट आंख में धुल झोंकने के जैसा है। क्यूंकि 2019 में भी सरकार ने कई वादे किए थे। 5 लाख नवजवानों को प्रतिवर्ष नौकरी देने का वादा भी किए थे। वही डुमरी के नवनिर्वाचित विधायक जयराम महतो ने कहा कि फिर इस बार वहीं सरकार को कुछ करना नहीं है बल्की राजनीति करना है। दूसरी तरफ डुमरी के टाइगर जो 2024 के चुनाव में विधायक के रूप में जीतकर आए हैं उनके तेवर सत्र के पहले दिन से ही सदन और सदन के बाहर पूरे जोश के साथ दिखाई दिया । उन्होंने सत्र के पहले दिन विधानसभा परिसर को प्रणाम कर नंगे पांव सदन के अंदर प्रवेश किये । जयराम महतो ने सदन को मंदिर मानकर 5 सालों तक पैर में बिना कुछ पहने सदन में आने का संकल्प लिये है। जयराम महतो ने युवाओं और मजदूरों की आवाज बनकर सदन में अपने भाषण से सरकार तक उनकी बातों को पहुंचाने की कोशिश की । साथ ही सदन में कई नेता विधायको ने अपनी अपनी बातो को अध्यक्ष के समक्ष रखा। उसके बाद विधानसभा अध्यक्ष रविंद्रनाथ महतों ने अनिश्चित काल के लिए सत्र को स्थापित किया। ●

सुपर स्पेशलिटी अस्पताल के लिए सीसीएल ने किया समझौता

● गुड्डी साव

झारखंड की जनता को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करने की दिशा में सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) ने एक ऐतिहासिक कदम उठाया है। कांके , रांची में 200 बिस्तरों वाले सुपर स्पेशलिटी (कार्डियोलॉजी, पल्मोनोलॉजी और न्यूरोलॉजी) अस्पताल की स्थापना के लिए सीसीएल, बाबासाहेब अंबेडकर वैद्यकीय प्रतिष्ठान (बीएवीपी) और धन्वंतरी आरोग्य सेवा संस्थान (डीएएसएस) के बीच त्रिपक्षीय समझौता किया। यह समझौता सीसीएल मुख्यालय, दरभंगा हाउस, रांची में आयोजित एक समारोह में संपन्न हुआ। सीसीएल के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक श्री निलेन्दु कुमार सिंह की गरिमामयी उपस्थिती में यह महत्वपूर्ण समझौता हुआ।

☆ अस्पताल की प्रमुख विशेषताएं :-

☞ 200 बिस्तरों की क्षमता वाला अत्याधुनिक सुपर स्पेशलिटी अस्पताल।

☞ कार्डियोलॉजी, पल्मोनोलॉजी और न्यूरोलॉजी में विशेषज्ञ सेवाएं।

☞ किफायती दरों पर जनता के लिए सुलभ चिकित्सा सुविधाएं।

☞ नवीनतम तकनीक और उपकरणों से सुसज्जित स्वास्थ्य सेवा केंद्र।

☆ सीसीएल की प्रेरणादायक नेतृत्व क्षमता :- यह पहल सीसीएल के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक (सीएमडी) श्री निलेन्दु कुमार सिंह के दूरदर्शी और प्रेरक नेतृत्व का परिणाम है। श्री सिंह के मार्गदर्शन में सीसीएल ने न केवल कोयला खनन क्षेत्र में उत्कृष्टता हासिल की है, बल्कि समाज के समग्र विकास और कल्याण में भी अपनी अमिट छाप छोड़ी है। श्री सिंह ने इस अवसर पर कहा, 'सीसीएल का उद्देश्य सिर्फ कोयला उत्पादन नहीं है, बल्कि लोगों के जीवन स्तर को ऊंचा उठाना भी हमारी प्राथमिकता है। यह सुपर स्पेशलिटी अस्पताल इस दिशा में एक मील का पत्थर साबित होगा।' उन्होंने आगे कहा कि यह परियोजना झारखंड के हर वर्ग को सुलभ और किफायती स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करेगी। श्री सिंह ने सीसीएल के कर्मचारियों और हितधारकों का आभार व्यक्त करते हुए इसे सामूहिक प्रयास और समर्पण का परिणाम बताया।

☆ समाज कल्याण में सीसीएल की अग्रणी भूमिका :- सीसीएल ने हमेशा समाज के विकास और कल्याण को प्राथमिकता दी है। कंपनी ने शिक्षा, स्वास्थ्य, बुनियादी ढांचे और रोजगार सृजन के क्षेत्र में कई पहलों के जरिए समाज में सकारात्मक बदलाव लाए हैं। इस अस्पताल की स्थापना न केवल क्षेत्रीय स्वास्थ्य सेवाओं को सुधारने का काम करेगी, बल्कि इसे लोगों के लिए एक नई . उम्मीद और जीवन रेखा के रूप में देखा जा रहा है। इस अवसर पर सीसीएल के निदेशक (वित्त) श्री पवन कुमार मिश्रा, निदेशक (कार्मिक) श्री हर्ष नाथ मिश्र, बीएवीपी और डीएएसएस के वरिष्ठ प्रतिनिधि, और सेवांकुर भारत की टीम के डॉक्टरों उपस्थित रहे । अवसर विशेष पर श्री ए. सी. मोहंता, डॉ. रत्नेश जैन, श्री आर. आर. सिंह, श्री पी. के. साहू और श्री अमित प्रकाश एवं अन्य उपस्थित थे ।

☆ 'बीएवीपी और डीएएसएस का सहयोग' :- बाबासाहेब अंबेडकर वैद्यकीय प्रतिष्ठान (बीएवीपी) और धन्वंतरी आरोग्य सेवा संस्थान (डीएएसएस) के सहयोग से यह अस्पताल स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में एक नई मिसाल कायम करेगा। बीएवीपी, महाराष्ट्र के संभाजीनगर में स्थित एक गैर-लाभकारी संगठन है, जो अपनी सामाजिक और चिकित्सा सेवा पहलों के लिए प्रसिद्ध है।

☆ स्वास्थ्य सेवा में नया युग :- यह अस्पताल स्वास्थ्य क्षेत्र में क्रांति लाने के साथ-साथ आम लोगों के लिए सुलभ, सस्ती और उच्च गुणवत्ता वाली सेवाएं सुनिश्चित करेगा। यह पहल सीसीएल की समाज के प्रति प्रतिबद्धता को परिलक्षित करता है। लोगों के लिए यह अस्पताल न केवल स्वास्थ्य सुविधाओं की दिशा में एक नई शुरुआत है, बल्कि समाज के कल्याण और क्षेत्रीय विकास की ओर एक मजबूत कदम भी है। ज्ञात हो कि सीएमडी सीसीएल श्री निलेंदु कुमार सिंह के नेतृत्व में कंपनी नित्य नए कीर्तिमान गढ़ रही हैं और समावेशी विकास के पहलों से लोगों चेहरे पर मुस्कान फैला रही है।●

सीसीएल मुख्यालय में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया एनसीडीसी स्थापना दिवस

● गुड्डी साव

7 दसंबर को सीसीएल मुख्यालय, रांची में 'एनसीडीसी स्थापना दिवस' बड़े ही हर्षोल्लास और गरिमा के साथ मनाया गया। इस भव्य कार्यक्रम में सीएमडी सीसीएल श्री निलेंदु कुमार सिंह ने मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित सभी गणमान्य अतिथियों का स्वागत किया। श्री सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि नेशनल कोल डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (एनसीडीसी) ने कोल इंडिया लिमिटेड एवं सीसीएल की नींव को मजबूत किया है और उनके मार्गदर्शन और अनुभव के कारण कंपनी आज देश की ऊर्जा आवश्यकताओं को सफलतापूर्वक पूरा कर रही है। इस कार्यक्रम में कोल इंडिया लिमिटेड और उसकी अन्य सहायक कंपनियों के पूर्व अध्यक्षों, निदेशकों, वरिष्ठ अधिकारियों और एनसीडीसी के पूर्व कर्मचारियों ने भाग लिया। इस अवसर पर उपस्थित प्रमुख अतिथियों में पूर्व चेयरमैन, सीआईएल डॉ. एम. पी. नारायणन, पूर्व चेयरमैन, सीआईएल श्री प्रमोद अग्रवाल, पूर्व सीएमडी, डब्ल्यूसीएल श्री आर.डी. रॉय, पूर्व सीएमडी, सीसीएल/ सीएमपीडीआईएल श्री एस.के. वर्मा, पूर्व सीएमडी, सीसीएल श्री बी. अकला, पूर्व सीएमडी, सीसीएल श्री आर.पी. रिटोलिया और पूर्व चेयरमैन, कोल इंडिया लिमिटेड एवं पूर्व सीएमडी, सीसीएल श्री गोपाल सिंह शामिल थे। इनके अलावा, सीएमपीडीआई के सीएमडी श्री मनोज कुमार, सीसीएल के निदेशक (कार्मिक) श्री हर्ष नाथ मिश्रा, निदेशक तकनीकी (संचालन) श्री हरीश दुहन, निदेशक (परियोजना एवं योजना) श्री सतीश झा और मुख्य सतर्कता अधिकारी श्री पंकज कुमार भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में एनसीडीसी के पूर्व कर्मियों ने सीसीएल की गौरवशाली यात्रा पर प्रकाश डाला और अपने अनुभवों व स्मृतियों को साझा किया। इस अवसर पर पूर्व सीएमडी, सीसीएल श्री बी. अकला ने 'के.एस. चारी मेमोरियल लेक्चर' दिया। सीसीएल के सीएमडी श्री निलेंदु कुमार सिंह ने सभी गणमान्य अतिथियों का शॉल, नारियल और पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया और अपने सम्बोधन में कहा कि एनसीडीसी की विरासत और मार्गदर्शन ने कोल इंडिया और उसकी सहायक कंपनियों को नए आयाम तक पहुंचाने में मदद की है। कार्यक्रम के दौरान 'एचआर मैगजीन' का विमोचन किया गया, जिसमें सीसीएल की विभिन्न गतिविधियों और उपलब्धियों को दर्शाया गया है। इसके अलावा, सीसीएल परिसर में राज्य के सबसे ऊंचे तिरंगे का अनावरण 'हर घर तिरंगा, घर घर तिरंगा' अभियान के तहत बनाए गए वीडियो, जिसे सीसीएल के सोशल मीडिया फेसबुक अकाउंट पर एक मिलियन से अधिक व्यूज मिले हैं, और जिसे पूरे कोल इंडस्ट्री में इस क्षेत्र में ऐतिहासिक सफलता के रूप में देखा जा रहा है, की सफलता का जश्न केक काटकर मनाया गया। इस अवसर पर डीएवी गांधीनगर स्कूल के छात्रों ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया, जबकि सीसीएल के कर्मचारियों द्वारा भी संगीत प्रस्तुत किया गया, जिसे सभी ने खूब सराहा। इस अवसर पर एनसीडीसी की यात्रा पर आधारित एक शॉर्ट फिल्म Journey of NCDC And CCL, भी प्रदर्शित की गई, जिसमें NCDC के स्थापना से ले कर आज तक के कंपनी के प्रदर्शन एवं उपलब्धि को दिखाया गया, जिसकी खूब सराहना हुई। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन सीसीएल के निदेशक (परियोजना एवं योजना) श्री सतीश झा ने दिया और मंच का संचालन श्री प्रिय रंजन कुमार, मुख्य प्रबंधक और श्रीमती श्रेया प्रियदर्शी, उप प्रबंधक ने किया। ●

सीसीएल द्वारा किया गया ई-ऑटो रिक्शा वितरण

● गुड्डी साव

सीसीएल (सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड) द्वारा सीएसआर (कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व) के तहत महिला सशक्तिकरण और स्वास्थ्य सेवा को सुदृढ़ करने की दिशा में एक अनूठी पहल की गई। एनसीडीसी फाउंडेशन दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में सीसीएल के सीएमडी श्री निलेंदु कुमार सिंह और अन्य गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति में दिनांक 9 दिसंबर को 10 ई-ऑटो रिक्शा का वितरण किया गया। इन ई-ऑटो रिक्शा का उद्देश्य टीबी एवं अन्य रोगियों को अस्पताल परिसर के भीतर और आसपास की परिवहन सुविधाएं प्रदान करना है। इसके साथ ही, यह पहल आर्थिक रूप से वंचित महिलाओं को आजीविका का स्थायी साधन भी प्रदान करती है। इस परियोजना के तहत, 10 वंचित महिलाओं को ई-रिक्शा चलाने का प्रशिक्षण दिया गया और रामकृष्ण मिशन के मार्गदर्शन में उनकी निगरानी की जा रही है। बैटरी चालित ये ई-रिक्शा न केवल पर्यावरण के अनुकूल हैं, बल्कि इनके रखरखाव का खर्च भी बेहद कम है। यह महिलाएं प्रतिदिन लगभग 500 रूपये तक की आय अर्जित करेंगी, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। मरीजों के परिवहन के अलावा, ये रिक्शा आसपास के गांवों से अस्पताल और अन्य क्षेत्रों के लिए सुलभ परिवहन सुविधा प्रदान करेंगे। इस पहल का स्थानीय महिलाओं ने

हर्षपूर्वक स्वागत किया ई- रिक्शा प्राप्त करने वाली महिलाओं ने सीसीएल और रामकृष्ण मिशन का आभार व्यक्त किया और इस परियोजना को 'जीवन में बड़ा बदलाव लाने वाली' पहल बताया। इस अवसर पर सीएमडी सीसीएल श्री निलेंदु कुमार सिंह ने कहा कि यह पहल स्वास्थ्य सेवा को सुलभ बनाने और महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। रामकृष्ण मिशन के सहयोग से संचालित यह परियोजना टीबी एवं अन्य मरीजों के लिए परिवहन सेवाओं को सस्ता और सुविधाजनक बनाएगी।●

लांस नायक अल्बर्ट एक्का की शहादत दिवस पर माल्यार्पण कर की गई श्रद्धांजलि अर्पित

● गुड्डी साव

भाजपा ने परमवीर चक्र विजेता लांस नायक अल्बर्ट एक्का की शहादत दिवस एवं प्रथम राष्ट्रपति राजेंद्र प्रसाद के जयंती पर श्रद्धांजलि कर उनको नमन किया। भारतीय जनता पार्टी रांची महानगर के द्वारा लॉन्स नायक परमवीर चक्र विजेता एलबर्ट एक्का की शहादत दिवस पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित किया। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष डॉ रविन्द्र कुमार राय ने परमवीर चक्र अल्बर्ट एक्का की शहादत दिवस पर अल्बर्ट एक्का चौक स्थित उनके प्रतिमा पर श्रद्धा सुमन अर्पित कर उनके वीरत्व को याद किया। इस अवसर पर डॉ राय ने कहा कि वीर शहीद की उनकी जीवनी और देशभक्ति को राज्य के लोग अपने दिल में बैठाए और सामाजिक विकृति से ऊपर उठकर देश भक्ति के माध्यम से समाज की एकात्मकता के अनुभूति को दिल में संजोने का काम करें। यह महसूस करे कि हम सभी भारत माता के पुत्र है। डॉ राय ने देशरत्न डॉ. राजेन्द्र प्रसाद की भी जयंती के अवसर पर डोरंडा स्थित राजेंद्र चौक पर उनके प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें याद किया। इस कार्यक्रम में रांची महानगर अध्यक्ष वरूण साहू, अशोक बड़ाईक, बलराम सिंह, जितेंद्र वर्मा, विनय सिंह, अजीत भगत, विकास रवि, बलसाई महतो, रवि मुंडा, पायल सोनी, रामलगन

राम, सुभाष अग्रवाल, रणधीर सिंह, कुंदन सिंह, संतोष राम, सोनू मिश्रा, शक्ति रामायण सिंह सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहें।●

कांग्रेस नेता एवं कार्यकर्ताओं द्वारा प्रदीप यादव एवं राजेश कच्छप का किया गया अभिनंदन

● गुड्डी साव

13 दिसंबर को कांग्रेस विधायक दल नेता चुने जाने के बाद श्री प्रदीप यादव एवं उप नेता श्री राजेश कच्छप का अभिनंदन कांग्रेस भवन रांची में कांग्रेस नेता एवं कार्यकर्ताओं द्वारा किया गया एवं नेताद्वय ने अपना पदभार ग्रहण किया। इस अवसर पर प्रदीप यादव ने शीर्ष नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जिम्मेवारियां सभी बड़ी होती हैं। विधायक दल का नेता बनाए जाने पर प्रयास करेंगे कि 100% खरा उतरे। कांग्रेस ने राहुल गांधी के नेतृत्व में जिस लड़ाई को पूरे देश में छेड़ा है,सबको अधिकार दिलाना, कांग्रेस के विचारों को मजबूती से फिर से स्थापित करना समाज के सभी वर्गों में और फिर कांग्रेस के संगठन को मजबूत करना यही प्राथमिकता होगी। उन्होंने कहा कि दिल्ली में सरकार ऐसी बैठी है, जो देश विरोधी है, जन विरोधी है, गरीब विरोधी है,उसे कुर्सी से बेदखल करना है। हम प्रयास करेंगे कि अपनी बातों को मजबूती रखें। उन्होंने कहा कि तमाम विधायकों से और आला नेताओं के साथ मिलकर रोड मैप तैयार करेंगे और निश्चित रूप में सफलता हासिल करेंगे। मुझे जो जिम्मेवारी मिली है उसके अनुरूप, जो संगठन का स्वरूप है,हमारे जितने विधायक है सब मिलकर संगठन को मजबूत करेंगे। अपने विचार को कैसे प्रत्येक घर तक पहुंचाए, कांग्रेस को कैसे मजबूत करें। ताकि देश को एक विकल्प दे सके, इस राज्य में हम उस दिशा में बढ़ेंगे। उन्होंने कहा कि परिश्रम करने वालों का रास्ता अपने आप चौड़ा होता है। कठिन परिश्रम ईमानदारी से काम करने से सफलता मिलती है और हमें मिलेगी। उप नेता राजेश कच्छप ने शीर्ष नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि एक सामान्य कार्यकर्ता को सरकार और पार्टी के बीच समन्वय स्थापित करने के लिए पार्टी ने जो जिम्मेदारी सौंपी है उस पर खरा उतरूंगा। सरकार,कांग्रेस पार्टी,विभाग और कार्यकर्ता के बीच समन्वय स्थापित करेंगे। सरकार की जितनी भी योजनाएं हैं,कांग्रेस पार्टी के माध्यम से कार्यकर्ताओं के मान सम्मान बढ़ाते हुए धरातल पर उतारेंगे। इसकी जिम्मेदारी पार्टी ने सोच समझ कर दिया है। उन्होंने कहा कि प्रदीप यादव जी को संसदीय कार्य प्रणाली का लंबा अनुभव है। उनके साथ सहयोगी के तौर पर डिप्टी सीएलपी की जिम्मेदारी मिली है,इसका निर्वहन संसदीय कार्य प्रणाली के नियम अनुकूल और कार्यकर्ताओं की अपेक्षा अनुरूप दोनों में तालमेल बना कर अमली जामा पहनाया जाए। इसका प्रयास करेंगे और आने वाले दिनों में निश्चित तौर पर इंडिया गठबंधन मजबूती के साथ सरकार के कार्यकाल में बेहतर काम करेगा।

इस अवसर पर पूर्व प्रदेश अध्यक्ष श्री राजेश ठाकुर ने कहा कि आला कमान ने काफी अनुभवी नेता को विधायकों की कमान सौंप कर संगठन और सरकार के बीच बेहतर समन्वय बनाने का प्रयास किया है।उनके साथ सहयोगी के तौर पर राजेश कच्छप का मनोनयन निश्चित रूप से कार्यकर्ताओं के मान सम्मान को बढ़ाने वाला निर्णय है। सामान्य कार्यकर्ता से उप नेता बनने से कार्यकर्ताओं में साफ संकेत गया है कि संगठन हित में काम करने वाले नेताओ-कार्यकर्ताओं को पार्टी सम्मान देने का कोई मौका नहीं छोड़ती है। अभिनंदन करने वालों में प्रमुख रूप से मार्केटिंग बोर्ड के अध्यक्ष रविंद्र सिंह प्रदेश कांग्रेस मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा, सतीश पॉल मुजनी,राजीव रंजन प्रसाद,किशोर आलोक कुमार दुबे,विनय सिन्हा दीपू, सोनाल शांति, गजेंद्र सिंह,अभिलाष साहू,राजन वर्मा, शशि भूषण राय, नेली नाथन, सुनीत शर्मा,उज्जवल तिवारी, राजूराम,राजेश चंद्र सहित अनेक लोग शामिल थे।●

अभी कलम उठाइये

आपके सामने हो रहे भ्रष्टाचार एवं अपराध की खबर की समीक्षा करें और सरकार सहित पुलिस-प्रशासन तक उसको पहुंचाने के लिए केवल सच पत्रिका के साथ जुड़े। खबर की जानकारी इस नम्बर पर दें

सम्पर्क करें:- 9431073769/8340360961

ई-मेलः- editor.kstimes@rediffmail.com पर भेजें।

देवा गिरोह के दो सदस्य समेत तीन अपराधी गिरफ्तार

● ओम प्रकाश

झारखण्ड एटीएस की टीम ने राँची,रामगढ़ और हजारीबाग में छापेमारी कर हत्या और रंगदारी शामिल तीन अपराधियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अपराधियों में अभय कुमार मिश्रा उर्फ मास्टर, उम्र 27 वर्ष, पे०-विरेन्द्र मिश्रा, ग्राम-गंगोली.पो०- चकरा, थाना-जिरादेई, जिला-सिवान, बिहार , अब्दुल करीम, उम्र 33 वर्ष, पे0-स्व० हफीजुल रहमान, ग्राम-ईचापीरी-उपरकोंकी थाना-पिठोरिया, जिला-राँची और प्रमोद कुमार साव, पे०-दासू साव, ग्राम-नापोखुर्द, थाना-बड़कागाँव, जिला-हजारीबाग शामिल है। इन तीनों अपराधियों की गिरफ्तारी के बाद हजारीबाग में दो हत्या और राँची में रंगदारी के दो मामलों का खुलासा हुआ है। एसटीएस के अनुसार,हजारीबाग जिले में हाल के दिनों में एक महीने के अंदर चार हत्या की वारदातें हुई थीं।मामले की गंभीरता को देखते हुए झारखण्ड के डीजीपी अनुराग गुप्ता ने फरार अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए झारखण्ड एटीएस को भी लगाया था। इस मामले में झारखण्ड एटीएस की टीम ने हजारीबाग में हुई हत्या में शामिल कुख्यात अपराधी प्रमोद कुमार साव को गिरफ्तार किया है। प्रमोद कुमार साव कुख्यात तिवारी गिरोह का सदस्य है। गिरफ्तार प्रमोद कुमार साव बड़कागांव क्षेत्र में हत्या और रंगदारी के कई मामलों में वांछित रहा है।

✯ प्रमोद कुमार साव का अपराधी इतिहासः-

☞ केरेडारी थाना काण्ड सं0-188 / 23 धारा- 414/34 भा0द0वि0 एवं 25 (1-बी) ए/26/35 आर्म्स एक्ट।

☞ रामगढ़ थाना काण्ड सं0-309/22 धारा -385/387/307/120बी/34 भा0द0वि0 एवं 27 आर्म्स एक्ट।

☞ माण्डू (कुज्जू) थाना काण्ड सं0-292/22 धारा-25 (1-बी) ए/ 26/35 आर्म्स एक्ट।

☞ पतरातू थाना काण्ड सं0-70/22 धारा -385/387/435 भा0द0वि0 एवं 27 आर्म्स एक्ट।

☞ बड़कागांव थाना काण्ड सं0-248/22 धारा -304बी / 120बी / 315/34 भा0द0वि० एवं 27 आर्म्स एक्ट।

☞ महुआटाँड़ (बेरमो) थाना काण्ड सं0-46 / 22 धारा-353/387/506/34 भा० द०वि० ।

वहीं दूसरे मामले में झारखण्ड एटीएस की टीम ने राँची पुलिस के साथ संयुक्त अभियान चलाकर व्यवसायियों को धमकाकर रंगदारी वसूलने वाले दो अपराधियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अपराधियों में बिहार के सीवान जिले का रहने वाला अभय कुमार मिश्रा और राँची के पिठोरिया का रहने वाला अब्दुल करीम शामिल है। गिरफ्तार अब्दुल करीम का भी अपराधिक इतिहास है। उसके खिलाफ पिठोरिया थाना में मामले दर्ज हैं। एटीएस एसपी ऋषभ झा ने बताया कि गिरफ्तार अभय मिश्रा और अब्दुल करीम ने राँची के क्रशर संचालक शैलेंद्र प्रताप नारायण उर्फ अनूप सिंह से फोन पर 20 लाख की फिरौती मांगी थी।उस दौरान फोन करने वाले ने खुद को देवा गैंग का अविनाश तिवारी बताया और धमकी दी कि अगर फिरौती नहीं दी तो जान से मार दिया जाएगा। धमकी के बाद क्रशर संचालक शैलेंद्र प्रताप नारायण उर्फ अनूप सिंह ने बरियातू थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई थी।इस मामले में कार्रवाई करते हुए दोनों अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया गया है।

अभय मिश्रा और अब्दुल करीम की गिरफ्तारी के बाद एटीएस की टीम ने उनके ठिकानों से हथियार भी बरामद किए हैं। एटीएस एसपी ऋषभ झा ने बताया कि अब्दुल करीम के घर से दो पिस्तौल, जिंदा कारतूस और आधा दर्जन मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। झारखण्ड एटीएस एसपी ऋषभ झा ने बताया कि गिरफ्तार तीनों अपराधियों का आपराधिक इतिहास रहा है। हजारीबाग हत्याकांड में गिरफ्तार प्रमोद कुमार पर आधा दर्जन से अधिक मामले दर्ज हैं। इधर सूत्रों से जानकारी मिली कि अपराधी प्रमोद कुमार साव को नाटकीय अंदाज में एटीएस ने राँची के एक सिनेमा हॉल से फिल्म देखकर निकलते समय दबोच लिया।●

अपहृत जेएसएससी कर्मी के अपहरणकर्ता हुए गिरफ्तार

● ओम प्रकाश

झारखंड राजधानी राँची के नामकुम इलाके के खरसीदाग ओपी क्षेत्र से पांच लाख की फिरौती की मांग को लेकर अपराधियों ने झारखण्ड कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी) के कर्मी विजय लाल उरांव का उनकी कार के साथ अपहरण कर लिया था। विजय की पत्नी के बयान पर प्राथमिकी दर्ज कर खरसीदाग पुलिस ने पांच अपराधियों को गिरफ्तार कर विजय लाल को सकुशल बरामद कर लिया है। इस सम्बंध में ग्रामीण एसपी सुमित अग्रवाल ने प्रेसवार्ता कर बताया कि सेक्टर तीन धुर्वा की रहने वाली मुंदरी देवी ने अपने पति विजय लाल उरांव के अपहरण की प्राथमिकी दर्ज कराई थी। जिसमें उसने बताया था कि विजय नामकुम स्थित जेएसएससी में कार्यरत हैं। वह सास के दशकर्म में शामिल होने के लिए खरसीदाग ओपी क्षेत्र के भुसूर आया हुआ था एवं वहीं से ऑफिस ड्यूटी जाता था। मुंदरी देवी ने बताया कि 27 नवंबर को सुबह 11 बजे विजय अपनी वैगनआर कार लेकर ड्यूटी के लिए निकला था।इसी दौरान अपराधियों ने कार सहित उसका अपहरण कर लिया।अपहरणकर्ता ने विजय के मोबाइल से फोन कर परिजनों से पांच लाख की फिरौती मांगी। जिसके बाद कांड का उदभेदन एवं अपहृत व्यक्ति की बरामदगी हेतु वरीय पुलिस अधीक्षक राँची चंदन कुमार सिन्हा के द्वारा पुलिस अधीक्षक ग्रामीण सुमित अग्रवाल राँची के निर्देशन में, पुलिस उपाधीक्षक (मु0) प्रथम अमर कुमार पाण्डेय राँची के नेतृत्व में एक छापामारी दल का गठन किया गया। टीम में खरसीदाग ओपी प्रभारी भवेश कुमार भी शामिल थे।छापामारी दल के द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए सिठियो ब्रिज रिंग रोड धुर्वा के पास एक सुमो गाड़ी नं0-JH10AD-6262 को घेरकर जाँच किया गया तो वाहन के अन्दर से अपहरण करने वाले 05 व्यक्तियों सहित अपहृत विजय लाल उराँव को वाहन के अन्दर पाया गया। छापामारी दल द्वारा उक्त पाँचों अपराधकर्मियों को गिरफ्तार करते हुए अपहृत को सकुशल बरामद किया गया। छापामारी दल द्वारा बरामद वाहन एवं गिरफ्तार अपराधकर्मियों की तलाशी ली गयी तो सुमो गाड़ी से 02 पीस लोहे का रॉड, एक बाँस का डंडा, 32 फीट लंबा रस्सी, एक कुल्हाड़ी तथा पकड़ाये अपराधकर्मियों के पास से कुल 05 पीस मोबाईल बरामद किया गया, जिसे विधिवत जप्त किया गया। पुलिस द्वारा अपहृत व्यक्ति विजय लाल उराँव को सकुशल बरामद कर उनके परिजन के सुपुर्द किया गया है। इसके बाद पांचो अपराधियों की गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार अपराध कर्मियों में संजय कुमार महतो उम्र करीब 38 वर्ष, सूरज कुमार स्वांसी उम्र करीब 42 वर्ष, अभिराम महतो उम्र करीब 40 वर्ष, तीनों राहे निवासी, अर्पित शर्मा उम्र करीब 20 वर्ष निवासी काठीटांड, रातु और अजय कुमार महतो उम्र करीब 32 वर्ष निवासी काँके रांची शामिल हैं। मिली जानकारी के अनुसार अपहरणकर्ता विजय का अपहरण कर देवगाई होते हुए बुंडू जंगल ले गए। जहां पेड़ से बांधकर उसके साथ मारपीट की गई। मारपीट में विजय के तीन दांत टूट गए एवं सिर एवं अन्य जगहों पर चोट के निशान बन गए।आरोपियों ने विजय के मोबाइल से परिजनों को फोन पर पांच लाख रुपए मांगे।परिजनों ने डर से बीस हजार गुगल पे कर दिया।वहीं आरोपियों ने विजय के मोबाइल से भी जबरन पैसा ट्रांसफर करवाया।बांकी का पैसा देने के लिए परिजनों पर दबाव बनाने लगे परिजनों ने नकद पैसा नहीं होने की बात कही तो अपराधियों ने 50 हजार नकद एवं बाकी का चेक देने के लिए सिठियो ब्रिज पर बुलाया। जहां परिजनों की सूचना पर पुलिस ने प्लान बनाकर सभी को दबोच लिया।●

✮ छापामारी दल में शामिल :-

☞ श्री अमर कुमार पाण्डेय, पुलिस उपाधीक्षक (मु०) प्रथम, राँची।

☞ पु०अ०नि० भवेश कुमार, ओ०पी० प्रभारी खरसीदाग, राँची।

☞ पु०अ०नि० नितीश कुमार, खरसीदाग ओ०पी०, राँची।

☞ पु०अ०नि० शुक्रा उराँव, खरसीदाग ओ०पी०, राँची।

☞ स०अ०नि० बिन्दु भूषण, खरसीदाग ओ०पी०, राँची।

☞ खरसीदाग ओ०पी० सशस्त्र बल ।

मंजूनाथ भजंत्री ने संभाला उपायुक्त का पदभार

● **ओम प्रकाश**

राजधानी रांची के नए उपायुक्त के पद पर मंजूनाथ भजंत्री ने 29 नवंबर, 2024 को पदभार ग्रहण किया। समाहरणालय ब्लॉक-। स्थित उपायुक्त कार्यालय कक्ष वरुण रंजन ने उन्हें पदभार सौंपा। इस दौरान जिलास्तरीय पदाधिकारी उपस्थित थे। मंजूनाथ भजंत्री 2011 बैच के आईएएस अधिकारी हैं। इस मौके पर वरुण रंजन ने उन्हें शुभकामनाएं दी। उन्होंने काफी कम समय में विधानसभा आम निर्वाचन चुनाव को सफलतापूर्वक संपन्न कराने एवं अन्य कार्यक्रमों में समन्वय के साथ कार्य संपादित किए जाने पर सभी पदाधिकारी व कर्मियों को धन्यवाद दिया।

☞ **सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर उतारना प्राथमिकता :-** वहीं, पदभार ग्रहण करने के बाद उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने कहा जिला प्रशासन सरकार की सभी जन कल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर उतरने का कार्य करेगी। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन के स्तंभ पंचायत, प्रखंड अंचल कार्याल एवं पुलिस स्टेशन के पदाधिकारी/कर्मी ससमय कार्यालय आएं एवं संवेदनशीलता के साथ कार्य करें। श्री भजंत्री ने कहा कि इस बात का ध्यान रखें कि आम जनता को कार्यालय का चक्कर न काटना पड़े। उन्होंने कहा कि कमियों की समीक्षा कर जिला प्रशासन एक्शन प्लान के तहत कार्य करेगा। उपायुक्त, राँची श्री मंजूनाथ भजन्त्री की अध्यक्षता में आज दिनांक 09.12.2024 को जिला के सभी मुखियागण के साथ ऑनलाइन समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गयी। समाहरणालय स्थित कार्यालय प्रकोष्ठ में अयोजित बैठक में सभी मुखिया से पंचायत भवन में मूलभूत सुविधाओं की जानकारी लेते हुए उपायुक्त द्वारा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। उपायुक्त श्री मंजूनाथ भजन्त्री द्वारा जिला के सभी प्रखंडों के पंचायत भवन में मूलभूत सुविधाओं की समीक्षा की गई। पीने का पानी, बिजली, जेनरेटर, कंप्यूटर, इंटरनेट, भवन की स्थिति, शौचालय, प्रज्ञा केंद्र, पहुँच पथ आदि की जानकारी लेते हुए उपायुक्त द्वारा सभी मुखियागण को संबंधित प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं पंचायत सचिव से समन्वय स्थापित करते हुए 31 दिसंबर 2024 तक व्यवस्था दुरुस्त करने को कहा गया।

☞ **'हर पंचायत में प्रज्ञा केंद्र का संचालन सुनिश्चित करें- उपायुक्त, श्री मंजूनाथ भजन्त्री :-** बैठक के दौरान उपायुक्त, श्री मंजूनाथ भजन्त्री ने कहा कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाएं एवं अन्य सेवाओं के लिए लोगों को प्रखंड/अंचल कार्यालय का चक्कर न लगाना पड़े इसलिये सभी पंचायत भवन में सुविधा उपलब्ध करायें। सभी पंचायतों में प्रज्ञा केंद्र

एवं इंटरनेट की स्थिति की जानकारी लेते हुए उन्होंने कहा कि हर पंचायत में प्रज्ञा केंद्र का नियमित संचालन सुनिश्चित करें। उपायुक्त द्वारा बीएसएनएल के स्थानीय प्रबंधक से समन्वय स्थापित करते हुए शैडो एरिया में आने वाले पंचायतों में इंटरनेट की उपलब्धता सुनिश्चित करने का निर्देश जिला पंचायती राज पदाधिकारी को दिया गया।

☞ **पंचायत का होगा औचक निरीक्षण, बेस्ट पंचायत को किया जाएगा सम्मानित :-** उपायुक्त श्री मंजूनाथ भजन्त्री ने कहा कि उनके द्वारा जिला के पंचायतों का औचक निरीक्षण किया जाएगा। साथ ही पंचायत भवन में व्यवस्था एवं संचालन के मानक के आधार पर हर प्रखंड के साथ-साथ जिला के सर्वोत्तम पंचायत को प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया जायेगा। पंचायत के सुदृढ़ीकरण के लिए उपायुक्त द्वारा सभी मुखियागणों से प्रो-एक्टिव होकर कार्य करने को कहा गया।

☞ **'शिकायतों के त्वरित समाधान के लिए व्हाट्सएप नंबर 9430328080 से जुड़ें - उपायुक्त श्री मंजूनाथ भजन्त्री' :-** बैठक के दौरान उपायुक्त श्री मंजूनाथ भजन्त्री द्वारा जिले में लोगों की शिकायतों के तत्काल समाधान के लिए जारी व्हाट्एएप नंबर 9430328080 की भी जानकारी दी गयी। उन्होंने सभी मुखियागणों से कहा कि जिला प्रशासन द्वारा जारी व्हाट्सएप नंबर 9430328080 का प्रचार-प्रसार करें ताकि सुदूर ग्रामीण क्षेत्र के लोग जिला प्रशासन तक सीधे अपनी समस्याएं पहुंचा सकें। साथ ही उपायुक्त द्वारा सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं एवं जिला स्तर की दैनिक बैठकों की जानकारी प्रखंड स्तर तक पहुंचाने के लिए बनाये गये व्हाट्सएप ग्रुप 'अबुआ' से जुड़ने का भी आग्रह किया।●

पुलिस की छापेमारी में तीन लूटेरे गिरफ्तार

● ओम प्रकाश

लोहरदगा पुलिस को लुटेरों के खिलाफ बड़ी सफलता मिली है।दो लोडेड देसी कट्टा और लूटे हुए सामान के साथ तीन लुटेरों को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। बता दे कि लोहरदगा पुलिस अधीक्षक हारिस बिन जमां को मिली गुप्त सूचना के आधार पर यह करवाई की गई है।13.12. 2024 की रात्रि करीब 00.55 बजे पुलिस अधीक्षक को मिली गुप्त सूचना के बाद एक छापेमारी टीम का गठन किया गया और सदर थाना क्षेत्र के जुरीया रोड स्थित डी०ए०वी स्कूल रोड़ में सितामनी एक्का के मकान में छापामारी किया गया। वहां भाड़े के मकान से दो लोडेड देसी कट्टा, लूटे गए चोरी के दो मोटरसाइकिल, चार मोबाइल फोन और एक लैपटॉप के साथ तीन लुटेरों को गिरफ्तार किया गया।

गिरफ्तार लुटेरों में :-

1.शैलेस कुमार साहु उम्र करीब 19 वर्ष, पिता-प्रेम प्रकाश रमण सा० उसेलेन बरवाटोली, थाना व जिला-लोहरदगा, 2. राजेन्द्र महली उम्र करीब 24 वर्ष, पिता शेलवाहन महली, सा०-तिगड़ा लालपुर, थाना व जिला-लोहरदगा,

3. इमरोज अंसारी, उम्र करीब 18 वर्ष पिता स्व०- फिरोज अंसारी, सा०-नगजुआ. थाना-कैरो, जिला-लोहरदगा शामिल है।

✯ छापामारी टीम में शामिल पुलिस पदाधिकारी एवं पुलिसकर्मी :-

☞ पु०अ०नि०-राकेश कुमार गुप्ता, लोहरदगा थाना।

☞ पु०अ०नि०-संजय कुमार, लोहरदगा थाना।

☞ स०अ०नि०-चन्द्रदीप मेहता, लोहरदगा थाना।

☞ I.R.B. आरक्षी-412-मनिष कुमार सिंह, लोहरदगा थाना।

☞ I.R.B. आरक्षी-480-ललन कुमार, लोहरदगा थाना।

☞ I.R.B. आरक्षी-487-अजय कुमार तिवारी, लोहरदगा थाना।

☞ I.R.B. आरक्षी-427-अमित कुमार तिवारी, लोहरदगा थाना।

☞ I.R.B. आरक्षी-396-देवेन्द्र कुमार, लोहरदगा थाना।

☞ I.R.B. आरक्षी-380-धर्मेन्द्र राम, लोहरदगा थाना।

☞ I.R.B. आरक्षी-365-देवेन्द्र राम, लोहरदगा थाना एवं 11 चालक आरक्षी-256-सत्य किशोर कुमार, लोहरदगा थाना।

✯ बरामद सामान :-

☞ एक 3.15 बोर का एक देशी कट्टा जिसमें 3.15 M.M. का गोली लोड किया हुआ।

☞ नीले रंग का VIVO का स्मार्ट फोन जिसका I.M.E.I. No.- 865203048374791,(2) 865203048374783

☞ Samsung कम्पनी Keypad Mobile काले रंग का।

☞ H.P का ग्रे रंग का स्ंचजवच

☞ 2100/-रुपया केस (500 का चार और 100 का एक)

☞ काले रंग का एक हिरो होण्डा मोटरसाईकिल जिसका रजिस्टेशन नं०- JHO8J-3466

☞ हिरो लिखा हुआ एक मोटरसाईकिल का चाभी।

☞ 7.65 M.M. का मिशफारय जैसा गोली जिसपर KF-7.65 अंकित

☞ एक 3.15 बोर का एक देशी कट्टा जिसमें 3.15 M.M. का गोली लोड किया हुआ।

☞ एक ग्रे रंग का Realmi Smart Phone c25y

☞ एक Oppo का सिलभर रंग का Smart Phone

☞ घटना कारित करते समय एक मूँह ढकने वाला काले रंग का नकाब। बरामद किया है।

लोहरदगा पुलिस अधीक्षक हारिस बिन जमां ने प्रेस कॉन्फ्रेंस बताया कि 13.12. 2024 की रात्रि करीब 00. 55 बजे गुप्त सूचना के आधार पर एक छापामारी दल का गठन कर छापामारी करने हेतु लोहरदगा थाना क्षेत्र अन्तर्गत ग्राम जुरीया डी०ए०वी स्कूल रोड़ में सितामनी एक्का के मकान में छापामारी किया गया। जहां से तीन लुटेरे गिरफ्तार किए गए।गिरफ्तार तीनों आरोपी डकैती की योजना बना रहे थे और सभी का अपराधिक इतिहास रहा है। पूर्व में सभी जेल जा चुके है। जब्त किए गए सभी समान दिनांक 07. 12.2024 की रात्रि में हिरही से लुटे गये एवं बिते दिनांक-13.12.2024 के रात्रि में बदला गाँव थाना सेन्हा से लुटे गये है। इनके पास से लूट का सम्मान भी बरामद किया गया है, जिसके बाद इन्हें गिरफ्तार कर जेल भेजा जा रहा है।●

अवैध संबंध में धारदार हथियार से हत्या

● ओम प्रकाश

राजधानी रांची के दशमफॉल थाना क्षेत्र में बीते 28 नवम्बर को धर्मपाल मुंडा नामक युवक की हत्या के मामले का पुलिस ने खुलासा कर लिया है।इस हत्याकांड मामले में चार अपराधियों की गिरफ्तारी हुई है। पुलिस ने सभी आरोपियों को जेल भेज दिया गया है।

✯ जेल जाने वाले आरोपियों के नाम :-

☞ विशेश्वर लोहरा, उम्र करीब 32 वर्ष, पे० दशरथ लोहरा, सा०-बड़कोलमा, थाना-बुण्डू, जिला-राँची।

☞ जय प्रकाश लोहरा उर्फ सिकरा उम्र करीब 30 वर्ष पिता दिगम्बर लोहरा सा० सरमाली, थाना सोनाहातु, स्थायी पता पेडाईडीह, थाना तमाङ, जिला राँची।

☞ सुरेश लोहरा उम्र करीब 20 वर्ष पिता फागु लोहरा सा०-टिम्पुर, थाना तमाड।

☞ शिवराज लोहरा, उम्र करीब 26 वर्ष, पे० दशरथ लोहरा, सा०-बड़कोलमा,थाना-बुण्डू, जिला राँची।

✯ छापामारी दल के सदस्य :-

☞ श्री ओम प्रकाश अनुमण्डल पुलिस पदाधिकारी बुण्डू, राँची।

☞ पु०अ०नि० प्रशांत गौरव थाना प्रभारी दशमफॉल थाना, राँची।

☞ पु०अ०नि० अनिल कुमार मोहली दशमफॉल थाना, राँची।

☞ पु0अ0नि0 गणेश कुमार यादव दशमफॉल थाना, राँची।

☞ स०अ०नि० चरवा उराँव दशमफॉल थाना, राँची।

☞ स०अ०नि० बलेन्द्र कुमार तकनिकी शाखा प्रभारी ग्रामीण, राँची।

☞ आ0-1854 बिरेन्द्र सिंह तकनिकी शाखा ग्रामीण, राँची।

☞ आ0-1632 देवेन्द्र उराँव तकनिकी शाखा ग्रामीण, राँची।

☞ सशस्त्र बल दशमफॉल थाना, राँची।

पुलिस के मुताबिक 28 नवम्बर को वादी शिशुपाल मुण्डा, उम्र करीब 26 वर्ष,पिता स्व० भूतनाथ मुण्डा,ग्राम-बडकोलमा, थाना-बुण्डू जिला राँची के लिखित आवेदन के आधार पर अज्ञात अपराधकर्मियों के विरूद्ध वादी के भाई धर्मपाल मुण्डा को धारदार हथियार से मारकर हत्या कर देने के आरोप में यह मामला दर्ज किया गया था।उक्त काण्ड का उद्‌भेदन हेतु वरीय पुलिस अधीक्षक रांची चंदन कुमार सिन्हा के द्वारा पुलिस अधीक्षक ग्रामीण सुमित अग्रवाल राँची के निर्देशन में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बुण्डू के नेतृत्व में एक छापामारी दल का गठन किया गया।काण्ड के अनुसंधान एवं छापामारी के क्रम में इस काण्ड में संलिप्त चार अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त हथियार लोहे की बनी दवली तथा घटना को कारित करने में प्रयुक्त दो मोटरसाईकिल एक स्कूटी और चार मोबाइल फोन जब्त किया गया। ग्रामीण एसपी सुमित अग्रवाल ने रविवार को प्रेस वार्ता में बताया कि काण्ड के अनुसंधान में पता चला कि काण्ड के मृत्तक धर्मपाल मुण्डा का अभियुक्त विशेश्वर लोहरा की पत्नी के साथ अवैध संबंध था। जिसके कारण अभियुक्त विशेश्वर लोहरा धर्मपाल मुण्डा को मारने के लिए बहुत दिनों से प्लान बना रहा था। मृत्तक धर्मपाल मुण्डा टेम्पू चलाने का काम करता था। घटना के दिन अभियुक्त विशेश्वर लोहरा द्वारा बनाये प्लान के तहत सुरेश लोहरा द्वारा मृत्तक के टेम्पू को जंगल वाले रास्ते से फतेहपुर गाँव एक बोरा आलू ले जाने के लिए रिजर्व किया था। आरोपी सूरेश लोहरा मृतक के टेम्पू को रिर्जव कर फतेहपुर गाँव के लिए निकला तथा टेम्पू के पीछे पीछे अभियुक्त विशेश्वर लोहरा स्कूटी से, शिव राज लोहरा तथा जय प्रकाश लोहरा अपने-अपने बाईक से जाने लगा। रिजर्व कर ले जाने के क्रम में ग्राम गभडेया जोजोटोला के पहले सुनसान जंगल वाले रास्ते में अभियुक्तों के द्वारा टेम्पू को ओवर टेक कर टेम्पू रोककर मृतक को टेम्पू से उतार कर दवली से मार कर हत्या कर दी गई।●

अभी कलम उठाइये

आपके सामने हो रहे भ्रष्टाचार एवं अपराध की खबर की समीक्षा करें और सरकार सहित पुलिस-प्रशासन तक उसको पहुंचाने के लिए केवल सच पत्रिका के साथ जुड़े। खबर की जानकारी इस नम्बर पर दें

सम्पर्क करें:- 9431073769/8340360961

ई-मेलः- editor.kstimes@rediffmail.com पर भेजें।

बाइक चोर गिरोह के सरगना समेत सात अपराधी गिरफ्तार

● **ओम प्रकाश**

राजधानी राँची की लालपुर पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने राजधानी में दो बाइक चोर गिरोह का खुलासा करते हुए गिरोह के सरगना सहित सात अपराधियों को गिरफ्तार किया है। साथ ही चोरी की पांच बाइक एक स्कूटी एवं एक पिस्टल भी बरामद किया है। सिटी एसपी के निर्देश पर सिटी डीएसपी के नेतृत्व में लालपुर पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज की मदद और स्थानीय लोगों के सहयोग से बाइक चोरी कर उन्हें कम कीमत में बेचने वाले गिरोह के सात अपराधियों को गिरफ्तार किया है।गिरफ्तार अपराधियों में मोस्ट वांटेड अपराधी गुरफान अंसारी उर्फ छोटु, तनवीर आलम के अलावा अर्जुन महतो, वासुदेव शाह, रोशन दास, भरत दास और आमिर अंसारी शामिल हैं। इन सभी अपराधियों में गिरोह का सरगना तनवीर आलम है। वह मूल रूप से खूंटी जिला के कर्रा थाना क्षेत्र के मस्जिद बस्ती बड़ा स्कूल के समीप का रहने वाला है। वर्तमान में वह हिन्दपीढ़ी थाना क्षेत्र के नाला रोड में रहता है। वर्ष 2020 में मोबाइल चोरी के केस में वह जेल भी जा चुका है।

राँची के सिटी एसपी राजकुमार मेहता ने लालपुर थाना परिसर में प्रेसवार्ता में पत्रकारों के समक्ष बताया कि हाल के दिनों में कई बाइक चोरी की वारदातों को अंजाम दिया गया था।इसी बीच आम लोगों के द्वारा यह सूचना दी गई कि लालपुर इलाके से चोरी की गई बाइक को सन्त अन्ना स्कूल वाली गली में चोर लेकर भाग रहे हैं। जिसके बाद स्थानीय लोगों की मदद से पुलिस ने दो चोरों को गिरफ्तार कर लिया और फिर गिरफ्तार चोरों की निशानदेही पर अन्य पांच को भी धर दबोचा। गिरफ्तार अपराधियों के पास से चोरी के छह बाइक और स्कूटी भी बरामद किए गए हैं। सिटी एसपी ने आगे बताया कि गुरफान एक कुख्यात अपराधी है। पुलिस ने जब गुरफान को गिरफ्तार किया, तब उसने अपने पास मौजूद पिस्टल को नाले में फेंक दिया। हालांकि बाद में पूछताछ के दौरान पुलिस को जब जानकारी मिली तब नाले से पिस्तौल को बरामद कर जब्त कर लिया गया।वहीं तनवीर आलम खूँटी के कर्रा इलाके का रहने वाले है।फिलहाल वो राँची मे के हिन्दपीढ़ी थाना क्षेत्र के नाला रोड में रहता है। उन्होंने आगे बताया कि शुभ नारायण उपाध्याय के द्वारा मोटरसाइकिल चोरी होने से संबंधित लिखित शिकायत पर लालपुर थाना में दो दिसंबर को बाइक चोरी का केस दर्ज किया गया था। केस के अनुसंधान के दौरान पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज हासिल किया। जिसके आधार पर एक आरोपी की पहचान कर मो तनवीर को गिरफ्तार किया गया एवं उसकी निशानदेही पर छापामारी कर बाकी के सभी अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया गया।

गिरफतार अपराधियों ने पुलिस की पूछताछ में खुलासा किया है कि वे लोग हर दिन दो से तीन बाइक चुराते थे।बाइक चोरी कर सबसे पहले उसका नंबर बदल दिया करते थे और फिर सोशल मीडिया के जरिए 4000 से 5000 में एक बाइक बेच देते थे। ग्रामीण इलाकों में रहने वाले युवा सबसे ज्यादा बाइक खरीदते थे।क्योंकि ग्रामीण इलाकों में बाइक की चेकिंग कम होती है। ऐसे में चोरी की बाइक आसानी से खप जाती थी। बाइक चोर गिरोह का खुलासा और अपराधियों के पकड़ने वाली टीम को सिटी एसपी राजकुमार मेहता ने सम्मानित किया।टीम में लालपुर थाना प्रभारी सह इंस्पेक्टर रूपेश सिंह, सुनील पासवान, जितेंद्र साहू, जिमी हांसदा, विकास कुमार सिंह, मसीह किस्कू, आनंद शंकर, तकनीकी शाखा के पुलिस पदाधिकारी एवं कर्मी सहित अन्य पुलिस पदाधिकारी शामिल थे। ●

अवैध हथियार के साथ दो अपराधी गिरफ्तार

● ओम प्रकाश

राजधानी रांची की नामकुम थाना पुलिस ने छापामारी कर सामलौंग से अवैध आग्नेयास्त्र के साथ दो अपराधी अंकित जायसवाल निवासी पुराना बाजरा टोली बुण्डू थाना+पो-बुण्डू जिला राँची,और किशन सोनी निवासी रायडीह थाना तमाड़ जिला राँची, को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके पास से एक 7.65 एमएम का अमेरिकन पिस्टल व चार जिंदा कारतूस बरामद किया है। जानकारी के अनुसार वरीय पुलिस अधीक्षक राँची, चंदन कुमार सिन्हा को गुप्त सूचना मिली कि बेलबगान निवासी धनेश्वर नायक के मकान में रहने वाले किरायेदार अंकित जायसवाल, जो कि एक अपराधिक प्रवृति का व्यक्ति है, अवैध आग्नेयास्त्र के बल पर अपने कुछ लोगों द्वारा आपराधिक घटना को अंजाम देने की फिराक में है। सूचना मिलने के बाद वरीय पुलिस अधीक्षक ने तुरंत ही पुलिस उपाधीक्षक (मु०)प्रथम, श्री अमर कुमार पाण्डेय राँची के नेतृत्व में एक छापामारी दल का गठन करने का निर्देश दिया जिसमें थाना प्रभारी श्री ब्रह्मदेव प्रसाद नामकुम के साथ-साथ थाना में पदस्थापित पु०अ०नि० सोनु कुमार दास एवं थाना के सशस्त्र बलों को शामिल किया गया। टीम को सामलौंग में कुछ लोगों द्वारा आपराधिक घटना

को अंजाम देने की गुप्त सूचना मिली थी। जिसके आधार पर मंगलवार की रात 11.30 बजे सामलौंग स्थित धनेश्वर नायक के घर में छापामारी कर अंकित व किशन को हिरासत में लिया गया। जांच के क्रम में पुलिस ने बैग से अमेरिकन पिस्टल और कारतूस बरामद किया। पूछताछ में अंकित ने बताया कि उसे हथियार किशन ने दिया है। वहीं किशन ने बताया कि उसे हथियार बुंडू निवासी गुडलू ने दिया था। गिरफ्तार युवकों की निशानदेही पर पुलिस ने बुंडू में छापामारी की, परंतु सफलता नहीं मिली। गिरफ्तार अंकित सामलौंग बेलाबगान में धनेश्वर नायक के घर में किराये पर रहकर मोबाइल दुकान में काम करता है। वहीं किशन बुंडू में ज्वेलर्स दुकान चलाता है। मामले में तीसरे अपराधी की गिरफ्तारी के लिए उसके छिपे होने के संभावित सभी ठिकानों पर पुलिस छापामारी कर रही है। जल्द हीं उसकी गिरफ्तारी सुनिश्चित की जायेगी। इस छापामारी टीम में डीएसपी मुख्यालय प्रथम अमर कुमार पांडेय, नामकुम थाना प्रभारी इंस्पेक्टर ब्रह्मदेव प्रसाद, पुलिस अवर निरीक्षक जयदेव सराक, सोनू कुमार, तारकेश्वर प्रसाद केशरी व सशस्त्र बल शामिल थे।●

संत जेवियर्स कॉलेज के फादर ने युवाओं के लिए खोल बेहतरीन रास्ते

● ओम प्रकाश

झारखंड के युवा अब अंतराष्ट्रीय स्तर के औद्योगिक गुण अपने राज्य में ही सीख पाएंगे। यह संभव हो पाया है राज्य के अग्रणी शैक्षणिक संस्थान संत जेवियर्स कॉलेज,रांची की एक अनूठी पहल की वजह से।रांची के संत जेवियर्स कॉलेज के लिए यह दिन ऐतिहासिक एवं विशिष्ट रहा। कॉलेज ने IIT भुवनेश्वर के साथ एक समझौता ज्ञापन (MOU) पर हस्ताक्षर किया। इस समझौते के अंतर्गत, IIT भुवनेश्वर अपनी तकनीकी कौशल, एवं कक्षाओं को संत जेवियर्स के विद्यार्थियों के लिए खोलेगा जिससे वो उद्यमिता के विभिन्न आयामों को समझ और सीख पाएंगे।यह समझौता ज्ञापन संत जेवियर्स कॉलेज के प्राचार्य फादर नाबोर लकड़ा और IIT भुवनेश्वर के बीच किया गया।

✯ संत जेवियर्स, झारखंड में इस तरह का MOU करने वाला पहला कॉलेज बना :- देश में अलग पहचान रखने वाले राजधानी रांची के जाने-माने कॉलेज संत जेवियर्स के फादर नाबोर लकड़ा ने कहा कि झारखंड के युवाओं को International level ds industrial quality यानी अंतरराष्ट्रीय स्तर के औद्योगिक गुण सीखने के लिये अब बाहर नहीं जाना होगा। यह गुण अब युवाओं को राजधानी रांची में ही सीखने को मिल सकेगा। वह भी शहर के बेहतरीन

शिक्षण संस्थान संत जेवियर्स कालेज में। इस दिशा में कालेज कदम बढ़ा चुका है। मौका था संत जेवियर्स कालेज और IIT भुवनेश्वर के बीच MOU का। संत जेवियर्स कालेज की तरफ से MOU पर कालेज के प्रिंसिपल फादर नाबोर लकड़ा ने साइन किया। इसके साथ ही संत जेवियर्स झारखंड में इस तरह का MOU करने वाला पहला कॉलेज बन गया है।

फादर नाबोर लकड़ा ने बताया कि इस समझौते के तहत IIT भुवनेश्वर अपनी Technical Skills यानी तकनीकी कौशल एवं क्लासेस को संत जेवियर्स के स्टूडेंट्स के लिए खोलेगा, जिससे वो उद्यमिता (Entrepreneurship) के विभिन्न आयामों को समझ और सीख पाये। फादर नाबोर लकड़ा ने बताया कि इनक्यूबेशन सेंटर का उद्देश्य स्थानीय समस्याओं को हल करने के लिए, अगली पीढ़ी के उद्यमियों को विकसित करना और उन्हें सशक्त बनाना होगा। इसके अंतर्गत छात्र अपने उद्योग संबंधित विचार लेकर आ सकते हैं, जिससे स्टार्टअप को बढ़ावा मिल सकता है। इस MOU का केंद्र बिंदु राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के अनुरूप रोजगार, धन और व्यवसाय का सृजन करना एवं नवीन प्रौद्योगिकी आधारित स्टार्टअप को बढ़ावा देना रहेगा। इनक्यूबेशन सेंटर युवा उद्यमियों के लिए ऐसा मंच प्रदान करेगा जहां वे अपने विचारों को व्यावसायिक प्रस्तावों में बदल सकते हैं। MOU साइन करते वक्त मौके पर संत जेवियर्स कॉलेज से डॉक्टर एन वेंकट अप्पा राव, डॉक्टर स्वरत चौधरी और डॉक्टर अभिजित डे मौजूद रहे।●

एनएसजी कमांडो का झारखण्ड में अभ्यास

● ओम प्रकाश

राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) के द्वारा नक्सल विरोधी जंगल अभ्यास 'अभ्यास- थंडरबोल्ट', 27 से 30 नवंबर तक रांची में आयोजित किया गया। यह अभ्यास रांची सहित रांची के बाहरी इलाकों में विभिन्न नक्सल प्रभावित संवेदनशील क्षेत्रों में आयोजित किया गया था। अभ्यास में नक्सलियों द्वारा अपनाई जा रही नवीनतम कार्यप्रणाली को शामिल करते हुए विभिन्न परिदृश्यों का अनुकरण किया गया, जिसका उद्देश्य प्रतिक्रियाकर्ताओं को यथार्थवादी अनुभव प्रदान करना था। नक्सल अभियान में अगर कभी एनएसजी की जरूरत पड़ी तो यह अभ्यास उनके काम आएगा। एनएसजी कमांडो अपने आप को नक्सल अभियान में दक्ष कर रहे हैं।एनएसजी कमांडो का यह अभ्यास राँची के बाहरी इलाकों में विभिन्न नक्सल प्रभावित संवेदनशील क्षेत्रों में आयोजित किया गया है।अभ्यास के दौरान एनएसजी कमांडो को नक्सलियों द्वारा अपनाए गए नवीनतम तरीकों को लेकर जानकारी दी गई। जंगली इलाकों में नक्सली किस तरह से जवानों को ट्रैप करते हैं, किस तरह से गुरिल्ला वार को अंजाम देते हैं, जैसे सभी तरह के नक्सली ट्रिक एनएसजी कमांडो को बताया गया।

झारखण्ड पुलिस मुख्यालय से मिली जानकारी के अनुसार इस अभ्यास का मुख्य उद्देश्य संभावित नक्सली खतरों का पूर्वानुमान लगाना और मुख्य नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में एकीकृत मजबूत सुरक्षा ग्रिड को सक्रिय करने के लिए आवश्यक प्रक्रियाओं का पूर्वाभ्यास करना था। इस अभ्यास में झारखण्ड पुलिस के नक्सल विरोधी विशेष बल झारखण्ड जगुआर, आतंकवाद विरोधी दस्ता और केंद्रीय सुरक्षाबल वन मुख्य रूप में शामिल थे। अभ्यास में कठिन से कठिन नक्सल विरोधी अभियानों में किस तरह से आपसी सामंजस्य बैठाया जाता है,यह भी एनएसजी कमांडो को बताया गया। अभ्यास के दौरान नक्सल विरोधी अभियान, बंधकों को छुड़ाना, आईईडी (इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस) का पता लगाना, जंगल विशेष योजना और ऑपरेशनों को लेकर कमांडोज को प्रैक्टिकल भूमि उपलब्ध करवाया गया। एनएसजी ने इस बात पर जोर दिया कि यह अभ्यास न केवल तैयारी को बढ़ाते हैं बल्कि संकट के दौरान उन्हें तुरंत और सटीक निर्णय लेने में सक्षम बनाते हैं। अभ्यास से पहले, एसपी (एटीएस) कार्यालय में एनएसजी द्वारा नक्सल विरोधी जंगल अभियानों के संचालन में प्रयुक्त हथियारों और उपकरणों का भी प्रदर्शन किया गया। इस अभ्यास ने एनएसजी, झारखंड जगुआर और आतंकवाद विरोधी दस्ता द्वारा अपनाई जा रही विभिन्न सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने और उनका अभ्यास करने का एक अनूठा अवसर प्रदान किया। इस अभ्यास से नक्सलियों द्वारा शुरू की गई आपात स्थितियों का अधिक प्रभावी ढंग से जवाब देने और संकट के समय जनता की रक्षा करने के लिए एनएसजी और स्थानीय प्रशासन की क्षमता में वृद्धि होने की उम्मीद है।●

14 जनवरी, मंगलवार को होगी मकर सक्रांति का पर्व : ज्योतिषचार्य पंडित तरुण झा

● निलेन्दु झा

ब्रज किशोर ज्योतिष संस्थान,डॉ रहमान चौक सहरसा के संस्थापक ज्योतिषाचार्य पंडित तरुण झा जी ने बतलाया है की हिंदू धर्म में संक्रांति का बड़ा महत्व है, हर वर्ष 12 संक्रांतियां होती हैं और प्रत्येक संक्रांति का अपना महत्व होता है, किसी एक राशि से सूर्य के दूसरी राशि में गोचर करने को ही संक्रांति कहते हैं, जब सूर्य मकर राशि में प्रवेश करते हैं तो उसे मकर संक्रांति कहते हैं, हिंदू धर्म में मकर संक्रांति पर्व बड़े उल्लास के साथ मनाया जाता है, इस दिन सूर्यदेव की विधिवत पूजा-अर्चना की जाती हैं, 2025 में 14 जनवरी को मकर सक्रांति मनाई जायेगी!

**'माघे मासे महादेवः यो दास्यति घृतकम्बलम।
स भुक्त्वा सकलान भोगान अन्ते मोक्षंप्राप्यति'**

(इस दिन जप, तप, दान, स्नान, श्राद्ध, तर्पण आदि धार्मिक क्रियाकलापों का विशेष महत्व है, ऐसी धारणा है कि इस अवसर पर दिया गया दान सौ गुना बढ़कर पुनः प्राप्त होता है। इस दिन शुद्ध घी एवं कम्बल का दान मोक्ष की प्राप्ति करवाता है।

☞ **मकर संक्रांति का महत्व :-** मकर संक्रांति को लेकर ऐसी मान्यता है कि इस दिन भगवान सूर्य अपने पुत्र शनि के दर्शन करने गए थे, इस मुलाकात में उन्होंने सारे मतभेदों को भुला दिया था, इसलिए कहा जाता है कि इस दिन सारे गिले-शिकवे भुला दिए जाते हैं,ज्योतिषीय रूप से संक्रांति के दौरान सूर्य ग्रह एक महीने के लिए शनि के घर (शनि द्वारा शासित मकर राशि) में प्रवेश करता है!

☞ **पौराणिक कथा :-** कपिल मुनि के आश्रम पर जिस दिन मातु गंगे का पदार्पण हुआ था, वह मकर संक्रांति का दिन था,पावन गंगा जल के स्पर्श मात्र से राजा भगीरथ के पूर्वजों को स्वर्ग की प्राप्ति हुई थी, कपिल मुनि ने वरदान देते हुए कहा था, मातु गंगे त्रिकाल तक जन-जन का पापहरण करेंगी और भक्तजनों की सात पीढ़ियों को मुक्ति एवं मोक्ष प्रदान करें! ●

कपिलेश्वर महादेव मधुबनी की महिमा है निराली

● निलेन्दु झा

कोशी रेंज की वरिष्ठ लेखिका / कवियत्री श्रीमती अंजु झा जी ने बताया हैं की बाबा कपिलेश्वर का मंदिर बहुत ही आकर्षक एवं भव्य है,यह बिहार के मधुबनी जिले में पड़ता है, यहां पर पूजा करने की वाली की सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती है,इस मंदिर के बाहर एक बहुत बड़ा तालाब है, जिसके जल से बाबा की पूजा अर्चना की जाती है और यही जल बाबा को चढ़ाया जाता है। पौराणिक मान्यता के अनुसार हजारों साल पहले यहां पर एक 'कर्दम नामक' ऋषि रहा करते थे जो शिव के बहुत बड़े भक्त थे पर उन्हें तपस्या

करने के लिए जल नहीं मिलता था,कहां जाता है कि तभी वरुण देव स्वयं प्रकट हुए और उन्होंने तालाब का निर्माण किया वह तालाब आज भी मौजूद है इस तालाब में नहाने से इंसान के सारे पाप धुल जाते हैं, भगवान शिव का लिंग काले पत्थर पर स्थित है जो दिखने में अष्टकोनी है शिव मंदिर के उत्तर पश्चिम दिशा में बटुक भैरव का मंदिर है और बगल में पार्वती माता का मंदिर भी है, गर्भगृह के पश्चिम दिशा में भगवान विष्णु का मंदिर है। सावन के महीने में यहां पर हजारों कांवारिया जल चढ़ाने के लिए आते हैं। पूर्णिमा और मकर संक्रांति के अवसर पर यहां भगवान शिव को 56 भोग लगाया जाता है। ●

मेष राशि :- इस महीने आपकी ऊर्जा और आत्मविश्वास उच्च स्तर पर रहेगा,करियर में नए अवसर मिल सकते हैं,बिजनेस से जुड़े लोगों को लाभ होगा, हालांकि पारिवारिक जीवन में कुछ चुनौतियां आ सकती हैं, क्रोध पर नियंत्रण रखें और रिश्तों को समय दें, स्वास्थ्य के मामले में सर्दी-खांसी से बचें और नियमित व्यायाम करें।

वृषभ राशि :- यह महीना आपके लिए आर्थिक रूप से शुभ रहेगा, रुके हुए पैसे वापस मिलने की संभावना है,नौकरीपेशा लोगों को ऑफिस में प्रशंसा मिलेगी,परिवार के साथ समय बिताना सुखद रहेगा, प्रेम जीवन में खुशहाली आएगी,हालांकि पेट से जुड़ी समस्याओं से सावधान रहें।

मिथुन राशि :- मिथुन राशि वालों के लिए यह महीना नए अवसर लेकर आएगा, नौकरी बदलने या प्रमोशन की संभावना है। दोस्तों और परिवार के साथ संबंध मजबूत होंगे, हालांकि कुछ अप्रत्याशित खर्च परेशान कर सकते हैं, मानसिक शांति के लिए ध्यान और योग का सहारा लें।

कर्क राशि :- दिसंबर का महीना कर्क राशि वालों के लिए मिश्रित परिणाम लेकर आएगा, करियर में कड़ी मेहनत की जरूरत होगी, आर्थिक मामलों में समझदारी से काम लें,परिवार के साथ अनबन हो सकती है, लेकिन संवाद से समाधान निकलेगा, सेहत का ध्यान रखें और अपनी दिनचर्या व्यवस्थित रखें।

सिंह राशि :- यह महीना सिंह राशि के लोगों के लिए बेहद शुभ रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत रंग लाएगी और वरिष्ठों का सहयोग मिलेगा। निवेश के लिए यह अच्छा समय है। परिवार के साथ यात्रा का योग बन सकता है। स्वास्थ्य में सुधार होगा, लेकिन खानपान का ध्यान रखें।

कन्या राशि :- कन्या राशि वालों के लिए यह महीना थोड़ा चुनौतीपूर्ण हो सकता है, कार्यक्षेत्र में रुकावटें आ सकती हैं, लेकिन धैर्य और मेहनत से आप सफलता प्राप्त करेंगे, रिश्तों में पारदर्शिता बनाए रखें। फिजूलखर्ची से बचें, स्वास्थ्य के मामले में नियमित जांच कराएं।

तुला राशि :- तुला राशि वालों के लिए यह महीना सामंजस्य और संतुलन का रहेगा, कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं, आर्थिक मामलों में सतर्क रहें, परिवार और दोस्तों के साथ समय बिताएं, इससे मानसिक शांति मिलेगी, त्वचा और बालों से जुड़ी समस्याओं से सावधान रहें।

आपका राशिफल

पंडित तरुण झा
ज्योतिषचार्य
(ज्योतिष, वास्तु एवं रत्न विशेषज्ञ)
ब्रज किशोर ज्योतिष संस्थान
प्रताप चौक, सहरसा-852201,
(बिहार)
मो० :- 9470480168

वृश्चिक राशि :- यह महीना आपके लिए आत्मविश्वास और दृढ़ता का रहेगा,करियर में तरक्की और नए प्रोजेक्ट्स पर काम करने का मौका मिलेगा, परिवार में शुभ समाचार आएगा,प्रेम जीवन में भी सुधार होगा। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा, लेकिन ठंड से बचाव करें।

धनु राशि :- धनु राशि वालों के लिए दिसंबर नई शुरुआत का महीना होगा,नौकरी या बिजनेस में लाभ के योग बन रहे हैं, परिवार के साथ समय बिताने से रिश्ते मजबूत होंगे, यात्रा के दौरान सावधान रहें, सेहत के लिए ध्यान और योग को अपनी दिनचर्या में शामिल करें।

मकर राशि :-मकर राशि के जातकों के लिए यह महीना आर्थिक रूप से फायदेमंद रहेगा। कामकाज में सफलता मिलेगी और नई जिम्मेदारियां मिलेंगी,परिवार और दोस्तों का सहयोग मिलेगा,हालांकि तनाव से बचने के लिए खुद को समय दें। सेहत का ध्यान रखें और पौष्टिक आहार लें।

कुंभ राशि :- कुंभ राशि के लिए दिसंबर रचनात्मकता और आत्मनिर्भरता का समय होगा,आपके आइडियाज सराहे जाएंगे,आर्थिक मामलों में समझदारी से फैसले लें। परिवार में खुशी का माहौल रहेगा, स्वास्थ्य अच्छा रहेगा, लेकिन बदलते मौसम से सावधान रहें।

मीन राशि :- मीन राशि वालों के लिए यह महीना संयम और धैर्य का है। कार्यक्षेत्र में मेहनत से लाभ मिलेगा। परिवार के साथ समय बिताने का मौका मिलेगा। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। सेहत के मामले में आंखों और सर्दी से जुड़ी समस्याओं से बचाव करें।

शिवानंद गिरि
(अधिवक्ता)
Ph.- 9308454485
7004408851
E-mail :-shivanandgiri5@gmail.com

✯ **उपभोक्ता संरक्षण हेतु क्या है कानूनी प्रावधान?**

आज हमारे देश का उपभोक्ता पहले से अधिक जागरूक हो गया है। भारत सरकार ने भी उपभोक्ताओं के अधिकारों के संरक्षण को महत्व देते हुए 1986 में उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम का प्रावधान किया है । उपभोक्ता वस्तुओं की गुणवत्ता नियंत्रित करने आदि मामलों से संबंधित नीति निर्धारित की जाती है।

उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के तहत, उपभोक्ताओं को कई तरह के अधिकार दिए गए हैं :-

☞ सुरक्षा का अधिकार
☞ हर्जाने/मुआवजे का अधिकार
☞ शिक्षा का अधिकार
☞ सुनवाई का अधिकार
☞ चयन का अधिकार
☞ जीवन और संपत्ति के लिए खतरनाक वस्तुओं और सेवाओं के विपणन के खिल्लाफ संरक्षण का अधिकार
☞ वस्तुओं और सेवाओं की गुणवत्ता, मात्रा, शक्ति, शुद्धता, मानक, और मूल्य के बारे में जानकारी पाने का अधिकार

इसके अलावा, उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के तहत, उपभोक्ताओं को अनुचित व्यापार प्रथाओं से बचाने के लिए कई और प्रावधान भी किए गए हैं :-

☞ भ्रामक विज्ञापनों पर रोक और जुर्माना का प्रावधान
☞ उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग का गठन

❖ **केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (CCPA) का गठन :-** उपभोक्ता संरक्षण विधेयक, 1986 का उद्देश्य उपभोक्ताओं के हितों की बेहतर सुरक्षा सुनिश्चित करना तथा उपभोक्ता विवादों के निपटारे और उससे संबंधित मामलों के लिए उपभोक्ता परिषदों और अन्य प्राधिकरणों की स्थापना का प्रावधान करना है। उपभोक्ता के पास सभी मूल अधिकार हैं, जैसे बुनियादी आवश्यकताओं का अधिकार, सुरक्षा का अधिकार, सूचना का अधिकार, चयन का अधिकार, प्रतिनिधित्व का अधिकार, निवारण का अधि कार, उपभोक्ता अधिकार और स्वस्थ पर्यावरण का अधिकार।

❖ **भारत में उपभोक्ता संरक्षण कानून जागरूकता फैलाने, मुद्दों का निवारण, उपभोक्ता अदालत में शिकायत करने के लिए उपभोक्ता के अधिकारों की लड़ाई :-** आप औपचारिक शिकायत दर्ज करने से पहले निर्माण कंपनी / डेवलपर को नोटिस भेजकर शिकायत दर्ज कर सकते हैं यह शिकायत, संबंधित माल में उपयुक्त प्रयोगशाला द्वारा पाए गए दोष को दूर करने, दोषपूर्ण माल को दोषमुक्त उसी प्रकार के नए माल से बदलने, उपभोक्ता को दोषपूर्ण माल की उचित कीमत या उसके द्वारा भुगतान किए गए शुल्क का भुगतान करने, शिकायतकर्ता को उसके द्वारा उठाए गए नुकसान के लिए निवारण एजेंसी द्वारा तय किए गए मुआवजे का भुगतान करने, व्यक्तियों को प्रदान की गई सेवाओं में दोषों या कमियों को दूर करने, अनुचित या प्रतिबंधात्मक व्यापार व्यवहार को रोकने या भविष्य में इसे न दोहराने का वचन देने, खतरनाक माल की आपूर्ति न करने आदि के लिए दायर की जा सकती है। आप सुनिश्चित करें कि आपके पास कंपनी की उपभोक्ता शिकायत निवारण प्रणाली का संपर्क विवरण है और वे आसानी से उपलब्ध हैं। ऐसी कंपनी से उत्पाद/सेवाएँ न खरीदें जो उपभोक्ता शिकायत अधिकारियों का विवरण प्रदान नहीं करती है, खरीदे गए सामान या सेवाओं पर नुकसान की अनदेखी करना और उनके खिलाफ शिकायत दर्ज न करना अनैतिक व्यवसायियों को घटिया या दोषपूर्ण सामान और सेवाओं की आपूर्ति जारी रखने के लिए प्रोत्साहित करता है। हमेशा वास्तविक मुद्दों के बारे में शिकायत करें और नुकसान को अपने पास न रखें, अगर आप उत्पाद/सेवाओं की प्रदान की गई गुणवत्ता से संतुष्ट नहीं हैं तो आपको शिकायत दर्ज करनी चाहिए। गुणवत्तापूर्ण वितरण सेवा में सुधार सुनिश्चित करने के लिए बनाये गए नियमों और विनियमों के अनुसार मुआवजे/दंड के लिए दावा कर सकते हैं। दोषपूर्ण सामान की वापसी/प्रतिस्थापन, रिफंड और वारंटी नीतियों से संबंधित निम्नलिखित सावधानियां ,नियम एवं प्रावधान है। सामान खरीदते समय प्रासंगिक मानकों जैसे गुणवत्ता चिह्न आईएसआई, हॉलमार्क, एगमार्क, आईएसओ, एफएसएसएआई, आदि को देखें। नकली/डुप्लिकेट/ खतरनाक उत्पाद खरीदने से दूर रहें।

☞ विक्रेताओं की बातों या उनके द्वारा दिए गए विज्ञापनों पर पूरी तरह भरोसा न करें। बाजार की समीक्षा/प्रतिक्रिया देखें। साथ ही, अगर आपको कोई सेवा या उत्पाद घटिया लगता है तो अधिकारियों को सूचित करें।
☞ उपभोक्ता को उत्पाद या सेवाओं की गुणवत्ता, मात्रा, उपयोगिता, मूल्य आदि के बारे में पूरी जानकारी मिलनी चाहिए।
☞ जिस कंपनी से आप उत्पाद खरीदना चाहते हैं, उसका उपभोक्ता शिकायत फोरम संपर्क विवरण मांगें। वस्तु खरीद को अंतिम रूप देने से पहले वस्तुओं और सेवाओं की विशिष्टताओं, अन्य विकल्पों और उचित मूल्यों की तुलना करें।
☞ उत्पादों या सेवाओं की प्रतिक्रिया और समीक्षाओं का अध्ययन करें।

✯ **उपभोक्ताओं को वास्तव में क्या करना चाहिए?**

भारत में उपभोक्ता संरक्षण कानूनों के तहत, आपको शिकायत दर्ज करने के लिए वकील नियुक्त करने की आवश्यकता नहीं है। शिकायत फॉर्म को विधिवत भरें और इसे दूसरे पक्ष के निवास या लाभ के कार्यालय या उस क्षेत्र के अधिकार क्षेत्र वाले जिला फोरम आयोग में जमा करें जहाँ परियोजना स्थित है। इसके लिए शुल्क डिमांड ड्राफ्ट के माध्यम से जमा किया जा सकता है। उपभोक्ता न्यायालय में की गई शिकायत, शिकायतकर्ता को बेची गई या वितरित की गई वस्तुओं या प्रदान की गई सेवा के संबंध में होनी चाहिए। यदि उपभोक्ता न्यायालय को लगता है कि उसके समक्ष दायर की गई शिकायत में कोई भी आरोप सत्य है, तो वह विपरीत पक्ष को उचित आदेश जारी करेगा। उपभोक्ता न्यायालय में जाने से पहले भारत सरकार के उपभोक्ता मामले विभाग के अंतर्गत राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन टोलफ्री नंबर 1800 11 4000 पर कॉल करके अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं। **(उपभोक्ता संरक्षण से जुड़ी शेष जानकारी अगले अंक में)**

S.U. COLLEGE, HILSA (NALANDA)
(A Constituent Unit of Patliputra University, Patna)
(श्रीचंद उदासीन महाविद्यालय, हिलसा, नालंदा)
Emai: sucollegehilsa@gmail.com
Website: www.sucollegehilsa.ac.in
COURSES:-
❖ U.G. (Regular)
◆ B.A.
◆ B.SC.
◆ B.COM.
❖ U.G. (Vocational)
◆ B.C.A.
◆ B.B.A.
◆ B.Sc.-Biotechnology
◆ B.L.I.S.
❖ P.G. (Regular)
◆ M.A.
◆ M.SC.
➢ N.S.S.
➢ N.C.C.
FACILITY:-
● Wi-Fi Campus
● Computer Lab
● ICT Lab
● Smart Classroom
● Science Lab
● Auditorium
● Gymnasium
● CCTV Camera
● Canteen
● Parking
● Playground
● Central Library
● E-Library
● Library reading room
● Career Councelling and Placement cell
● Hostal
● Website
प्रो. (डॉ.) गजेन्द्र प्रसाद गदूकर
प्राचार्य

बिहार एवं झारखण्ड की तेज़ी से बढ़ती पत्रिका
"केवल सच"
सबुत के साथ खबर लिखता है
केवल सच मिडिया ग्रुप
भ्रष्टाचार एवं दहशतगर्दी
और
मुखिया से मुख्यमंत्री
थाना प्रभारी से डीजीपी के
साक्षात्कार के लिए चर्चित
पत्रिका केवल सच
से आज ही जुड़े।
ब्रजेश मिश्र
www.kewalsachlive.in
वेब पोर्टल न्यूज
Mob. 09431073769, 9308727077
केवल सच
राष्ट्रीय हिन्दी मासिक पत्रिका
www.kewalsach.com
Kewal Sach TIMES
A National Magazine
www.kewalsachtimes.com
प्रधान कार्यालय- पूर्वी अशोक नगर, रोड नं.-14, मकान सं. 28/14, कंकड़बाग, पटना-800020 (बिहार)
झारखण्ड कार्यालय- सेक्टर-1, ब्लॉक-22, फ्लैट-303, खेलगाँव हाउसिंग कॉम्प्लेक्स, होटवार, राँची (झारखण्ड)
सम्पर्क संख्या :- 09431073769, 9955077308, 9308727077

शुद्ध चावल एवं मक्के के आटे से निर्मित नमकीन
Dhunky NAMKEEN
Shree Shyamji Udyog
गजब स्वाद की ! गजब कहानी !
Rings
Veg Biryani
Light Box
fssai
Lic No. 1042411000004
Veg Biryani
masala pola
katori chaat
rings
snacks
Expanding our Namkeen family!
Dealers inquiries welcome, contact us today!
NEAR JAI PRAKASH EVENING INTER COLLEGE
JANDAHA ROAD HAJIPUR (VAISHALI)
MOB: 7782053204
MADE IN INDIA
PURE

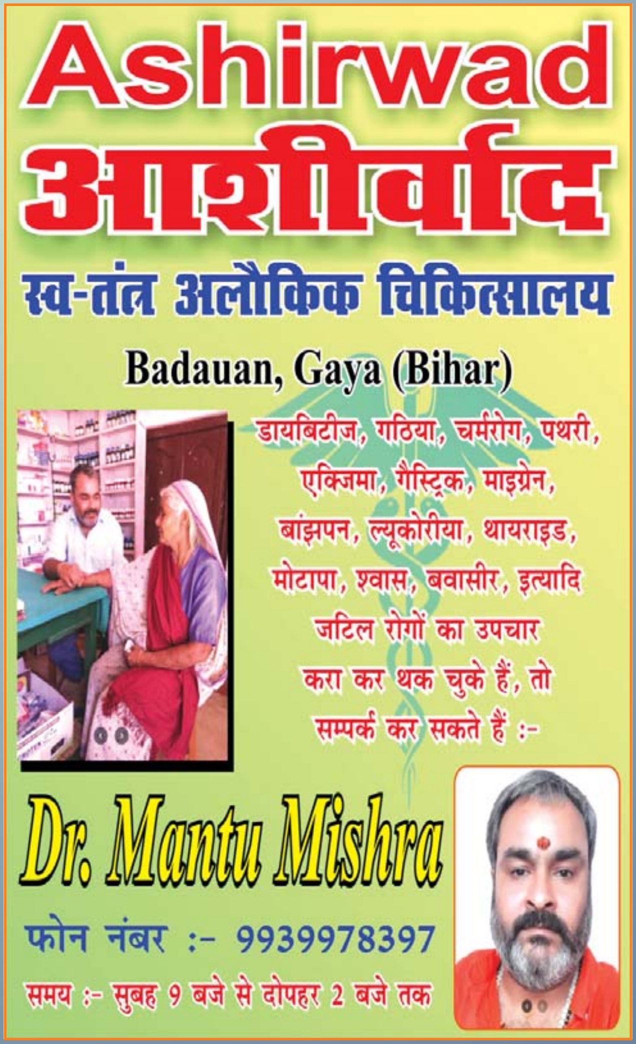
Ashirwad
आशीर्वाद
स्व-तंत्र अलौकिक चिकित्सालय
Badauan, Gaya (Bihar)
डायबिटीज, गठिया, चर्मरोग, पथरी,
एक्जिमा, गैस्ट्रिक, माइग्रेन,
बांझपन, ल्यूकोरीया, थायराइड,
मोटापा, श्वास, बवासीर, इत्यादि
जटिल रोगों का उपचार
करा कर थक चुके हैं, तो
सम्पर्क कर सकते हैं :-
Dr. Mantu Mishra
फोन नंबर :- 9939978397
समय :- सुबह 9 बजे से दोपहर 2 बजे तक

WESTERLIN DRUGS PVT. LTD.
(Serving nation since 1990)

WESTOCITRON
WESTOCLAV
WESTOFERON
WESTOPLEX
QNEMIC

AOJ
AZIWEST
DAULER
MUCULENT
AOJ-D
BESTARYL-M
GAS-40
MUCULENT-D

SEVIPROT
WESTOMOL
WESTO ENZYME
ZEBRIL

WESTERLIN DRUGS PVT. LTD.

Industrial area, Fatuha-803201
E-mail- westerlindrugsprivatelimited@gmail.com
Phone No.:0162-3500233/2950008